ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 316 | गाजियाबाद / मंगलवार 17 फरवरी 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की... 11

दुनिया के सबसे बड़े एआई समिट का आगाज

• पीएम नरेन्द्र मोदी ने किया उद्घाटन • दुनिया के टैक दिग्गज कर रहे शिरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में दुनिया के सबसे बड़े आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट का उद्घाटन किया। 20 फरवरी तक चलने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के महाकुंभ 'एआई इंपैक्ट समिट 2026' में हिस्सा लेने के लिए गूगल और अल्फाबेट को रिप्रेजेंट करने वाले सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन (ओपन एआई), डेमिस हसाबिस (गूगल डीपमाइंड), ब्रैड स्मिथ (माइक्रोसॉफ्ट), क्रिस्टियानो अमोन (क्वालकॉम), और बिल गेट्स (गेट्स फाउंडेशन) जैसे दुनिया के दिग्गज यहां पहुंच चुके हैं। समिट में टेक लीडर्स एआइ को लेकर भविष्य की योजना बताएंगे। एक्सपो में 300 से ज्यादा प्रोजेक्ट दिखाए जाएंगे। यहां लोग जान सकेंगे कि अभी एआइ में क्या नया हो रहा है और भविष्य में क्या बदलाव आनेवाला है। विशेषज्ञ बताएंगे कि अब तक क्या रिसर्च हुई है और आगे किन विषयों पर काम चल रहा है। साथ ही एआइ से जुड़ी चुनौतियों पर भी चर्चा होगी। इससे पहले कहां हो चुकी है समिट साल 2023 में सबसे पहले एआइ समिट ब्रिटेन में हुई थी। समिट की महत्ता इसी बात से समझी जा सकती है कि इसमें न केवल टेक कंपनियों के दिग्गज, बल्कि अनेक देशों के प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति भी हिस्सा ले रहे हैं।

“ आज एआई स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, शासन और उद्यम सहित कई क्षेत्रों को बदल रहा है। एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग–अलग पहलुओं, जैसे नवाचार, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर वैश्विक बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो।

–प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एआई इंपैक्ट समिट क्या है?

इंडिया एआइ इंपैक्ट समिट 2026 भारत सरकार के इलेक्ट्रानिक्स और आइटी मंत्रालय और इंडिया एआइ मिशन की पहल है। यह पांच दिन का कार्यक्रम है, जिसमें पालिसी, रिसर्च, इंडस्ट्री और आम भागीदारी, सबको जोड़ा गया है। सरकार ने इस समिट की थीम रखी है–

सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय।

सरकार मैदान में, जनता के बीच:

'मुख्य सेवक' ने दिखाई जवाबदेही की सख्त कार्यशैली

शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई लापरवाही पर सख्त चेतावनी

हरिद्वार (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के ग्राम आर्यनगर (गाजीवाली), श्यामपुर कांगड़ी में आयोजित जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के अंतर्गत आयोजित मुख्य सेवक की चौपाल कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने जनता के बीच बैठकर सीधे संवाद किया और स्पष्ट संदेश दिया कि सरकार अब फाइलों में नहीं, मैदान में काम करेगी।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के ग्राम प्रधानों एवं स्थानीय नागरिकों ने अपनी-अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी को प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी शिकायत को लंबित रखना स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं पर देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्य विभागीय अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव है, उनका निस्तारण मौके पर ही किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सेवक की चौपाल केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का जीवंत प्रमाण है। सरकार का उद्देश्य है कि आमजन को सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि प्रशासन स्वयं उनके द्वार तक पहुंचे।

10 अप्रैल को जारी होगी यूपी की अंतिम मतदाता सूची

वाराणसी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सोमवार को कहा कि राज्य में एसआईआर प्रक्रिया पूरी होने के बाद 10 अप्रैल को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। कुछ लोगों में इस बात को लेकर स्पष्टता नहीं है कि एसआईआर अभी हुआ नहीं है। कई लोग कह रहे हैं कि एसआईआर हो गया, जबकि अभी दावा-आपत्ति, नोटिस जारी करने और सुनवाई का चरण ही चल रहा है। फॉर्म-7 कोई भी भर दे और किसी का नाम कट जाए, ऐसा नहीं होता। पूरी प्रक्रिया व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से चल रही है।

अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाए तो हम समझौते के लिए तैयार : ईरान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान ने संकेत दिया है कि अगर अमेरिका प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा के लिए तैयार है तो वह वह अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता समझौते की पेशकश कर सकता है। अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता का एक नया दौर मंगलवार को जिनेवा में होने वाला है, जिसमें अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकार जारेड कुशनर के शामिल होने की उम्मीद है। यह वार्ता छह फरवरी को ओमान में हुए पहले अप्रत्यक्ष दौर के बाद हो रही है, जहां ईरान ने यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की मांग की थी, जबकि अमेरिका ने बैलिस्टिक मिसाइलों और हिजबुल्लाह जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों पर व्यापक चर्चा के लिए दबाव डाला था।

डाउन हुआ 'एक्स' सर्वर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार शाम करीब सात बजे से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' सर्वर के डाउन होने की खबरें आईं। एलन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह ग्लिच देखने को मिला, जिसकी वजह से यूजर्स का डाटा अपलोड नहीं हो रहा था। इसकी वजह से यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस तकनीकी खामी के चलते यूजर्स को फीट में खाली स्क्रीन देखने को मिल रही थी। खबर लिखे जाने तक हजारों यूजर्स एक्स के डाउन होने को रिपोर्ट कर चुके थे।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में 12वीं गिरफ्तारी

आगरा (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता व डायरेक्टर रोहित शेट्टी फायरिंग केस में मुंबई क्राइम ब्रांच ने विष्णु कुशवाहा को आगरा (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार किया। यह इस मामले में 12वीं गिरफ्तारी है। आरोपी विष्णु कुशवाहा आगरा के बाह क्षेत्र के बिजौली का रहने वाला है। वहीं विष्णु के अलावा हरियाणा से भी चार अन्य युवकों को हिरासत में लिए जाने की खबर है। गौरतलब है कि फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। कोर्ट ने पहले ही इस मामले के 6 आरोपियों को 25 फरवरी तक क्राइम ब्रांच की हिरासत में भेज दिया है।

संपत्ति विवादः भाइयों ने पेट्रोल डालकर बहन को जलाया

सतना (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सतना जिले में एक युवती को उसके ही भाइयों द्वारा संपत्ति विवाद को लेकर ज़िंदा जलाकर मार देने का असफल प्रयास करने का मामला सामने आया। घायल युवती को जिला अस्पताल में दाखिल कराया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार शाम कोतवाली थाना क्षेत्र अन्तर्गत जवाहर नगर निवासी कंचन चौधरी को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाने का प्रयास किया गया। बताया गया कि युवती का अपने सगे भाइयों के साथ पैतृक संपत्ति में हिस्से को लेकर विवाद चल रहा है। युवती जब अपने मायके पहुंची, तब उसके दो सगे भाइयों बंटू चौधरी व राकेश चौधरी ने पहले उसके साथ मारपीट की और फिर उस पर पेट्रोल छिड़क कर आग लगा दी। पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

एल साल्वाडोर की नौसेना ने जब्त की 6.6 टन कोकीन

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। एल साल्वाडोर की नौसेना ने 6.6 टन कोकीन ले जा रहे जहाज़ को पकड़ा है, जो देश के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती है। एल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायिब बुकेले ने सोमवार को यह घोषणा की। इस कोकीन की कीमत करीब 16.5 करोड़ डॉलर है। बुकेले ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि मादक पदार्थ को बैलास्ट टैंकों में छिपाया गया था। नौसेना के तैराकों को उनका पता लगाने, हल की जांच करने और मादक पदार्थों की मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए लगाया गया था। जहाज पर सवार सभी 10 लोगों को हिरासत में ले लिया गया, जिनमें चार कोलंबियाई, तीन निकारागुआई, दो पनामाई और एक इक्वाडोरियन शामिल थे।

कैमिकल फैक्ट्री में ब्लास्ट, 42 लोग झुलसे

घायलों में तीन पुलिसकर्मी और दो दमकलकर्मी भी शामिल

● बाहर खड़े कई वाहन भी जलकर खाक

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा में फरीदाबाद के सेक्टर-24 की एक केमिकल फैक्ट्री में सायं साढ़े चार बजे के करीब विस्फोट होने से आग लग गई। इस हादसे में 42 लोग झुलस गए। घायलों में तीन पुलिसकर्मी और दो दमकल कर्मी भी शामिल हैं। बताया जा रहा है कि विस्फोट इतना तेज था कि आसपास से गुजरने वाले लोग भी इसकी चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर पहुँची पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार, 12 घायलों को सिविल अस्पताल और लगभग 30 को फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया है। अग्नि शमन विभाग के कर्मचारी ने बताया कि लगभग 4:30 बजे उन्हें आग लगने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे बल्लभगढ़ के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने बताया कि अभी वह तमाम जानकारियां ले रहे हैं।

थोक महंगाई जनवरी में बढ़कर 1.81% पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सब्जियों, फलों और धातुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर जनवरी में बढ़कर 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो मार्च 2025 के बाद का उच्चतम स्तर है। दिसंबर 2025 में थोक महंगाई दर 0.83 प्रतिशत रही थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि जनवरी एक साल पहले की तुलना में सब्ज्यों के दाम 6.78 प्रतिशत और फलों के 1.78 प्रतिशत बढ़ गये। दूध की कीमत में 2.51 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। गैर-खाद्य पदार्थों में तिलहन के थोक भाव 19.25 प्रतिशत और खनिजों के 12.76 प्रतिशत बढ़े। वहीं, कच्चे तेल की कीमत 11.23 प्रतिशत घटी। ईंधन एवं बिजली वर्ग में थोक मुद्रास्फीति शून्य से 4.01 प्रतिशत नीचे रही। रसोई गैस के दाम सालाना 7.68 प्रतिशत, पेट्रोल के 4.58 प्रतिशत और डीजल के 4.29 प्रतिशत तक घटे। साल के पहले महीने में विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर 2.86 प्रतिशत और बेसिक धातुओं की 5.98 प्रतिशत रही।

राजस्थान में बड़ा हादसा

फैक्ट्री में 7 मजदूर जिंदा जले

● पटाखे बनाए जाने की बात भी आई सामने

● पीएम मोदी और सीएम भजन लाल शर्मा ने हादसे पर जताया शोक

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान में अलवर जिले के भिवाड़ी के खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार को गत्ते बनाने के कारखाने में आग लगने से 7 श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। पीएम नरेन्द्र मोदी और सीएम भजन लाल शर्मा ने घटना को त्रासद बताते हुए उस पर गहरा शोक जताया। प्राप्त जानकारी के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र खुशखेड़ा में जी-1, 118 में स्थित यह फैक्ट्री कई महीनों से बंद थी। इसमें बड़ी मात्रा में कार्डबोर्ड (गत्ते) का भंडार रखा हुआ था। सुबह करीब 9.30 बजे फैक्ट्री के अंदर से धुआं उठता दिखाई दिया और कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तीन से चार जोरदार धमाकों की आवाज सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के दौरान फैक्ट्री में कई लोग काम कर रहे थे। कुछ मजदूर किसी तरह वहां से निकलने में सफल रहे। हालांकि, कुछ फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी, दमकल दल, बचाव दल और चिकित्सकों का दल तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। क्षेत्र को घेराबंदी करके राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। घटनास्थल से मानव कंकाल बने सात शव बरामद किए गए। जबकि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

जिला कलेक्टर आर्तिका शुक्ला ने पत्रकारों से कहा कि मृतक मोतिहारी बिहार के रहने वाले हैं। यह कंपनी फैक्ट्री अधिनियम के तहत कवर नहीं होती है। इसके लिए 20 से ज्यादा अधिक श्रमिक होने चाहिए। इसमें 10 से कम मजदूर काम कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मौके से नमूने लिए गए हैं, जिनकी विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में जांच की जा रही है। इसकी जल्द रिपोर्ट आ जाएगी। रिको द्वारा इस मामले में मामला दर्ज कराया जाएगा। मृतकों में फिलहाल पांच लोगों की शिनाख्त हो गई है। सभी मृतकों के परिजनों को नियमानुसार सहायता दी जाएगी। श्रीमती शुक्ला ने कहा कि इस मामले में फैक्ट्री संचालक की तलाश की जा रही है।

प्रबंधक से बात हुई है, उसे मौके पर बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि यह वस्त्र फैक्ट्री के रूप में दर्ज है, लेकिन इसके अंदर छोटे पटाखे बनाए जाने की बात सामने आ रही है, इसकी पूरी जांच की जाएगी। साथ ही यहां यह बात भी सामने आ रही है कि जिस वक्त यह हादसा हुआ, यह फैक्ट्री बाहर से बंद थी। अन्यथा मजदूरों की जान बच सकती थी। उन्होंने कहा कि सभी औद्योगिक क्षेत्र में इस बात की जांच की जाएगी, कि जो फैक्ट्री जिस नाम से पंजीकृत है, उसमें वही काम हो रहा है या नहीं।

अब देश में स्थापित होगी 'हैमर' हथियार प्रणाली

● भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने फ्रांस की सफरान से मिलाया हाथ

नई दिल्ली/फ्रांस (एजेंसी)। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) और फ्रांस की सफरान इलेक्ट्रॉनिक्स एंड डिफेंस (एसईडी) ने 'हैमर' हथियार प्रणाली के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित करने का समझौता किया है। यह करार फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा से पहले किया गया। संयुक्त उद्यम कंपनी अधिनियम के तहत एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में गठित की जाएगा, जिसका पंजीकृत कार्यालय और मुख्य व्यवसाय स्थल पुणे या दोनों पक्षों द्वारा सहमति से तय किसी अन्य स्थान पर होगा। नई कंपनी एक 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में कार्य करेगी और हैमर प्रणाली के गाइडेंस किट (जीके) के निर्माण, आपूर्ति, रखरखाव और मरम्मत के लिए प्रौद्योगिकी एवं साझेदारी भागीदार की भूमिका निभाएगी। इसके प्राथमिक उपयोगकर्ता भारतीय वायुसेना और भारतीय नौसेना होंगे, जबकि आवश्यकता अनुसार अन्य भारतीय उपयोगकर्ताओं को भी शामिल किया जा सकता है। संयुक्त उद्यम की प्रारंभिक अधिकृत शेयर पूंजी एक लाख रुपये (100 रुपये के 1,000 इक्विटी शेयर) होगी, जिसे आवश्यकता के अनुसार बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये तक किया जा सकता है। बीईएल और एसईडी की हिस्सेदारी समान रूप से 50-50 प्रतिशत होगी।

गाज़ा में शांति, पुनर्निर्माण के लिए पांच अरब डॉलर देगा 'शांति बोर्ड': डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाज़ा शांति योजना में अंतरराष्ट्रीय योगदान की घोषणा करते हुए सोमवार को कहा कि शांति बोर्ड के सदस्य देशों ने क्षेत्र में मानवीय एवं पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। ट्रंप ने कहा कि इस पहल को 19 फरवरी 2026 को वॉशिंगटन डीसी में 'डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान' में अंतिम रूप दिया जाएगा। यहां 'शांति बोर्ड' के सदस्य बैठक करेंगे। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि शांति बोर्ड में असीम संभावनाएं हैं। वॉशिंगटन डीसी के डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान में 19 फरवरी 2026 को शांति बोर्ड के सदस्य मेरे साथ होंगे, जहां हम घोषणा करेंगे कि सदस्य देशों ने गाजा के मानवीय और पुनर्निर्माण कार्यों के लिए पांच अरब डॉलर से ज्यादा देने का वादा किया है। साथ ही गाजा के लोगों के लिए सुरक्षा और शांति बरकरार रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्थायीकरण बल एवं स्थानीय पुलिस बल में हजारों कर्मी उतारने का भी वादा किया है।

“ ट्रंप ने कहा कि इस पहल को 19 फरवरी 2026 को वॉशिंगटन डीसी में 'डोनाल्ड जे ट्रंप शांति संस्थान' में अंतिम रूप दिया जाएगा। यहां 'शांति बोर्ड' के सदस्य बैठक करेंगे।

इस साल रूस से आयात घटा चीन यूएई, अमेरिका और यूएई से बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीने में चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), अमेरिका और सऊदी अरब से भारत का आयात बढ़ा है जबकि रूस से आयात में कमी आई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल-जनवरी के दौरान क्रमशः चीन, यूएई, रूस, अमेरिका और सऊदी अरब से सबसे अधिक आयात किया गया। इनमें रूस को छोड़कर अन्य देशों से आयात में वृद्धि हुई है। खास बात यह है कि जनवरी 2026 में रूस से मात्र 2.86 अरब डॉलर का आयात किया गया जबकि उससे पहले के नौ महीने में पांच अरब डॉलर के औसत के साथ रूस से 44.98 अरब डॉलर का आयात हुआ था। भारत ने सबसे ज्यादा निर्यात क्रमशः अमेरिका, यूएई, चीन, नीदरलैंड और ब्रिटेन को किया। इसमें अमेरिका, यूएई और चीन को निर्यात में वृद्धि हुई है जबकि नीदरलैंड और ब्रिटेन को निर्यात कम हुआ है। भारत ने पेट्रोलियम का सबसे अधिक आयात किया। इसके बाद क्रमशः इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, सोना, मशीनरी और परिवहन उपकरण का रहा। देश से 101.13 अरब डॉलर की इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात किया गया। इसके बाद, 45.69 अरब डॉलर के पेट्रोलियम उत्पाद, 39.38 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, 25.73 अरब डॉलर की दवाओं और 23.53 अरब डॉलर के जवाहरात और गहनों का निर्यात हुआ।

ऑनलाइन घोटाला | क्रिप्टो ट्रेडिंग से बड़े मुनाफे का लालच देकर फंसाते थे शातिर

जम्मू-कश्मीर में बड़े ऑनलाइन फ्रॉड रैकेट का पदार्फाश, 9 आरोपी को किया गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस ने फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से चलने वाले करोड़ों रुपए के अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन निवेश घोटाले का पर्दाफाश कर कथित मास्टरमाइंड सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि यह मामला सफापोरा के फिरदौस अहमद मीर की शिकायत पर गंदेरबल थाने में दर्ज किया गया था, जिसमें 'पहचान की चोरी' और ऑनलाइन धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। जांच से पता चला है कि जालसाज पीड़ितों को सोशल मीडिया और सर्च इंजन पर फर्जी निवेश वेबसाइटों के प्रचार के माध्यम से लुभाते थे और क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडिंग के माध्यम से उच्च मुनाफे का वादा करते थे।

पुलिस ने कहा कि एक बार जब पीड़ित निवेश कर देते थे, तो फंड को गंदेरबल, बड़गाम, श्रीनगर और बारामूला के स्थानीय बैंक खातों में भेजा जाता था। इसके बाद पैसे के लेन-देन के निशान छिपाने के लिए इसे विदेशों तक स्थानांतरित कर दिया जाता था।

हिसार का रहने वाला एकांत योगदत्त निकला मास्टरमाइंड

● 835 खातों की हुई पहचान, 290 में हुआ लेनदेन

● देशभर में निवेशकों से लगभग 209 करोड़ रुपये जमा करवाए

पुलिस ने हरियाणा के हिसार निवासी एकांत योगदत्त उर्फ 'डॉ. मॉर्फिन' की पहचान गिरोह के मास्टरमाइंड के रूप में की है। उसने कथित तौर पर फिलीपींस में एमबीबीएस की डिग्री हासिल करने के दौरान साइबर धोखाधड़ी की तकनीक सीखी थी और चीनी नागरिकों के साथ संबंध बनाए रखे थे। उसे चीन से लौटते समय दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने कहा कि कथित मास्टरमाइंड ने कश्मीर के कई स्थानीय सहयोगियों के साथ साजिश रची थी, जिन्होंने अलग-अलग जगहों के सरगनाओं और खाता जुटाने वालों के रूप में काम किया। पुलिस द्वारा पहचाने गए लोगों में गंदेरबल के मोहम्मद इब्राहिम शाह उर्फ यावर और नासिर अहमद गनी, बड़गाम के मकसूद अहमद उर्फ 'डॉ. अल्बर्ट' और तनवीर अहमद उर्फ 'डॉ. मार्टिन'; बारामूला के एक सरकारी शिक्षक तौसीफ अहमद मीर, नुन्नर के खुर्शीद अहमद और सफापोरा के इशफाक अहमद शामिल हैं।

आशीष सूद ने भलस्वा स्थित ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स का किया निरीक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने सोमवार को भलस्वा स्थित आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) फ्लैट्स का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार झुग्गी-झोपड़ी एवं स्लम बस्तियों में रहने वाले निवासियों को सम्मानपूर्वक और सुविधाजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। मंत्री ने बताया कि यहां पर 7400 ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स बनाए गए है, जिनका समय पर आवंटन न होने के कारण अब यह जर्जर हालत में है। इसके पुनर्निर्माण और मरम्मत आदि के कार्य करवाने के लिए आज यह निरीक्षण गया है। उन्होंने कहा कि इन फ्लैट्स का निर्माण करदाताओं के पैसे से हुआ है, इसलिए सरकार इनका समुचित विकास कर पात्र एवं योग्य लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से आवंटित करने पर विचार कर रही है। फिलहाल यह पूरी प्रक्रिया प्रारंभिक चरण में है और पुराने फ्लैट्स की तकनीकी जांच की जा रही है। शहरी विकास मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार की प्रतिबद्धता है कि किसी भी झुग्गी निवासी को विस्थापित नहीं किया जाएगा। उन्हें इन-सीटू डेवलपमेंट, री-डेवलपमेंट अथवा रिहैबिलिटेशन प्लान के तहत सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में इस दिशा में तेजी से कार्रवाई की जा रही है। शहरी विकास मंत्री ने दोहराया कि सरकार का उद्देश्य केवल आवास उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को बेहतर, सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन का अवसर प्रदान करना भी है।

दिल्ली चिड़ियाघर में 'एक दिन के लिए पशु गोद' योजना मार्च से, बाघ के लिए लगभग 50 हजार शुल्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में आम नागरिकों के लिए एक नई पहल के तहत मार्च से वन्यजीवों को एक दिन के लिए गोद लेने की सुविधा शुरू की जाएगी। इस योजना के माध्यम से लोग अपना जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ या अन्य विशेष अवसर किसी पशु को गोद लेकर मना सकेंगे। इसके लिए 500 रुपये से लेकर लगभग 50 हजार रुपये तक की राशि निर्धारित की गई है। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि अल्पकालिक गोद लेने के प्रस्ताव को इस माह के अंत तक स्वीकृति मिलने की संभावना है और इसके बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एक दिन के लिए गोद लेने की दर संबंधित पशु की वार्षिक गोद लेने की राशि के आधार पर तय की गई है। संशोधित दरों के अनुसार 18 हजार रुपये वार्षिक शुल्क वाले चितीदार हिरण को 500 रुपये में एक दिन के लिए गोद लिया जा सकेगा। इसी प्रकार 45 हजार रुपये वार्षिक दर वाले भालू को भी 500 रुपये में अपनाने की सुविधा होगी, जबकि छह लाख रुपये वार्षिक दर वाले बाघ को एक दिन के लिए लगभग 50 हजार रुपये में गोद लिया जा सकेगा। योजना के अंतर्गत ऑनलाइन गोद लेने का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे लोग भी इसमें भागीदारी कर सकेंगे जो पूरे वर्ष के लिए किसी पशु को गोद लेने में सक्षम नहीं हैं। गोद लेने से प्राप्त राशि संबंधित पशु के भोजन और देखभाल पर खर्च की जाएगी। चयनित पैकेज के अनुसार गोद लेने वाले व्यक्ति को प्रमाणपत्र और स्मृति-चित्र भी प्रदान किए जाएंगे। चिड़ियाघर प्रशासन मुख्य प्रवेश द्वार पर एक डिजिटल स्क्रीन लगाने की तैयारी कर रहा है, जिसमें गोद लेने के विकल्पों और उपलब्ध पशुओं की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही वर्तमान प्रक्रिया को सरल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इस योजना से जुड़ सकें और वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़े।

मधुबन अंडरपास की एक लेन तीन माह से बंद, जाम व हादसों का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराजा अग्रसेन मार्ग स्थित मधुबन अंडरपास की एक लेन पिछले तीन माह से बंद होने के कारण क्षेत्र में लगातार जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। आरओबी निर्माण के लिए बंद की गई यह लेन प्रदूषण नियंत्रण संबंधी ग्रैप नियम लागू होने के बाद से अब तक नहीं खोली जा सकी है, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह सड़क विकास मार्ग को गणेश नगर से जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां अब केवल एक ही लेन से दोनों ओर के वाहनों की आवाजाही हो रही है। शाम के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, जब वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अंडरपास के नीचे निर्माण कार्य के दौरान खोदे गए गड्ढों में पानी भर गया है और उनकी समुचित बैरिकेडिंग नहीं की गई है। पास में स्कूल और कॉलेज होने के कारण बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे किसी भी समय हादसा होने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय ऑटो चालक जगपाल ने बताया कि अंडरपास के नीचे अंधेरा रहने और एक ही लेन से दोनों तरफ वाहनों के गुजरने के कारण यहां चलना जोखिम भरा हो गया है। आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन स्थिति में सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निवासियों ने मांग की है कि या तो निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कर लेन को चालू किया जाए अथवा सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं, ताकि लोगों को जाम और दुर्घटनाओं से राहत मिल सके।

एमसीडी कमिश्नर की वित्तीय सीमा बढ़ाने पर भाजपा चर्चा से भागी : अंकुश नारंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने एमसीडी आयुक्त की वित्तीय शक्तियां 5 करोड़ से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये किए जाने के मुद्दे पर सदन में चर्चा नहीं कराने को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला है। निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने आरोप लगाया कि सदन की बैठक के दौरान जब इस विषय पर चर्चा की मांग की गई तो उपमहापौर ने एजेंडा जल्दबाजी में पारित कर सदन स्थगित कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि सत्ता पक्ष बहस से बचना चाहता है। अंकुश नारंग ने कहा कि इस निर्णय के बाद निगम आयुक्त को अब 50 करोड़ रुपये तक के प्रस्तावों के लिए न तो स्थायी समिति और न ही सदन की स्वीकृति की आवश्यकता होगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महापौर, स्थायी समिति के अध्यक्ष और सदन में बहुमत भाजपा के पास है, तो चुने हुए प्रतिनिधियों को दरकिनार कर अधिकारियों को इतनी बड़ी वित्तीय शक्ति देने की क्या आवश्यकता थी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने वाला कदम बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह निर्णय बिना एमसीडी अधिनियम में संशोधन किए प्रशासनिक आदेश के माध्यम से लागू किया गया, जबकि अधिनियम की धारा 202 (सी) के अनुसार आयुक्त की वित्तीय सीमा 5 करोड़ रुपये निर्धारित है। उनके अनुसार वित्तीय सीमा बढ़ाने के लिए विधायी प्रक्रिया अपनाना आवश्यक था। अंकुश नारंग ने कहा कि इस फैसले से पार्षदों की भूमिका औपचारिक होकर रह जाएगी और बड़े प्रस्तावों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर भुगतान किए जाने की आशंका बढ़ेगी, जिससे पारदर्शिता प्रभावित हो सकती है। उन्होंने विकास कार्यों में देरी के तर्क को भी खारिज करते हुए कहा कि पहले भी प्रस्ताव नियमानुसार स्थायी समिति और सदन से पारित होते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम एमसीडी को अफसरशाही के हवाले करने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की दिशा में उठाया गया है। आम आदमी पार्टी ने चेतावनी दी कि इस निर्णय के विरोध में सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रहेगा।

राजनीतिक स्टैंड बदलने में माहिर हैं आप नेता : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वे राजनीतिक स्टैंड बदलने की कला में बेहद तेज हैं। उन्होंने कहा कि आप के दिल्ली संयोजक सौरभ भारद्वाज साकेत स्थित ए.पी.जे. स्कूल के बाहर फीस वृद्धि के विरोध में प्रदर्शन करने पहुंचे, जबकि इसी स्कूल को वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में फीस बढ़ाने की अनुमति तत्कालीन अरविंद केजरीवाल और आतिशी सरकार ने दी थी।

उपराज्यपाल ने छह मंजिला मल्टी-लेवल पार्किंग का किया उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को नेहरू प्लेस स्थित छह मंजिला मल्टी-लेवल पार्किंग का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने केंद्र और उपराज्यपाल के साथ समन्वय स्थापित करने का अपेक्षित प्रयास नहीं किया, जिस कारण अनेक जनहित से जुड़े कार्य वर्षों तक लंबित रहे। इसके विपरीत, उपराज्यपाल ने विभिन्न स्थलों का स्वयं निरीक्षण कर नालों की सफाई, सड़कों के निर्माण व बुनियादी ढांचे से संबंधित परियोजनाओं की लगातार निगरानी की। वह उस समय भी दिल्लीवासियों की सेवा में सक्रिय रहे, जब व्यवस्थाएं ठहराव का सामना कर रही थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल के नेतृत्व और केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली सरकार मिलकर काम कर रही है और अच्छे नतीजे दे रही है। इसी संयुक्त प्रयास से दिल्ली को साफ, सुव्यवस्थित और विकसित बनाने के लिए तेजी से काम किया जा रहा है।

मल्टी-लेवल पार्किंग की जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नई छह मंजिला आधुनिक पार्किंग एक समय में 650 चार पहिया और 352 दोपहिया वाहन खड़े करने की क्षमता रखती है। रोटेशन के आधार पर यहां प्रतिदिन करीब 2,000 वाहनों को पार्किंग की सुविधा मिलेगी। उन्होंने इसे दिल्ली की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए अहम कदम बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी के जिन इलाकों में पार्किंग की कमी है, वहां दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की उपलब्ध जमीन पर पार्क या पार्किंग बनाने की व्यापक योजना तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इससे पूर्व पंजाबी बाग में ऑटोमेटिक मल्टी-लेवल पजल पार्किंग और ग्रेटर कैलाश में आधुनिक ऑटोमेटिक शटल पार्किंग का उद्घाटन किया जा चुका है, जबकि पूर्ववर्ती सरकारों के समय में प्रस्तावित कई पार्किंग परियोजनाएं फाइलों में ही लंबित रहीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रुके हुए विकास कार्यों को गति देना जनता के एकमत की शक्ति का परिणाम है।

'राष्ट्र प्रथम' से ही आंतरिक चुनौतियों का समाधान संभव: इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी चिकित्सक संघ द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दरियागंज स्थित दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन सभागार में ÷चिकित्सक सामाजिक पथ प्रदर्शक÷ विषय पर प्रश्नोत्तरी एवं जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली एवं आसपास के 200 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लेकर देश और समाज से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना ही देश की सभी आंतरिक समस्याओं का स्थायी समाधान है। उन्होंने समाज से जातिगत विभाजनों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और संगठन की शक्ति के माध्यम से ही भारत अपनी पूर्ण क्षमता का प्रदर्शन कर सकता है।

अपने वक्तव्य में इंद्रेश कुमार ने जनसंख्या संतुलन, बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति, अखंड भारत तथा सामाजिक चुनौतियों जैसे विषयों पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने संवाद और सकारात्मक राष्ट्र चिंतन को समाज की समस्याओं के समाधान का प्रमुख माध्यम बताया और सभी वर्गों से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. ममता त्यागी ने भगवान शिव के अर्धनारीश्वर स्वरूप का उल्लेख करते हुए कहा कि शक्ति और प्रकृति का संतुलन ही सृष्टि का आधार है। उन्होंने समाज में संवेदनशीलता और समरसता के लिए स्त्री-पुरुष की समान सहभागिता को आवश्यक बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत महिला चिकित्सकों द्वारा महिषासुर मर्दिनी स्तोत्र के सामूहिक गायन से हुई और समापन वंदे मातरम् के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी काव, डॉ. ऋतु सिंह, डॉ. मोनिका अग्रवाल, डॉ. गिरीश त्यागी, डॉ. सुनील शांगलू, डॉ. सचिन गुप्ता, डॉ. अर्णव बंसल, डॉ. वीरभद्र यादव, डॉ. अश्वनी गोयल, डॉ. प्राची और डॉ. सुधा शर्मा सहित अनेक चिकित्सक उपस्थित रहे।

आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड के तीसरी तिमाही नतीजे: 39 प्रतिशत राजस्व वृद्धि, विस्तार के बीच लाभप्रदता बरकरार

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। आइस मेक रेफ्रिजरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करते हुए मजबूत कारोबारी वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने 31 दिसंबर 2025 को समाप्त तिमाही में सालाना आधार पर 39 प्रतिशत की उल्लेखनीय राजस्व बढ़ोतरी हासिल की। विस्तार कार्यों और बढ़ी हुई वित्तीय लागत के बावजूद कंपनी ने अपने लाभ स्तर को संतुलित बनाए रखा है, जो परिचालन मजबूती और बाजार मांग को दर्शाता है। कंपनी के समेकित आंकड़ों के अनुसार तीसरी तिमाही में परिचालन से कुल आय 153.36 करोड़ रुपये रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 110.56 करोड़ रुपये थी। इस तरह कंपनी ने मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर भी आय में सुधार जारी रहा। दूसरी तिमाही में आय 147.49 करोड़ रुपये और पहली तिमाही में 111.50 करोड़ रुपये रही थी। इससे संकेत मिलता है कि कंपनी के प्रमुख व्यावसायिक खंडों में लगातार कामकाज और मांग बढ़ रही है। तिमाही के दौरान कर से पूर्व लाभ 1.90 करोड़ रुपये दर्ज किया गया,

जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 3.59 करोड़ रुपये से कम है। कर के बाद लाभ 1.45 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 2.81 करोड़ रुपये था। प्रति शेयर आय 0.93 रुपये दर्ज की गई। कंपनी के अनुसार ब्याज लागत और विस्तार से जुड़े मूल्यह्रास खर्च बढ़ने से लाभ पर दबाव पड़ा, फिर भी समग्र लाभप्रदता नियंत्रित रही। 31 दिसंबर 2025 को समाप्त नौ माह की अवधि में कंपनी की समेकित परिचालन आय 412.35 करोड़ रुपये रही। इस अवधि में कर से पूर्व लाभ 2.83 करोड़ रुपये और कर के बाद लाभ 2.01 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। तिमाही प्रदर्शन से औद्योगिक शीतलन, कोल्ड चेन व्यवस्था, होटल रेस्तरां भोजन सेवा क्षेत्र और वाणिज्यिक शीतलन खंड में निरंतर मांग का रुझान दिखाई देता है। चालू वर्ष के दौरान कंपनी ने दो नए व्यावसायिक खंडों में कामकाज शुरू किया है। शुरूआती चरण में बाजार में पकड़ मजबूत करने, ग्राहक संबंध विकसित करने और वितरण तंत्र फैलाने पर जोर दिया जा रहा है। इसी रणनीति के तहत लाभ मार्जिन संरचना रखी गई है, जिससे अल्पकाल में मार्जिन पर कुछ दबाव देखा गया है। प्रबंधन का कहना है कि जैसे-जैसे कार्य मात्रा बढ़ेगी और परिचालन दक्षता मजबूत होगी, नए खंडों में लाभ स्तर भी उद्योग मानक के अनुरूप हो जाएगा। नेतृत्व तंत्र सुदृढ़ करने, खुदरा उपस्थिति बढ़ाने और नवाचार आधारित उत्पादों पर कंपनी विशेष ध्यान दे रही है। विस्तृत उत्पाद श्रृंखला और बढ़ते बाजार दायरे के साथ कंपनी ने भरोसा जताया है कि वह देश के विकसित होते शीतलन और कोल्ड चेन तंत्र में मजबूत क्रियान्वयन और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ती रहेगी।

राष्ट्रीय एकता का समागम : श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा में एक भारत श्रेष्ठ भारत समारोह, देशहित की शपथ के साथ गूंजा परिसर

नई दिल्ली (शिखर समाचार) राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समन्वय के संकल्प को साकार करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत समारोह का भव्य आयोजन श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम भारत भारती संगठन के तत्वावधान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार तथा नवचेतना स्वाभिमान चैरिटेबल फाउंडेशन के सहयोग से संपन्न हुआ। समारोह का केंद्र बिंदु उत्तर भारत प्रभारी मोहम्मद इरफान अहमद का ओजस्वी संबोधन और उनके द्वारा दिलाई गई राष्ट्र नागरिकता शपथ रही। कार्यक्रम में देश की एकता के शिल्पकार माने जाने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष चर्चा की गई। अपने संबोधन में मोहम्मद इरफान अहमद ने कहा कि सरदार पटेल ने 562 रियासतों का विलय कर भारत को एक सूत्र में पिरोया था और आज प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह इस एकता को और मजबूत करे, न कि संकीर्ण सोच से विभाजित। उनके

संबोधन के दौरान सभागार तालियों से गूंज उठा। समारोह का सबसे प्रेरक क्षण वह रहा जब मंच से उपस्थित गणमान्य लोगों, विद्वानों, कलाकारों और बड़ी संख्या में मौजूद युवाओं को राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों की शपथ दिलाई गई। सरल और जनभाषा में उन्होंने कहा कि अच्छा नागरिक बनने के लिए बड़े भाषण नहीं, बल्कि छोटे और निरंतर कर्म आवश्यक हैं। शपथ में जल और बिजली संरक्षण, यातायात नियमों के पालन, स्वच्छता बनाए रखने और सामाजिक सहयोग बढ़ाने का संकल्प दिलाया गया। युवाओं से माता पिता और गुरुजनों के सम्मान को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात से आए प्रोफेसर डॉ. रिजवान कादरी, सदस्य प्रधानमंत्री संग्रहालय ने सरदार पटेल के राष्ट्रीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रगति कुमार ने छात्रों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने और उसे आगे बढ़ाने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथियों में विनय पात्रले और जगन्नाथ कुंजबिहारी स्वाइन ने भी राष्ट्रीय एकता, वंदे मातरम और सांस्कृतिक चेतना पर विचार व्यक्त किए। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया। इनमें डॉ. अनीशा तिवारी (पशु चिकित्सा), अंजू बंसल (शिक्षा), इंजीनियर अशोक सिंह (कला एवं संस्कृति), अधिवक्ता रमांश बिल्लावरिया (सामाजिक न्याय), प्रकाशचंद अहिरवार (सामुदायिक सेवा), गौधाम कीरियां (गो संरक्षण), राजिंदर प्रसाद कक्कड़ (व्यापार), डॉ. कुलदीप रैना (कला एवं सांस्कृतिक एकीकरण) और प्रो. एम.ए. वानी (शिक्षा) शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन विजया गुप्ता और उनकी टीम ने किया। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने एक सशक्त, एकजुट और प्रगतिशील भारत के निर्माण का सामूहिक संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में कुलभूषण मोहोत्रा, रोमेश खजूरिया, पवन विवेक, डॉ. सुनील राजपूत, प्रोफेसर रणविजय सिंह, निधि शर्मा डोगरा, अधिवक्ता तबस्सुम रहीम और एजाज इलाही सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा विधायक हरीश खुराना ने की आप के लगाए आरोपों की आलोचना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से विधायक हरिश खुराना ने आम आदमी पार्टी (आप) के शिक्षा संबंधित लगाए जा रहे आरोपो की निंदा की। उन्होंने कहा कि दिल्ली की राजनीति में राहुल गांधी के मार्ग पर चल रहें है आप दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज। हरीश खुराना ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शिक्षा संबंधित विषय पर आप के लगाए आरोप की आलोचना करते हुए कहा कि जब से आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली से गई है, तब से उनके नेताओं को दिल्ली की जनता का जनादेश स्वीकार नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि जब से दिल्ली में भाजपा की सरकार आई है आप प्रतिदिन कोई न कोई नया भ्रम फैला रही है। सौरभ भारद्वाज द्वारा एपीजे स्कूल, साकेत के मामले को लेकर उठाए गए विवाद पर हरीश खुराना ने कहा कि यह मामला वर्ष 2020 से लंबित है। उस समय दिल्ली में किसकी सरकार थी, यह सब जानते हैं। यदि यह मुद्दा गंभीर था, तो पांच वर्षों तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हुई थी और उस समय हस्तक्षेप कर बच्चों को राहत दिलाई गई थी। अब सरकार ने इस विषय पर स्थायी समाधान देने के लिए कानून बनाया है। हरीश खुराना ने बताया कि दिल्ली सरकार के लाए गए नए कानून में किसी भी छात्र का रोल नंबर रोका नहीं जा सकता। अधिनियम की धारा 13 यह सुनिश्चित करती है कि कोई भी विद्यालय अभिभावकों से बिना पूर्व स्वीकृति अतिरिक्त या अनधिकृत शुल्क नहीं वसूल सकता और न ही दबाव बनाकर फीस वसूली कर सकता है। यह व्यवस्था स्कूल-स्तरीय फीस रेगुलेशन कमेटियों और अपील प्रक्रिया के माध्यम से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि जब इस विधेयक का उद्देश्य अभिभावकों को न्याय दिलाना है। फीस वृद्धि पर नियंत्रण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है तो फिर इसका विरोध क्यों किया जा रहा है? उन्होंने कहा कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली में किसी भी बच्चे का भविष्य बाधित नहीं होने दिया जाएगा। सभी छात्रों को उनका रोल नंबर मिलेगा और उनके अधिकारों की रक्षा की जाएगी। हरीश खुराना ने सवालिया लहजे में प्रश्न उठाते हुए कहा कि 卐जस्टिस फॉर ऑल卐 नामक एक एनजीओ द्वारा इस कानून का विरोध किया जा रहा तो इस संगठन और आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं के बीच क्या संबंध हैं? दिल्ली की जनता जानना चाहती है कि आखिर अभिभावकों के हित में लाए गए कानून का विरोध क्यों किया जा रहा है। उन्होंने आप पर तंज कसते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में यदि फीस नियंत्रण और पारदर्शिता के लिए मजबूत कानून लाया जाता तो आज यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। अब जब एक सशक्त और पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है, तो उसे राजनीतिक रंग देने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली सरकार जल्द तथ्यों के साथ स्थिति स्पष्ट करेगी। झूठ और भ्रम की राजनीति अब अधिक समय तक नहीं चलेगी।

जेल से सुकेश का नया दावा, जैकलीन को हेलीकॉप्टर गिफ्ट करने की कही बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनी लॉन्ड्रिंग और ठगी के आरोपों में मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को लेकर दावा किया है। उसने एक पत्र लिखकर कहा है कि उसने उन्हें कस्टम इंटीरियर वाला एयरबस श्रृंखला का हेलीकॉप्टर उपहार में दिया था। हालांकि अभिनेत्री पहले ही स्पष्ट कर चुकी हैं कि उनका सुकेश से कोई संबंध नहीं था और महंगे उपहारों के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। पत्र में सुकेश ने भावनात्मक भाषा का इस्तेमाल करते हुए अपनी और जैकलीन की कथित प्रेम कहानी की तुलना ऐतिहासिक प्रेम कथाओं से की है। उसने यह भी लिखा कि कानूनी परेशानियों और विवादों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार है। सुकेश ने दावा किया कि हेलीकॉप्टर उसकी वैध कमाई से खरीदा गया है, किसी आपराधिक धन से नहीं, लेकिन कानूनी मामलों के चलते इसका उपयोग फिलहाल संभव नहीं हो सकेगा। यह पहला मौका नहीं है जब उसने जेल से इस प्रकार का पत्र लिखा हो। इससे पहले भी वैलेंटाइन डे, क्रिसमस, नवरात्रि और अभिनेत्री के जन्मदिन के अवसर पर निजी विमान, वाइनयार्ड, पेंटहाउस और महंगी कारें उपहार में देने के दावे कर चुका है। पिछले वैलेंटाइन डे पर भी उसने एक निजी विमान देने की बात कही थी। उधर, प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुकेश मुख्य आरोपी है और जांच अभी जारी है। इस प्रकरण में कई फिल्मी हस्तियों के नाम सामने आए थे। जैकलीन फर्नांडिस पहले ही जांच एजेंसियों के सामने अपना पक्ष रख चुकी हैं और उन्होंने बार-बार कहा है कि वह किसी भी अवैध लेन-देन या उपहार के स्रोत से अनभिज्ञ थीं। एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं और सुकेश के दावों की सत्यता को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं की गई है।

एम्स में ढाई गुना डायलिसिस मशीनें बढ़ीं, मरीजों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। एम्स में किडनी की बीमारी से पीड़ित होकर इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों के लिए राहत भरी खबर है। अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग में करीब साढ़े तीन दशक बाद इलाज की सुविधाएं बढ़ाई गई हैं और 36 नई डायलिसिस मशीनें लगाई गई हैं। इन मशीनों का इलाज में इस्तेमाल भी शुरू कर दिया गया है। इससे एम्स में पहले की तुलना में डायलिसिस मशीनें ढाई गुना अधिक हो चुकी हैं। इसका फायदा एम्स में किडनी प्रत्यारोपण के लिए इंतजार करने वाले मरीजों को मिलेगा। उन्हें डायलिसिस बाहर किसी दूसरे अस्पताल में करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एम्स में वर्ष 1989 में यह डायलिसिस यूनिट शुरू हुई थी। तब से नेफ्रोलॉजी विभाग में 24 बेड और 13 डायलिसिस मशीनें ही उपलब्ध थीं। मौजूदा समय में नेफ्रोलॉजी विभाग की ओपीडी में हर वर्ष किडनी के 7265 नए मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा हजारों पुराने मरीज फॉलोअप के लिए पहुंचते हैं। एम्स में जनरल सर्जरी के अलावा यूरोलॉजी विभाग के डॉक्टर भी किडनी प्रत्यारोपण करने लगे हैं। इस वजह से किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी भी बढ़ी है। प्रतीक्षा सूची में शामिल मरीजों को नहीं मिल पाती थी सुविधा एम्स में किडनी प्रत्यारोपण के लिए एक वर्ष की प्रतीक्षा सूची है। डायलिसिस की सुविधा कम होने के कारण पहले एम्स में किडनी प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षा सूची में शामिल मरीजों को डायलिसिस की सुविधा नहीं मिल पाती थी। ऐसे मरीज दूसरे अस्पताल में डायलिसिस कराने को मजबूर थे। एम्स में अस्पताल के विभिन्न वार्डों और आईसीयू में भर्ती मरीजों की ही डायलिसिस हो पाती थी।

दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर 'महाराजा लाउंज' शुरू, प्रीमियम यात्रियों को मिलेंगी अत्याधुनिक सुविधाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-3 पर अपने बहुप्रतीक्षित 'महाराजा लाउंज' का शुभारंभ कर दिया है। यह लाउंज प्रथम श्रेणी, व्यवसाय श्रेणी के यात्रियों के साथ-साथ महाराजा क्लब के प्लेटिनम और गोल्ड सदस्यों तथा स्टार एलायंस गोल्ड सदस्यों के लिए उपलब्ध होगा। कंपनी ने इसे भारतीय परंपरा और आधुनिक सुविधाओं के अनूठे संगम के रूप में तैयार किया है।

करीब 16 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में फैले इस भव्य लाउंज में एक समय में लगभग 300 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। उद्घाटन टाटा संस और एअर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने किया। उन्होंने कहा कि यह लाउंज एअर इंडिया के कायाकल्प की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है और आने वाले समय में देश-विदेश के प्रमुख हवाई अड्डों पर इसी प्रकार के आधुनिक लाउंज विकसित किए जाएंगे।

लाउंज के भीतर यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विशेष खंड बनाए गए हैं। 'एविएटर्स बार' एअर इंडिया के गौरवशाली इतिहास को समर्पित है, जिसकी छत का स्वरूप वर्ष 1932 में जेआरडी टाटा द्वारा उड़ाए गए विमान के प्रोपेलर से प्रेरित है। व्यवसायिक यात्रियों के लिए 'ग्लोबट्रॉटर स्टडी' नामक शांत कार्यस्थल तैयार किया गया है, जहां उच्च गति की संपर्क सुविधा और पुस्तकों का चयन उपलब्ध है। लंबी उड़ान से पहले विश्राम चाहने वाले यात्रियों के लिए 'सेरेनिटी क्षेत्र' में विशेष आराम कुर्सियां लगाई गई हैं, जबकि 'स्लीप सूट्स' में सोने की व्यवस्था की गई है ताकि यात्री तरोताजा होकर अपनी यात्रा शुरू कर सकें। इसके अलावा 'क्रिस्टल बार' में प्रीमियम पेय पदार्थ और विशेष पेय परोसे जाएंगे। कंपनी के अनुसार यह लाउंज केवल प्रतीक्षा कक्ष नहीं, बल्कि भारतीय आतिथ्य परंपरा का वैश्विक स्तर पर अनुभव कराने का प्रयास है। एअर इंडिया ने स्पष्ट किया कि उसका उद्देश्य केवल विमान सेवा प्रदान करना नहीं, बल्कि यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधा और भारतीय मेहमाननवाजी का अनुभव कराना है।

जीडीए उपाध्यक्ष का एक्शनः राजनगर एक्सटेंशन की निमार्णाधीन सड़कों पर बरती ढिलाई तो नपेंगे अधिकारी

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार) कार्यालय संवाददाता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने सोमवार को राजनगर एक्सटेंशन क्षेत्र में जोनल प्लान के तहत बन रही प्रमुख सड़कों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की सुस्त रफ्तार देखकर उपाध्यक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई और अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं को दो टूक चेतावनी दी कि यदि समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण नहीं हुआ, तो कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सी 6 जोनल रोडः मार्च 2026 तक होगा काम पूरा उपाध्यक्ष ने सबसे पहले 24 मीटर चौड़ी सी 6 जोनल रोड (लंबाई 320 मीटर) का जायजा लिया। यहाँ लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सीवर और नाली का निर्माण अंतिम चरण में है। उन्होंने निर्देश दिए कि सड़क के दोनों ओर मानकानुसार साइड वर्ज, बीच में सेंट्रल वर्ज और बेहतर लाइटिंग व हॉर्टिकल्चर (उद्यानिकी) का काम मार्च 2026 तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए।

डी 2 रोडः धीमी गति पर संस्था को नोटिस 18 मीटर चौड़ी डी 2 जोनल रोड (930 मीटर) के निरीक्षण में पाया गया कि अभी तक मात्र 30 प्रतिशत कार्य ही हुआ है। कार्य की गति अत्यंत धीमी मिलने पर उपाध्यक्ष ने संबंधित कार्यदायी संस्था को मौके पर ही कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और समय पर काम न होने पर ठेकेदार के विरुद्ध ब्लैकलिस्टिंग जैसी

कार्रवाई हो सकती है।

ए 6 रोडः मेरठ रोड की कनेक्टिविटी पर जोर गौड़ कैस्केड सोसायटी से मेरठ रोड को जोड़ने वाली 45 मीटर चौड़ी ए 6 जोनल रोड का काम भी प्रगति पर है। भूमि विवाद के कारण यह प्रोजेक्ट देरी का शिकार हुआ था, जिसे अब जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मार्ग के बीच आ रही बिजली की लाइनों को हटाने के लिए विद्युत विभाग से समन्वय कर जल्द एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

बी 2 रोडः कानूनी बाधा हटाकर काम करने के निर्देश एमजी घरौंदा सोसायटी से भट्टा नं 5 तक जाने वाली 30 मीटर चौड़ी बी 2 रोड का एक हिस्सा कोर्ट में विचाराधीन है। उपाध्यक्ष ने निर्देश दिए कि जितनी जमीन विवाद मुक्त है, उस पर प्राथमिकता के आधार पर काम पूरा किया जाए। साथ ही, न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर मामले को जल्द सुलझाने और पुरानी बिजली लाइनों को शिफ्ट कराने को कहा गया है। आउटर रिंग रोड के लिए बनेगा इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान आउटर रिंग रोड के जोड़ मार्ग (ए 2) को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। उपाध्यक्ष ने 0 से 6190 मीटर तक की पूरी सड़क के लिए नाला नाली, सर्विस रोड, लाइटिंग और सौंदर्यीकरण सहित एक 'एकीकृत प्राक्कलन तैयार करने को कहा है ताकि पूरे क्षेत्र का समग्र विकास हो सके।

निरीक्षण का मुख्य संदेशः

उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्यों का रोजाना पर्यवेक्षण करें और हर 15 दिन में फोटो सहित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने साफ किया कि जीडीए शहर के सुनियोजित विकास और जनता की सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बिजनौर में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई : बेशकीमती खैर की लकड़ी से भरी पिकअप पकड़ी, अवैध कटान पर नहीं लग पा रही रोक

बिजनौर (शिखर समाचार) बढ़ापुर क्षेत्र के साहूवाला वन क्षेत्र में वन विभाग की टीम ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी कार्रवाई करते हुए आरक्षित जंगल से काटकर ले जाई जा रही प्रतिबंधित और बेशकीमती खैर की लकड़ियों से भरी महिंद्रा पिकअप वाहन को चालक सहित पकड़ लिया। विभाग ने वाहन को कब्जे में लेकर जुमार्ना लगाया और आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया। क्षेत्र में लगातार हो रहे पेड़ों के अवैध कटान को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। साहूवाला वन रेंज के अंतर्गत इनायतपुर चौकी पर तैनात दरोगा साजिद मलिक ने बताया कि सोमवार सुबह टीम को सूचना मिली कि नगीना हरेवली मार्ग पर बांध के पास एक पिकअप वाहन में अवैध खैर की लकड़ी ले जाई जा रही है। सूचना पर वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर वाहन को रोक लिया। जांच करने पर वाहन में खैर की बेशकीमती लकड़ियां भरी मिलीं। टीम वाहन और चालक प्रीतम सिंह पुत्र फुकन सिंह निवासी ग्राम मानपुर, थाना भगतपुर, जिला मुरादाबाद को पकड़कर साहूवाला वन रेंज कार्यालय ले आई। विभागीय कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त किया गया और लकड़ियों पर अर्थदंड लगाया गया। बाद में आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया गया। क्षेत्र में प्रतिबंधित पेड़ों के अवैध कटान का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। लकड़ी माफिया रात के समय जंगलों में बेखौफ होकर पेड़ों की कटाई कर रहे हैं। करीब डेढ़ माह पूर्व भी खैर की लकड़ियां काटकर एक चार पहिया वाहन में भरकर ले जाई जा रही थीं, लेकिन हरेवली रामगंगा बैराज के पास वाहन नदी में गिर गया था और तस्कर मौके से फरार हो गए थे। इसके अतिरिक्त ग्राम नकीपुर में भी बड़े पैमाने पर हरे पेड़ों के कटान का मामला सामने आया था। बताया गया कि आम के लगभग 150 हरे-भरे पेड़ काट दिए गए, जबकि वन विभाग से केवल 22 पेड़ों की अनुमति दी गई थी। सूत्रों के अनुसार ठेकेदार द्वारा खुदाई मशीन से पेड़ों की जड़ें तक तत्काल निकलवा दी गईं। इन घटनाओं से वन विभाग की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

बाइक के पार्ट्स बनाने की फैक्ट्री में लगी आग, दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साहिबाबाद साइट पर औद्योगिक क्षेत्र में चरण ऑटोटेक में सोमवार की दोपहर आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि उसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और बगल की फैक्ट्री भारत आयल को भी अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की सूचना दमकल विभाग की टीम को दी गई और मौके पर पहुंची टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही की आग लगने से कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन फैक्ट्री में रखा काफी माल की चपेट में आ गया। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि फायर स्टेशन साहिबाबाद को दोपहर 12 बजे चरण ऑटोटेक व भारत आयल फैक्ट्री साइट- 4औद्योगिक साहिबाबाद में आग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन साहिबाबाद से 2 फायर टैंडर, फायर स्टेशन वैशाली से मुख्य अग्निशमन अधिकारी, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित 3 फायर टैंडर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना किए

गए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो आग 2 फैक्टरियो में लगी थी। आग व काला धुआँ बहुत तेज था और आग बहुत तेजी से फैल रही थी। फायर यूनिट ने शीघ्रता से तीनो तरफ होज लाइन फैलाकर फायर फाइटिंग करना शुरू कर दिया। आग की तीव्र गति को देखते हुए फायर स्टेशन कोतवाली से अग्निशमन अधिकारी सहित 3 फायर टैंडर, 1 फायर टैंडर फायर स्टेशन मोदीनगर, 2 फायर टैंडर फायर स्टेशन लोनी, 1 फायर टैंडर जनपद हापुड़ तथा 1 फायर टैंकर जनपद गौतमबुद्धनगर से घटनास्थल पर बुलाये गये। फैक्ट्री में बाइक के ऑटो पार्ट्स बनाने का कार्य होता था। आग के कारण टीन शैड गिर गया, जिसमें भारी मात्रा में ऑटो पार्ट्स भरा था। फैक्ट्री के आगे के हिस्से में प्लास्टिक, थमाकोल एवं पैकेजिंग मेटेरियल काफी बड़ी मात्रा में भरा था। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री के बराबर में भारत आयल की फैक्ट्री थी, जिसमे भी आग की शुरूआती दौर में ही काबू कर लिया गया व आस पास के क्षेत्र को भी त्वरित कार्यवाही करते हुए सुरक्षित बचा लिया गया। फायर यूनिट ने कड़ी मशक्कत कर आग को पूर्ण रूप से शांत किया और एक भारी नुकशान होने से बचा लिया। इस अग्निकाण्ड में 10 गाड़िया लगी थी और इसमें कोई जनहानि नहीं हुई है। इसके अलावा आग लगने के कारण की जांच की जा रही है।

बिजनौर में सीएम डैशबोर्ड रैंक गिरने पर डीएम सख्त, विभागीय अधिकारियों को सुधार के कड़े निर्देश

बिजनौर (शिखर समाचार) जनपद में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागों की रैंक प्रभावित होने पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कड़ी नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड और निर्माण कार्यों से जुड़ी समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सभी विभाग अपने लक्ष्य के अनुरूप कार्य प्रगति सुनिश्चित करें और रैंकिंग में गिरावट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। समीक्षा के दौरान उपायुक्त एनआरएलएम, उपायुक्त उद्योग विभाग तथा मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की रैंक डी श्रेणी में आने पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और विभागीय रैंक में शीघ्र सुधार लाएं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में वन विभाग को निर्देश दिए गए कि बिना अनुमति हरे-भरे पेड़ों और बागों की कटाई करने वालों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने अपने विभागों की योजनाओं के निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा करें और डैशबोर्ड पर प्रदर्शित प्रगति वास्तविक कार्य के अनुरूप हो।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अपलोड किए जाने वाले आंकड़ों की गहन जांच के बाद ही प्रविष्टि की जाए। गलत या अपूर्ण आंकड़े अपलोड करने पर जवाबदेही तय की जाएगी, क्योंकि डैशबोर्ड की समीक्षा मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव स्तर पर नियमित रूप से की जाती है।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि शासन स्तर पर ई कार्यालय प्रणाली की लगातार निगरानी हो रही है। सभी विभागीय अधिकारी अपने शासकीय कार्य ई कार्यालय प्रणाली के अंतर्गत ही निपटाएं। भविष्य में सभी सरकारी कार्य इसी व्यवस्था के माध्यम से संचालित किए जाएंगे।

बैठक में परिवहन, जीएसटी, ऊर्जा, उद्यान, कृषि, ग्राम्य विकास, ग्रामीण अभियंत्रण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, पंचायती राज, जल निगम, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन, प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण, कौशल विकास, श्रम एवं सेवायोजन, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण, सहकारिता, सिंचाई, जल संसाधन और आपदा प्रबंधन सहित अनेक विभागों की योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती, जिला पंचायत राज अधिकारी रिजवान अहमद, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी लक्ष्मी देवी, धर्मवीर सिंह तथा विभिन्न विभागों के अधिशासी अभियंता और अधिकारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर डेयरी कारखाने के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन, प्रदूषण फैलाने का लगाया आरोप

मोदीनगर (शिखर समाचार) भोजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मोदीनगर हापुड़ मार्ग पर ईसापुर गांव के पास संचालित दूध उत्पाद बनाने वाले कारखाने के खिलाफ ग्रामीणों ने प्रदूषण फैलाने का आरोप लगाते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण कारखाना परिसर के बाहर एकत्र हुए और हंगामा करते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए मार्ग पर आवागमन भी प्रभावित रहा। ग्रामीणों का कहना है कि ईसापुर के निकट स्थित कृपाराम डेयरी से निकलने वाली राख, धुआं और गंदे कण हवा के साथ बस्तियों तक पहुंच रहे हैं। इससे लोगों को सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आसपास रहने वाले लोगों ने बताया कि सुबह और शाम के समय प्रदूषण का असर अधिक दिखाई देता है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन और कारखाना प्रबंधन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई ठोस समाधान नहीं निकला। आरोप है कि शिकायतों के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ, जिससे नाराज होकर सैकड़ों ग्रामीण एकजुट होकर कारखाने के मुख्य द्वार पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायत संबंधित विभाग तक पहुंचाई जाएगी और जांच कराई जाएगी। मौके पर मौजूद कारखाना प्रबंधक अरुण कुमार यादव ने ग्रामीणों से वार्ता करते हुए भरोसा दिलाया कि प्रदूषण से जुड़ी समस्या का शीघ्र समाधान कराया जाएगा और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो वे दोबारा बड़ा आंदोलन करेंगे।

देशभर के 47 संस्थानों की प्रतिभाओं का संगम : आईएमएस में गूंजा बायोस्कोप मीडिया फेस्ट 2026

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस के स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित बायोस्कोप मीडिया फेस्ट 2026 युवा प्रतिभाओं के उत्साह, सृजनात्मकता और तकनीकी कौशल का अनूठा मंच बनकर उभरा। देश के 47 प्रतिष्ठित कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से 400 से अधिक छात्र छात्राओं ने पंजीकरण कर इस मीडिया महोत्सव सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ) राकेश छारिया, मुख्य अतिथि डॉ पवन कुमार शर्मा (सीनियर जर्नलिस्ट एवं एंकर, संसद टेलीविजन), विशिष्ट अतिथि सऊद मोहम्मद खालिद, निदेशिका प्रो. (डॉ) जसकिरण कौर और विभागाध्यक्ष डॉ अनिल कुमार निगम ने मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। इस अवसर पर राकेश छारिया ने कहा कि मीडिया केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि

समाज को दिशा देने की शक्ति है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सफलता उसी को मिलती है जो लगातार सीखने और आगे बढ़ने का प्रयास करता है। निदेशिका जसकिरण कौर ने विद्यार्थियों को तकनीकी बदलावों के साथ स्वयं को लगातार अपडेट रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एआई के दौर में वही विद्यार्थी आगे बढ़ेंगे, जो समय के साथ सीखते और अपने कौशल को निखारते रहेंगे। मुख्य अतिथि डॉ पवन कुमार शर्मा ने एकाग्रता और सही निर्णय लेने की क्षमता को सफलता की कुंजी बताते हुए कहा कि जो विद्यार्थी जल्दी और सही निर्णय लेना सीख लेते हैं, वे अपने लक्ष्य तक शीघ्र पहुंचते हैं। उन्होंने एकाग्रता को साधारण व्यक्ति को असाधारण बनाने वाली शक्ति बताया। विशिष्ट अतिथि सऊद मोहम्मद खालिद ने कहा कि सिनेमा समाज का आईना होता है, जो हमें संदेश देने के साथ साथ बदलती संस्कृति को भी दशार्ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शुरूआत से ही अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट रहने की सलाह दी। मीडिया फेस्ट के अंतर्गत शॉर्ट फिल्म, डॉक्यूमेंट्री, डिजिटल फोटोग्राफी और वन मिनट

फ्रेम रील मेकिंग की चार प्रमुख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शॉर्ट फिल्म और डॉक्यूमेंट्री श्रेणी में 100 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुईं, जिनमें से चयनित फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई। वहीं फोटोग्राफी और रील मेकिंग प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, खालसा कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, बेनेट यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी, एशियन एकेडमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, गलगोटियास यूनिवर्सिटी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, रवि सरीन कॉलेज, आईएएमआर कॉलेज, आरकेजीआईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, एबीईएस इंजीनियरिंग कॉलेज, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, आईएसबीएस गुरुग्राम, एसडीजीआई, आईईएस ग्रेटर नोएडा, महर्षि विश्वविद्यालय, युवाक्षेत्र केरल, शिवाजी साइंस कॉलेज नागपुर, डीडीयू पुणे, आईसीएफएआई कॉलेज जयपुर, चितकारा यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ सहित अनेक संस्थानों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में संस्थान के पूर्व छात्रों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इनमें गौतम धीमान (सीनियर डायरेक्टर, फिल्म एंड प्रोडक्शन, देंत्सू), सनोज गौतम (मेडियाप्रेन्योर), मीरा राजपूत (सीईओ, नेशनल पिलर) और मनीष झा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के परिणामों में डॉक्यूमेंट्री श्रेणी में आईएएमआर के आकाश भारद्वाज की फिल्म ह्लमाटी के दीयों की कहानी को सलामह्व प्रथम स्थान पर रही, जबकि टेक्निया कॉलेज की अंजली की फिल्म महरौली द्वितीय स्थान पर रही। डिजिटल फोटोग्राफी में आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस के जय कोहली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि एबीईएस कॉलेज के अंशुमन कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। वन मिनट फ्रेम रील मेकिंग में आईएमएस की माही अरोरा प्रथम और आफ्ट के अमूल गौतम द्वितीय स्थान पर रहे। अंत में विजेता छात्र छात्राओं को नगद पुरस्कार और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मजारों से जुड़े वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल, साहिबाबाद पुलिस ने एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मजारों से जुड़े वीडियो लगातार सोशल मिडिया पर वायरल हो रहे है। गाजियाबाद के दो थाना क्षेत्र से मजारों से जुड़े वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल है। पहला वीडियो थाना साहिबाबाद क्षेत्र के हिंडन पुल के पास बनी मजार का है। जहाँ मजार को अवैध बताते हुए हिन्दू रक्षा दल के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं प्रदर्शन करते हुए उन्होंने वहां बाहर लगे पत्थर को भी तोड़ दिया। वीडियो जैसे ही थाना साहिबाबाद पुलिस के पास पहुंचा तों पुलिस ने 25 वर्षीय युवक प्रिंस ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने प्रिंस के खिलाफ सोशल मीडिया के माध्यम से धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने और भड़काऊ टिप्पणी करने के सम्बन्ध में मुकदमा दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार किया है। इसके अलावा दूसरा वीडियो थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के बिहारी नगर का है। जहाँ कॉलोनी में पार्किंग की जगह पर बनाई गई मजार को कुछ युवकों ने अवैध बताते हुए तोड़ डाला। वीडियो में युवक धार्मिक नारे लगाते हुए मजार को तोड़ रहे है। वहीं मजार को तोड़ने के बाद अब उस जगह को समतल करते हुए वहां कार पार्किंग की जा रही है। मजार को हथोड़ने से तोड़ने का यह वीडियो लगभग 1 महीने पुराना बताया जा रहा है।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के सहारनपुर मंडल अध्यक्ष नियुक्त हुए अंकित जैन, व्यापारियों में उत्साह की लहर

शामली (शिखर समाचार) व्यापारी हितों के लिए कार्य करने वाले प्रमुख संगठन अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल में संगठनात्मक मजबूती और विस्तार को लेकर अहम निर्णय लिया गया है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्य मंत्री संदीप बंसल की संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल ने शामली निवासी अंकित जैन को सहारनपुर मंडल का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति की घोषणा होते ही मंडल क्षेत्र के व्यापारियों और पदाधिकारियों में खुशी और उत्साह का माहौल बन गया। बताया गया है कि यह नियुक्ति संगठन को मंडल स्तर पर और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की रणनीति के तहत की गई है। सहारनपुर मंडल के अंतर्गत आने वाले जनपदों में व्यापारी समस्याओं के समाधान, संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान को गति देने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पदाधिकारियों का मानना है कि नए मंडल अध्यक्ष के रूप में अंकित जैन संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करेंगे। संगठन से जुड़े वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि अंकित जैन लंबे समय से व्यापारी हितों के मुद्दों को मजबूती से उठाते रहे हैं और विभिन्न व्यापारी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते आए हैं। उन्हें संगठनात्मक ढांचे, समन्वय व्यवस्था और व्यापारी वर्ग की वास्तविक समस्याओं की अच्छी समझ है। उनके अनुभव और कार्यशैली का लाभ सहारनपुर मंडल के सभी जनपदों को मिलेगा। नियुक्ति के बाद मंडल एवं जनपद इकाइयों के पदाधिकारियों, बाजार संघों के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में व्यापारियों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में व्यापारी वर्ग की आवाज और मजबूत होगी तथा समस्याओं का त्वरित समाधान कराने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अंकित जैन ने संगठन नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वे व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा, संगठन के विस्तार, युवा व्यापारियों को जोड़ने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जनपदों में सक्रिय संवाद, नियमित बैठकें और समस्या समाधान अभियान चलाकर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा।

पतंग उड़ाते समय छत से गिरा मासूम, इलाज के दौरान दर्दनाक मौत

बिजनौर (शिखर समाचार) बढ़ापुर क्षेत्र के ग्राम शाहलीपुर कोटरा में पतंग उड़ाते समय एक सात वर्षीय मासूम की छत से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार ग्राम शाहलीपुर कोटरा निवासी फूलसिंह का सात वर्षीय पुत्र जिगर पड़ोसी के मकान की छत पर पतंग उड़ा रहा था। पतंग के पीछे भागते समय अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह छत से नीचे गिर पड़ा। गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर अफरा तफरी मच गई। परिजन तुरंत उसे उपचार के लिए नजीबाबाद के एक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे ऋषिकेश स्थित एम्स ऋषिकेश ले गए, जहां उपचार के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया। बताया गया है कि जिगर कक्षा एक का छात्र था और दो भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता की तीन वर्ष पहले बीमारी के चलते मृत्यु हो चुकी है। मां मेहनत मजदूरी कर बच्चों का पालन-पोषण कर रही है। मासूम की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सेंट टेरेसा स्कूल साधोपुर में वार्षिकोत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

दादरी (शिखर समाचार) तहसील दादरी क्षेत्र के साधोपुर गांव स्थित सेंट टेरेसा स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उपलब्धियों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। समारोह की थीम वसुधैव कुटुंबकम्- संपूर्ण विश्व एक परिवार पर आधारित रही, जिस पर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सशक्त संदेश दिया।

समारोह में मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष राजा रमन खन्ना ने कहा कि आज का विद्यार्थी ही कल का भविष्य है। राष्ट्र की नींव को मजबूत बनाने के लिए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को पढ़ाई पर विशेष ध्यान देते हुए विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ संस्कार भी देने चाहिए। शिक्षा ही उन्नति और सफलता का प्रमुख मार्ग है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय प्रतिस्पर्धा का युग है, इसलिए पारंपरिक शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा पर भी विशेष जोर देना जरूरी है, ताकि विद्यार्थी अपने निर्धारित लक्ष्यों तक पहुंच सकें। लगन, निष्ठा और ईमानदारी के साथ किया गया प्रयास ही वास्तविक सफलता दिलाता है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नृत्य, नाटक और संगीत की रंगारंग प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से विविधता में एकता, आपसी भाईचारा और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया गया। समारोह में अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति से कार्यक्रम और भी उत्साहपूर्ण बन गया।

इंडिया की जीत पर यूपी में जश्न

मेरठ में ट्रकों पर खड़े होकर तिरंगा लहराया:ढोल-नगाड़ों पर खूब थिरके फैंस,

उत्तर प्रदेश(एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप टूनार्मेंट में भारत ने पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज की है। श्रीलंका के कोलंबो में 61 रनों से हराया है। मैच के दौरान यूपी में लोगों का जोश हाई रहा। मेरठ में ट्रकों पर खड़े होकर फैंस ने तिरंगा लहराया। ढोल-नगाड़ों पर खूब क्रिकेट प्रेमी थिरके। प्रयागराज में 14 पीर मजार पर इंडिया की जीत के लिए दुआ मांगी गई। मुरादाबाद में यूनिपोल पर राह चलते लोगों ने लाइव मैच देखा। मंत्री संजय निषाद ने क्रिकेट के बहाने पाकिस्तान पर कटाक्ष किया। कहा- देश की भावनाओं का जुड़ाव खेल से है।...जहां तक पाकिस्तान का सवाल है तो सड़क पर कुत्ते इसलिए मरते हैं, क्योंकि वह निर्णय नहीं ले पाते कि इधर जाना है या उधर। यही कुछ देशों का यही हाल हो गया है। वह निर्णय नहीं ले पा रहे कि देश कैसे चलाना है, किससे संबंध रखने हैं। उधर, लखनऊ में दिन में क्रिकेट प्रेमियों ने टीम इंडिया का ड्रेस पहनकर शिव जी को जलाभिषेक किया। भारत की जीत के लिए प्रार्थना की। अयोध्या में टीम इंडिया की जीत के लिए संतों ने अनुष्ठान और यज्ञ किए। काशी में सिंधिया घाट पर फैंस ने विशेष पूजा की। हर- हर महादेव के जयघोष किए गए। फैंस ने गंगा तट पर दीप जलाकर भारत की जीत की कामना की। भारत-पाक के बीच इससे पहले एशिया कप में 28 सितंबर 2025 को मुकाबला हुआ था। भारत ने ये मैच जीता था। लखनऊ में केडी सिंह बाबू हास्टल में मैच की विशेष स्क्रीनिंग की जाएगी। गुरु गोबिंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में भी खिलाड़ियों के लिए मैच देखने का खास इंतजाम किया गया था। लखनऊ में भारत की जीत का जश्न मना रहे गौरव उपाध्याय बोले- पाक कटोरा लेकर मांगे तो भी भारत से जीत नहीं मिलेगी। महेश सिंह बोले- पाकिस्तान समझ ले। बाप-बाप होता है। आज महादेव का दिन था, अगर उन्होंने तीसरी आंख खोल दी तो पाकिस्तान भस्म हो जाएगा। टीम इंडिया की जीत पर मेरठ की सड़कों पर भारत माता की जय के नारे लगे। इंडिया की जीत के बाद क्रिकेट फैंस सड़कों पर उतर गए। जमकर जश्न मनाया। बेगमपुल के पास ट्रकों पर खड़े होकर तिरंगा लहराया। भारत की जीत के बाद लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए। भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। लोगों ने कहा- पाकिस्तान को समझना चाहिए कि बाप-बाप होता है। हजरतगंज चौराहे पर धुरंधर फिल्म का स्टेप किया गया। इस दौरान सुरक्षा को देखते हुए पुलिस मौजूद रही। लखनऊ में क्रिकेट फैंस ने भारत की जीत को एंजॉय किया। शताक्षी बोलीं- ईशान किशन की बैटिंग अच्छी रही। मैच देखकर मजा आया। सुमित वर्मा ने कहा- इंडिया ने बहुत अच्छा खेला। ईशान किशन की बैटिंग बेहतरीन रही है। रिंकू सिंह ने भी आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाए। अलीगढ़ के महुआखेड़ा क्रिकेट मैदान पर बड़ी स्क्रीन पर फैंस मैच देख रहे हैं। यहीं पर रिंकू सिंह ने मैच खेला और प्रैक्टिस की है। अर्जुन सिंह फकीरा ने कहा- आज तो भारत की ही जीत होगी। अलीगढ़ में क्रिकेटर रिंकू सिंह के माता-पिता घर में मैच देख रहे हैं। इस दौरान रिंकू के पिता ने कहा- आज भारतीय टीम जीतेगी। बेटे ने भी अच्छा खेला। मुरादाबाद में भारत ५२ पाकिस्तान के बीच चल रहे मैच का लाइव टेलिकास्ट स्मार्ट सिटी की ओर से लगाए गए वीएमडी पर किया जा रहा है। पीलीकोठी पर मैच देखने के लिए काफी संख्या में लोग पहुंचे हैं। इस दौरान वहां से गुजरने वाले लोग भी रूककर मैच देख रहे हैं। रिंकू सिंह की बहन ने कहा-मैं चाहती हूं कि मेरे भैया बहुत अच्छा प्रदर्शन करें। साथ ही भारतीय टीम भी बेहतरीन खेले। जैसे टीम इंडिया अब तक जीतती आ रही है, वैसे ही आज भी पूरे जोश और उत्साह के साथ खेले और जीत हासिल करे। उन्होंने बताया, मैं हाल ही में एक मैच देखने पहुंची थी। वहां का माहौल बहुत अच्छा लगा। मैंने सभी खिलाड़ियों के साथ फोटो भी खिंचवाई। T-20 वर्ल्ड कप मैच में इंडिया पाकिस्तान मैच को लेकर प्रयागराज में हिंदू मुस्लिम सिक्ख और ईसाई सभी ने 14 पीर मजार पर इंडिया की जीत के लिए दुआ मांगी। इंडिया का झंडा लेकर सभी ने एक सुर में इंडिया जीतेगा का नारा लगाया। अयोध्या में महंत कुलदीप दास महराज ने कहा-टीम इंडिया की जीत के लिए और खिलाड़ियों को ताकत प्रदान करने के लिए शिवजी और हनुमान जी की विशेष पूजा की गई है। महादेव और हनुमान जी टीम इंडिया की जीत सुनिश्चित कराएंगे। अयोध्या में संत सीताराम दास महाराज ने कहा- "आज हम अयोध्या धाम में हनुमान जी के मंदिर में बैठे हैं और भारतीय खिलाड़ियों के लिए प्रार्थना की है कि उन्हें T-20 मैच के लिए ताकत मिले और पाकिस्तानी खिलाड़ी हार जाएं। भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच में टीम इंडिया की जीत के लिए अयोध्या में अनुष्ठान किया गया। अयोध्या में संत समाज ने भारत की जीत के लिए किया हवन और यज्ञ किया। आज शाम 7:00 से होने वाले मैच में खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के लिए महंत सीताराम दास के नेतृत्व में संत समाज ने अनुष्ठान कर जीत के लिए प्रार्थना की। भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर फैंस में जबदस्त जोश है। प्रयागराज में केंद्रीय विद्यालय कैंटोनमेंट बोर्ड के कोच संजीव कुमार के नेतृत्व में बच्चों ने टीम इंडिया के समर्थन में जमकर नारेबाजी की।फैंस का कहना है कि हर बार की तरह इस बार भी टीम इंडिया पाकिस्तान पर भारी पड़ेगी और सीधे सुपर-8 में अपनी जगह पक्की करेगी। कानपुर के क्रिकेटर कुलदीप यादव के कोच कपिल देव पांडेय ने भारत-पाक मैच से पहले उनसे बात की। उन्होंने कहा- रात 12 बजे कुलदीप से बात हुई। कोलंबो की पिच को देखते हुए लगता है कि कुलदीप आज का मैच जरूर खेलेंगे।

संक्षिप्त डायरी

लुटेरों ने बेटे के सामने बाप की हत्या की: बहू डरकर बेड के नीचे छिपी

गिलौला (एजेंसी)। बेटे के सामने बदमाशों ने घर में घुसकर किसान की हत्या कर दी। इसके बाद सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। परिवार के मुताबिक, रविवार रात करीब 3 बजे चार नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। आहट सुनकर किसान की आंख खुल गई। उन्होंने शोर मचाया और बदमाशों से भिड़ गए। आवाज सुनकर बहू और बेटा भी जाग गए। बेटा दौड़कर कमरे में पहुंचा तो बदमाशों ने उसे पकड़ लिया। उसके सामने ही पिता पर चाकू से कई बार वार किए गए। यह देखकर बहू बेड के नीचे छिप गई। चारों बदमाशों के जाने के बाद महिला ने चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस गांव के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। घटना हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र की है। गांव से बाहर किसान का मकान, घर में सिर्फ 3 लोग जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर भजोरे पुरवा गांव है। यहां किसान नेमराज पाठक (49) अपने बेटे सुनील और बहू लक्ष्मी के साथ रहते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका है। नेमराज भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके दूसरे भाई गांव में ही रहते हैं। उन्होंने गांव से बाहर घर बनवा रखा था। बेटे की शादी करीब दो साल पहले हुई थी। बहू ने बताया कि रात करीब 3 बजे डकैत घर में घुसे थे। मैं और मेरे पति दूसरे कमरे में थे। ससुर की चीखने की आवाज आई तो मेरे पति सुनील देखने गए। बदमाशों ने उन्हें दबोच लिया। यह देखकर मैं डर गई और बेड के नीचे छिप गई। मेरे पति की आंखों के सामने ही डकैतों ने ससुर की हत्या कर दी। मैंने बेड के नीचे से चार लोगों के पैर देखे थे। इसके बाद बदमाशों ने पूरे घर में लूटपाट की और सारे गहने उठा ले गए। उनके जाने के बाद मैंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी। इधर, हत्या और लूट की सूचना पर एसपी राहुल भाटी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी सबूत जुटाए। एसपी ने बताया कि बेटे की तहरीर पर चार बदमाशों के खिलाफ लूट और हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं और आसपास के क्षेत्रों में दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से गांव में पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है।

मरौरी में जलभराव, टूटी नाली से ग्रामीण परेशान

म्याऊं (एजेंसी)। ग्राम पंचायत मरौरी में जलभराव और टूटी नाली के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के चलते आवाजाही मुश्किल हो गई है और कई बच्चे गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस संबंध में कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की है, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। नाली टूटने से हुए जलभराव के कारण लोगों को खेतों में काम पर जाने में भी कठिनाई हो रही है। ग्रामीण रामवीर ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रधान से शिकायत की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जलभराव के कारण निकलने में भारी परेशानी होती है। एक अन्य ग्रामीण अवसिंह ने कहा, "हमारे बच्चे गिरकर चोटिल हो गए हैं, लेकिन प्रधान को कोई फर्क नहीं पड़ता।" इस मामले पर ग्राम पंचायत सचिव अलख प्रताप सिंह ने बताया कि उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि ग्रामीणों को परेशानी हो रही थी और तत्काल प्रभाव से सफाई की व्यवस्था शुरू करवा दी गई है। सचिव ने यह भी जानकारी दी कि नाले के निर्माण के लिए शासन को पहले ही मांग भेजी जा चुकी है। धनराशि स्वीकृत होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। ग्राम प्रधान आदेश शास्त्री ने बताया कि एक जगह पर सड़क खराब है, जिसमें मिट्टी डलवाकर मरम्मत का कार्य जल्द ही करवा दिया जाएगा। यह समस्या केवल मरौरी ग्राम पंचायत तक सीमित नहीं है, बल्कि क्षेत्र की कई अन्य ग्राम पंचायतों में भी ऐसी ही दिक्कतें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों को उम्मीद है कि सरकार और प्रशासन जल्द ही इस समस्या का समाधान कर उन्हें राहत प्रदान करेंगे।

शामली रेलवे स्टेशन का मंडल रेल प्रबंधक ने किया विस्तृत निरीक्षण, महाप्रबंधक के संभावित दौरे से पहले तैयारियां पूरी करने के निर्देश

शामली (शिखर समाचार) सोमवार को शामली रेलवे स्टेशन पर रेलवे प्रशासन की गतिविधियां तेज रहीं। मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश आर त्रिपाठी ने स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं, चल रहे निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 20 फरवरी को रेलवे महाप्रबंधक के संभावित भ्रमण को देखते हुए सभी कार्य समय से पहले पूरे कर लिए जाएं और किसी भी स्तर पर कमी न रहने पाए।

निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने प्लेटफार्म, सीढ़ियां, टिकट खिड़की, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और वाहन पार्किंग स्थल का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने साफ सफाई और यात्री सुविधा से जुड़े बिंदुओं पर विशेष ध्यान देते हुए अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली। जहां व्यवस्थाएं अधूरी मिलीं, वहां तुरंत सुधार कराने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि स्टेशन पर आने वाले यात्रियों को बेहतर और सुगम सुविधाएं मिलनी चाहिए, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। इस दौरान अग्रवाल मित्र मंडल के पदाधिकारियों ने मंडल रेल प्रबंधक को एक ज्ञापन सौंपकर शामली से माता वैष्णो देवी और लखनऊ के लिए लिंक रेलगाड़ी चलाने की मांग उठाई। मंडल की ओर से अनुज बंसल ने बताया कि सहारनपुर से माता वैष्णो देवी जाने वाली हेमकुंड साहिब एक्सप्रेस और सहारनपुर से लखनऊ जाने वाली चंडीगढ़ लखनऊ एक्सप्रेस का समय लगभग एक ही अवधि में होने से शामली क्षेत्र के यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। दोनों गाड़ियों का लाभ एक साथ नहीं मिल पाता।

ज्ञापन में सुझाव दिया गया कि समय सारिणी में बदलाव कर या अलग से जोड़ रेलगाड़ी चलाकर शामली के यात्रियों को सीधी सुविधा दी जाए, जिससे श्रद्धालुओं, छात्रों और अन्य यात्रियों को राहत मिल सके। मंडल रेल प्रबंधक ने ज्ञापन प्राप्त कर मामले को उच्च स्तर पर भेजकर विचार कराने का भरोसा दिया। निरीक्षण के समय रेलवे के अभियंता, वाणिज्य और परिचालन शाखा के अधिकारी तथा स्टेशन कर्मचारी मौजूद रहे। महाप्रबंधक के संभावित दौरे को लेकर स्टेशन परिसर में मरम्मत, सौंदर्यीकरण और सुविधा विस्तार के कार्य तेज कर दिए गए हैं। रेलवे प्रशासन का लक्ष्य है कि निरीक्षण से पहले स्टेशन की सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त और सुचारु रूप से संचालित दिखाई दें।

बरेली में व्यापारी से 11.41 लाख की साइबर ठगी

बरेली (एजेंसी)। साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें एक व्यापारी के दो बैंक खातों से 11.41 लाख रुपये उड़ा लिए गए। ठगों ने इस बार 'फर्जी बैंक मैनेजर' के बजाय 'डिजिटल हेल्पडेस्क' का झांसा देकर वारदात को अंजाम दिया। यह मामला अब साइबर जांच एजेंसियों के लिए एक महत्वपूर्ण केस स्टडी बन गया है। पीड़ित व्यापारी ने भुगतान संबंधी समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट पर कस्टमर केयर नंबर खोजा था। सर्च के दौरान उन्हें Justdial पर एक मोबाइल नंबर मिला, जिस पर संपर्क करने पर व्हाट्सऐप के माध्यम से बातचीत शुरू हुई। व्हाट्सऐप पर बात करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक मैनेजर बताया और पीड़ित का विश्वास जीत लिया। इसके बाद उसने एक लिंक भेजा, जिसे खोलते ही व्यापारी के मोबाइल में रिमोट एक्सेस जैसा एक ऐप इंस्टॉल हो गया।

बदायूं में हिट एंड रन, बोलेरो ने 5 को रौंदा: 3 की मौत, 120 की स्पीड में 18' दौड़ाई, अलर्ट मिला पुलिस पकड़ नहीं पाई

बदायूं (एजेंसी)। हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां बेकाबू तेज रफ्तार बोलेरो ने 5 युवकों को रौंद दिया। इसमें से 3 की मौत हो गई। पहले उसने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मारी, फिर भागने के चक्कर में एक और युवक को कुचल दिया। इसमें से दो की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी। करीब 20 मिनट बाद 18 किलोमीटर दूर एक और बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त बोलेरो की स्पीड 120 के आसपास थी। घटना के बाद आरोपी ने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। फिलहाल आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तलाश की जा रही है। वाहन की पहचान कर जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी। रविवार शाम करीब 5 बजे बहेड़ी मोड़ के पास हुआ। बरेली के करतौली गांव निवासी 25 साल के मुकेश और उनके बहनोई मदनलाल (50) दबिहारी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बोलेरो ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों को गंभीर चोट गाई। मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मदनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद आरोपी ने भागने के दौरान सड़क से गुजर रहे लऊआ गांव के 20 साल के विशाल सिंह को भी रौंद दिया। उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई।

नेहरू कॉलेज के सामने कूड़े का ढेर:छात्र-छात्राएं व स्थानीय निवासी वर्षो से परेशान

गिलौला (एजेंसी)। क्षेत्र में नेहरू स्मारक इंटर कॉलेज के मुख्य द्वार के सामने वर्षों से कूड़े का ढेर जमा है। यह छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। दुर्गंध और गंदगी के कारण विद्यालय का वातावरण प्रभावित हो रहा है, जिससे पढ़ाई-लिखाई पर भी असर पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायतें दर्ज कराने के बावजूद इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। शिकायत के बाद कभी-कभार कूड़ा हटा दिया जाता है, लेकिन कुछ ही दिनों में स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। स्थानीय निवासी अमित यादव, प्रदीप कुमार, अंकित गुप्ता और जैकी ने बताया कि यह कूड़े का ढेर कई वर्षों से जस का तस पड़ा है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब कूड़ा बहकर घरों के सामने और विद्यालय की बाउंड्री के भीतर तक पहुंच जाता है। इससे दुर्गंध फैलती है और विभिन्न बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं, कर्मचारियों और प्रधानाध्यापक को भी इस गंदगी से रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अभिभावकों ने चिंता व्यक्त की है कि विद्यालय के सामने कूड़ा होने से बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि कूड़े के इस ढेर को स्थायी रूप से हटाया जाए और वहां डस्टबिन की व्यवस्था की जाए। साथ ही, नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए ताकि दोबारा कूड़ा जमा न हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे संबंधित अधिकारियों से मिलकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उनकी प्रमुख मांगों में कूड़े के ढेर को तत्काल हटाना, स्थायी डस्टबिन की व्यवस्था करना, रोजाना सफाई सुनिश्चित करना और जिम्मेदार विभाग द्वारा निगरानी तय करना शामिल है। स्थानीय लोगों को अब प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार है, ताकि विद्यालय और आसपास का क्षेत्र स्वच्छ और सुरक्षित बन सके।

यूपी में चौधरी की नई टीम में फंसा जातीय पेंच

लखनऊ के बाद अब दिल्ली में होगा मंथन, होली के बाद होगा ऐला

लखनऊ (एजेंसी)। बाद अब दिल्ली में होगा मंथन, होली के बाद होगा ऐलानभारतीय जनता पार्टी की यूपी इकाई में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल अब होली के बाद ही होगा। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नई टीम को लेकर पहले दौर का मंथन पूरा हो चुका है। लेकिन, जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर पेंच फंसा है। ऐसे में लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दूसरे दौर की बैठकों के बाद ही अंतिम मुहर लगेगी। भाजपा की नई प्रदेश टीम क्या वाकई संगठन में बड़ा बदलाव लाएगी या फिर पुराने चेहरों की कुर्सियां सिर्फ इधर-उधर होंगी? पंकज चौधरी अपनी पहली बड़ी टीम से 2027 की सियासी जंग का मजबूत संदेश दे पाएंगे? या अंदरूनी खींचतान भाजपा के लिए नई मुश्किलें खड़ी करेगी पंकज चौधरी को यूपी अध्यक्ष का कार्यभार संभाले 2 महीने का समय हो गया है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती विधानसभा चुनाव की है। इससे पहले उन्हें अपनी नई बनानी है। टीम में जातीय और क्षेत्रीय संतुलन बनाते हुए बड़े नेताओं को संतुष्ट करना भी मुश्किल काम है। सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश टीम को लेकर पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह के बीच एक दौर की चर्चा हो चुकी है। इसमें तय हुआ कि प्रदेश टीम में ज्यादा बड़ा बदलाव नहीं किया जाएगा। चुनाव को देखते हुए मौजूदा अनुभवी पदाधिकारियों को बनाए रखा जाएगा। अलबत्ता उनकी जिम्मेदारी में बदलाव हो सकता है। सालों से टीम में शामिल कुछ लोगों की विदाई हो सकती है। लेकिन, उन्हें सरकार या राष्ट्रीय टीम में समायोजित कराने की तैयारी है। जानिए नई टीम की अहमियत क्यों ज्यादा? विधानसभा चुनाव की पूरी जिम्मेदारी अब पंकज चौधरी की नई टीम के हाथ होगी। यह यूपी में चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह का पहला विधानसभा चुनाव होगा। हालांकि, धर्मपाल सिंह को झारखंड चुनाव का अनुभव है। नई टीम ही प्रचार, चुनाव प्रबंधन, सदस्यता अभियान और रैलियों की कमान संभालेगी। केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व के फैसलों को जमीन पर उतारना भी इसी टीम की जिम्मेदारी होगी। राजनीति के जानकारों का कहना है कि चुनावी साल में प्रदेश पदाधिकारी की अहमियत मंत्री जैसी होती है। इसीलिए पुराने पदाधिकारी बने रहना चाहते हैं। नए दावेदार पूरी ताकत से टीम में जगह पाने की कोशिश करेंगे। नई प्रदेश टीम का फैसला यूपी में मुख्य रूप से पंकज चौधरी और संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह करेंगे। इसमें सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक की राय भी ली जाएगी। दिल्ली स्तर पर अंतिम भूमिका नितिन नबीन, अमित शाह, बीएल संतोष और आरएसएस नेता अरुण कुमार निभाएंगे। जानिए संगठन में कहां पदाधिकारी चुने जाने हैं? टीम में कई अहम पदों पर नए पदाधिकारी बनाए जाने हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष, महामंत्री और मंत्री पदों में फेरबदल होगा, जिसमें महिलाओं की भागीदारी बढ़ाई जाएगी। 6 संगठनात्मक क्षेत्रों में भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति होनी है। ऐसे में पुरानी टीम से कुछ को प्रदेश टीम में जगह मिलेगी। इसके साथ ही 14 जिलों में नए जिलाध्यक्ष नियुक्त होने हैं। युवा मोर्चा और महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भी बदले जाएंगे। नगर निकायों, आयोगों, निगमों और बोर्डों में राजनीतिक नियुक्तियां भी जल्द शुरू होंगी। भाजपा की नई प्रदेश टीम में सबसे ज्यादा नजर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की राजनीतिक विरासत पर है। बड़े बेटे पंकज सिंह फिलहाल प्रदेश उपाध्यक्ष हैं, छोटे बेटे नीरज सिंह भी संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सवाल यह है कि टीम में पंकज की जगह बरकरार रहेगी या नीरज को मौका मिलेगा। इसका अंतिम फैसला खुद राजनाथ सिंह के हाथ में होगा। युवा मोर्चा अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पद की रेस में देवरिया के निखिल मणि त्रिपाठी सबसे आगे माने जा रहे।

शेरगढ़ में 20 किसानों की फार्म रजिस्ट्री हुई

बरेली (एजेंसी)। शेरगढ़ क्षेत्र के रोहिली गांव में सोमवार सुबह 10 बजे से किसानों के घर-घर जाकर फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य शुरू किया गया। विभागीय टीम ने किसानों को इस योजना के महत्व और इससे मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक दर्शन लाल गंगवार ने किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन किसानों की रजिस्ट्री नहीं होगी, उन्हें भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। गंगवार ने किसानों से अपील की कि वे केवल विभाग पर निर्भर न रहें, बल्कि स्वयं भी जागरूक बनें। उन्होंने सुझाव दिया कि किसान आवश्यकता पड़ने पर किसी कॉमन सर्विस सेंटर या कैफे पर जाकर अपनी फार्मर रजिस्ट्री करा सकते हैं। किसी भी समस्या की स्थिति में कृषि विभाग के अधिकारी समाधान के लिए तत्परता से उपलब्ध रहेंगे। इस अभियान के दौरान कन्हैया लाल, जमुना प्रसाद, हरपाल गंगवार, राजपाल सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

डीएम ने सुनी जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिया निस्तारण का आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पर जनसुनवाई का आयोजन कर जनता की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना व शिकायती पत्र प्राप्त हुई । इस दौरान लोनी निवासी कसाना ने जिलाधिकारी से निवेदन किया गया कि उसके पुत्र के सीबीएसई बोर्ड के एडमिट कार्ड में विषय बदल गये है और उनके द्वारा सही विषय भरे गये थे, कृपया इसे सही करवाने का कष्ट करें। जिलाधिकारी ने सम्बंधित स्कूल प्रधानाचार्या सहित सम्बंधित अधिकारियों से वार्ता कर उक्त कार्य सही कराने हेतु निर्देशित किया। उन्होने कहा कि इस प्रकार के मामलों को गम्भीरता से लेना अनिवार्य है। यदि इस प्रकार के प्रकरणों में सही से ध्यान ना दिया गया तो बच्चों का पूरा एक वर्ष खराब हो जाता है और उनका यह एक वर्ष बेहद मूल्यवान होता है। अधिवक्ताओं और किसानों ने अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु जिलाधिकारी को निवेदन किया। जनसुनवाई के दौरान एक विक्लांग युवक फुरकान निवासी डासना ने डीएल बनवाने हेतु निवेदन किया। जिलाधिकारी ने आरटीओ विभाग को निर्देशित किया कि उक्त का डीएल हेतु आवेदन सहित अन्य प्रक्रिया पूर्ण कराई जाएं। इसके साथ ही उक्त युवक को अन्य योजनाओं के तहत लाभ दिलाने हेतु भी सम्बंधित विभागाधिकारी हो निर्देशित किया, जिससे उसे अधिक से अधिक योजनाओं को लाभ प्राप्त हो सकें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण

निस्तारण सुनिश्चित कराने तथा जमीन से संबंधित समस्या को पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा तत्काल मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय सुनिश्चित कराएं जाने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में निरंतर प्राप्त होने वाली शिकायतों, समस्याओं और निवेदनों दिव्यांगजन कल्याण विभाग, शस्त्र लाईसेंस (विरासत), नियोजन विभाग (फैमिली आईडी), यूपीनेडा, पीएम सूर्य घर योजना, अवैध कब्जा/भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान आदि के निस्तारण एवं निवारण के क्रम में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि उक्त सभी कार्य युद्ध स्तर पर किये जाएं, उक्त से सम्बंधित किसी भी व्यक्ति को असुविधा का सामना ना करना पड़ें। ऐसा कोई भी कार्य बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, जिससे सरकार की छवि धूमिल हो। अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएं। जनता का उत्पीड़न किसी भी रूप में क्षमा योग्य नहीं है।

भारतीय किसान यूनियन (यूनीक) ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन, तहसील में भ्रष्टाचार व अवैध वसूली रोकने की उठाई मांग

जेवर (शिखर समाचार) भारतीय किसान यूनियन (यूनीक) के कार्यकर्ता किसानों और क्षेत्रीय जनसमस्याओं को लेकर तहसील परिसर पहुंचे और उपजिलाधिकारी से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। संगठन पदाधिकारियों ने तहसील स्तर पर बढ़ती भ्रष्टाचार की शिकायतों पर रोक लगाने, किसानों के लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण करने तथा भूमि अधिग्रहण से जुड़े मामलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग उठाई। यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव संजीव शर्मा ने बताया कि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर महेश सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता तहसील पहुंचे। यहां किसानों को आ रही राजस्व व मुआवजा संबंधी दिक्कतों के बारे में उपजिलाधिकारी को अवगत कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयरपोर्ट मुआवजे के लिए फाइल लगाने वाले किसानों से लेखपालों और तहसील कर्मचारियों की ओर से निजी व्यक्तियों के माध्यम से अवैध धन

वसूली कराई जा रही है। खुले रूप से रिश्वत मांगी जाती है और पैसा न देने पर किसानों को अनावश्यक रूप से चक्कर कटवाए जाते हैं।

ज्ञापन में मांग की गई कि ऐसे कर्मचारियों की जांच कर कड़ी कार्रवाई की जाए और किसानों के कार्य सरल प्रक्रिया के तहत समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएं। साथ ही भूमि अधिग्रहण से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज तहसील स्तर पर ही उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसानों को इधर-उधर भटकना न पड़े। संगठन ने क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति से जुड़ी समस्याओं का भी मुद्दा उठाया और कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान समय पर नहीं हो रहा है।

उपजिलाधिकारी दुर्गेश सिंह को सौंपे गए ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संगठन व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान प्रताप सिंह, धर्म सिंह, अनिल शर्मा, जयपाल शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नवाब कुरैशी, चेतन कौशिक, हरिओम भाटी, मास्टर महेंद्र सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

37 करोड़ की जमीन से हटाया अतिक्रमण, बिलासपुर में चला बुल्डोजर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अधिसूचित क्षेत्र बिलासपुर में बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए करीब 18 हजार वर्ग मीटर जमीन को मुक्त करा लिया। प्राधिकरण की इस कार्रवाई में अवैध निर्माण पर बुल्डोजर चलाकर उसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। मुक्त कराई गई जमीन की कीमत लगभग 37 करोड़ रुपये आंकी गई है। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि के निर्देश पर भूलेख और परियोजना विभाग की संयुक्त टीम ने यह अभियान चलाया। जानकारी के अनुसार, बिलासपुर के खसरा नंबर 100, 104 और 105 की जमीन पर अवैध रूप से घर बनाकर और बाउंड्री कर प्लॉटिंग की तैयारी की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद प्राधिकरण ने मौके पर पहुंचकर निर्माण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान अवैध रूप से बने दो मकानों को भी तोड़ दिया गया।

एसीईओ सुमित यादव ने कहा कि अधिसूचित क्षेत्र में बिना अनुमति या बिना नक्शा पास कराए किसी भी तरह का निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में आगे भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही लोगों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से पूरी जानकारी अवश्य लें, ताकि अवैध कॉलोनियों में निवेश कर नुकसान न उठाना पड़े।

महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि बिलासपुर

की उक्त जमीन पर अवैध निर्माण की शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई की गई। भूलेख विभाग के ओएसडी रामनयन सिंह के नेतृत्व में वरिष्ठ प्रबंधक नागेंद्र सिंह सहित टीम ने सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी में अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि दोबारा निर्माण करने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से अवैध कॉलोनी बसाने की कोशिशों पर फिलहाल रोक लग गई है और क्षेत्र में अन्य अवैध निर्माण करने वालों में भी हड़कंप मच गया है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर में ड्रोन उड़ाने का मामला, अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

जेवर (शिखर समाचार) जेवर क्षेत्र में निमार्णाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट परिसर की सुरक्षा को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। पिछले तीन दिनों से प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध रूप से ड्रोन उड़ाए जाने की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात एक निजी कंपनी के सुरक्षा अधिकारी कृष्णकांत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव रनहेराझकुरैब की ओर से झाझर रोड दिशा की तरफ से एक अज्ञात ड्रोन लगातार तीन दिनों से एयरपोर्ट परिसर के ऊपर प्रवेश कर रहा है। ड्रोन कुछ देर परिसर के ऊपर मंडराने के बाद उसी दिशा में वापस लौट जाता है। सुरक्षा अधिकारी के अनुसार एयरपोर्ट क्षेत्र को सुरक्षा कारणों से पूर्ण प्रतिबंधित ड्रोन उड़ान क्षेत्र घोषित किया गया है। यहां किसी भी प्रकार के ड्रोन संचालन पर पूरी तरह रोक है। इसके बावजूद अज्ञात व्यक्ति द्वारा नियमों का उल्लंघन कर ड्रोन उड़ाया जा रहा है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि ड्रोन उड़ाने वाले की पहचान करने के लिए आसपास के क्षेत्रों की निगरानी, पूछताछ और तकनीकी माध्यमों से जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी।

यादव जी की लव स्टोरी पर आपत्ति, प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग

नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) के नेतृत्व में सोमवार को सेक्टर-19 स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय पर संगठन के पदाधिकारियों ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने प्रस्तावित फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के शीर्षक को लेकर आपत्ति जताते हुए प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष परविन्दर सिंह यादव ने बताया कि फिल्म के नाम में जाति सूचक शब्द के प्रयोग से यादव समाज सहित अन्य बिरादरियों में असंतोष और तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने कहा कि 27 फरवरी को प्रस्तावित प्रदर्शन से पूर्व प्रशासन को इस विषय पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि सामाजिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था प्रभावित न हो। संगठन ने अपने ज्ञापन में कहा कि किसी भी जाति विशेष के नाम का प्रयोग अत्यंत संवेदनशील विषय है और सभी समाज समान रूप से सम्माननीय हैं। इसलिए मामले की निष्पक्ष समीक्षा कर समाज में भाईचारा और पारस्परिक सम्मान बनाए रखने के दृष्टिकोण से उचित निर्णय लिया जाए। संगठन पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का विरोध प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि समाज में शांति और समरसता बनाए रखना है। इस अवसर पर एम.पी. यादव (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), विनोद यादव (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा), प्रेम सिंह (प्रदेश महासचिव), नरेंद्र यादव (प्रदेश उपाध्यक्ष), सोनू यादव (प्रदेश संगठन मंत्री), चंदन यादव (पूर्वांचल प्रदेश अध्यक्ष), राजन ठाकुर (प्रदेश उपाध्यक्ष), गौरव भाटी (प्रदेश उपाध्यक्ष), जोगिंदर यादव (जिला उपाध्यक्ष), रविंद्र यादव (प्रदेश सचिव), शिवम शर्मा (नोएडा महानगर अध्यक्ष), कोशिंदर यादव, राजीव यादव, ललित गुर्जर, विपिन यादव (होशियारपुर), यादव चंद्रप्रकाश, प्रजापति एवं प्रकाश पहलवान सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मोदीनगर में किसानों का धरना स्थगित, जिलाधिकारी ने बाइक से पहुंचकर की वार्ता, उतार चढ़ाव मार्ग पर दिया आश्वासन

मोदीनगर (शिखर समाचार) दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर तलहैटा गोल चक्कर के पास ग्रामीणों के लिए चढ़ने–उतरने का मार्ग दिए जाने की मांग को लेकर चल रहे किसानों के धरने पर सोमवार दोपहर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड़ स्वयं मौके पर पहुंचे और किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में हुई वार्ता के बाद जिलाधिकारी के आश्वासन पर किसानों ने फिलहाल अपना धरना स्थगित कर दिया। तलहैटा गांव के निकट इन दिनों गोल चक्कर का निर्माण कार्य चल रहा है। किसानों और ग्रामीणों का कहना है कि यहां से आसपास के गांवों के लोगों का आवागमन रहता है, लेकिन चढ़ने उतरने के लिए अलग से रास्ता निर्धारित नहीं किया गया है। इससे किसानों और ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मांग को लेकर किसान कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। पहले भी अधिकारियों के आश्वासन पर धरना रोका गया था, लेकिन ठोस कार्रवाई न होने पर किसान नेता कुलदीप त्यागी के नेतृत्व में रविवार से दोबारा धरना शुरू कर दिया गया। सोमवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड़ प्रशासनिक टीम और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने धरना स्थल से कुछ दूरी पहले अपना वाहन रुकवा दिया और वहां से किसानों के साथ दोपहिया वाहन पर बैठकर धरना स्थल तक पहुंचे। इस दौरान किसानों ने अपनी मांगों को विस्तार से रखा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन किसानों की कृषि भूमि एक्सप्रेस वे क्षेत्र में आ रही है, उस भूमि का अधिग्रहण शीघ्र पूरा किया जाए। साथ ही एक्सप्रेस वे की सीमा में आने वाले चक मार्ग, नलकूप और अन्य मदों का मुआवजा भी प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाए। किसानों की मुख्य मांग चढ़ने उतरने के मार्ग को लेकर जिलाधिकारी ने भरोसा दिलाया कि इस विषय में प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों से शीघ्र वार्ता कर व्यवहारिक समाधान निकाला जाएगा। प्रशासन की ओर से सकारात्मक पहल और स्पष्ट आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने आपसी सहमति से अपना धरना फिलहाल स्थगित कर दिया और आगे की कार्रवाई का इंतजार करने की बात कही।

भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यशाला में प्रशिक्षण महाभियान पर जोर, मंडल व बूथ स्तर तक चलेंगे कार्यक्रम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। भारतीय जनता पार्टी जनपद गौतमबुद्धनगर के जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में संगठन विस्तार, कार्यकर्ता प्रशिक्षण और बूथ स्तर तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता और क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर रहे। कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की, जबकि संचालन धर्मेन्द्र कोरी ने किया।

जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को नए कार्यकताओं तक पहुंचाना संगठन का प्रमुख दायित्व है। कार्यशालाओं के माध्यम से कार्यकताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठन पद्धति और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति तक विकास पहुंचाने में कार्यकर्ता महत्वपूर्ण माध्यम बनें। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन 7 मार्च से सभी मंडलों में शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही सभी बूथों पर पदाधिकारियों और कार्यकताओं का एक दिवसीय प्रवास कार्यक्रम भी चलेगा, जिसमें बूथ कार्यशालाएं आयोजित होंगी और संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि कार्यशालाएं ही सक्षम और समर्पित कार्यकताओं का निर्माण करती हैं। मार्गदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से संगठन को मजबूती मिलती है और जनपद गौतमबुद्धनगर में सभी कार्यशालाएं पूरी निष्ठा के साथ संपन्न कराई जाएंगी। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष शिव ओम शर्मा, विजय भाटी, सुभाष भाटी, देवा भाटी, बिजेंद्र भाटी, अजेंद्र नागर, मनोज गर्ग, सतेन्द्र नागर, पवन रावल, विमल पुंडीर, कर्मवीर आर्य, पंकज रावल, रजनी तोमर, अशोक रावल, महेश शर्मा, मनोज मावी, मनोज भाटी, लोकेश त्यागी, संदीप शर्मा, सचिन गौतम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

नोएडा मीडिया क्लब का प्रतिनिधिमंडल सीईओ से मिला

पत्रकारों की सुविधाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

नोएडा (शिखर समाचार) नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी के नेतृत्व में सोमवार को क्लब के एक प्रतिनिधिमंडल ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्णा करुणेश से शिष्टाचार मुलाकात की और पत्रकारों की सुविधाओं से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में नोएडा के मीडिया कर्मियों के लिए कई महत्वपूर्ण समस्याएं उठाईं। इनमें पत्रकारों के लिए पार्किंग पास जारी करने, सेक्टर-29 स्थित गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बने मीडिया क्लब कार्यालय के फ्लोर पर लिफ्ट के ठहराव की व्यवस्था कराने तथा मीडिया क्लब को स्थायी भूखंड उपलब्ध कराने की प्रमुख मांगें शामिल रहीं। प्रतिनिधियों ने बताया कि इन सुविधाओं के अभाव में पत्रकारों को अपने दैनिक कार्यों के दौरान काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

सीईओ कृष्णा करुणेश ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में तत्काल ही एक विशेष बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे, ताकि पत्रकारों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर नोएडा मीडिया क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, महासचिव जे.पी. सिंह, सचिव जगदीश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य आंचल यादव, मोहम्मद आजाद,मनोहर त्यागी,अरुण सिन्हा , पवन त्रिपाठी, पवन राज सिंह, हिमांशु शुक्ला,अली खान, सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। मीडिया क्लब पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि प्राधिकरण द्वारा सकारात्मक पहल से पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएं

गन्ना किसानों के बकाया भुगतान का मुद्दा विधान परिषद में गूंजा, किरणपाल कश्यप ने उठाई सख्त कार्रवाई की मांग

शामली (शिखर समाचार) प्रदेश में गन्ना किसानों के बकाया भुगतान को लेकर मामला अब जोरदार तरीके से विधान परिषद में उठाया गया है। विधान परिषद सदस्य किरणपाल कश्यप ने सदन में किसानों की समस्या को प्रमुखता से रखते हुए कहा कि गन्ना मूल्य का भुगतान समय पर न होने से किसानों में भारी नाराजगी और असंतोष व्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसान अपनी फसल समय पर चीनी मिलों को सौंप देता है, लेकिन मिल प्रबंधन द्वारा भुगतान में की जा रही देरी किसानों के साथ अन्याय है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि प्रदेश की कई चीनी मिलों पर गन्ना मूल्य का भुगतान लंबे समय से लंबित चल रहा है। कई स्थानों पर डेढ़ से दो वर्ष तक का भुगतान बकाया बताया जा रहा है। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है और खेती का चक्र भी प्रभावित हो रहा

है। समय पर धनराशि न मिलने से किसान कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। किरणपाल कश्यप ने कहा कि किसान खेती के लिए उधार लेकर खाद, बीज और कीटनाशक खरीदता है, खेतों में मेहनत करता है और मजदूरों को मजदूरी देता है। फसल तैयार होने पर वह भरोसे के साथ गन्ना मिलों को आपूर्ति करता है, लेकिन जब भुगतान समय से नहीं मिलता तो उसके सामने परिवार के पालन-पोषण का संकट खड़ा हो जाता है। बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और अगली फसल की तैयारी तक प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। किसानों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभाई है, इसलिए मिलों और संबंधित विभागों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की कि जिन चीनी मिलों पर किसानों का बकाया चल रहा है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और भुगतान के लिए सख्त समय सीमा निर्धारित कर उसका पालन सुनिश्चित कराया जाए।

उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि समय पर भुगतान सुनिश्चित नहीं किया गया तो किसानों का भरोसा व्यवस्था से उठ जाएगा, जो कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुकसानदायक साबित होगा। सदन से उन्होंने किसानों के हित में तत्काल ठोस निर्णय लेने की अपील की।

संपादकीय

दिल्ली एआई वैश्विक सम्मेलनः अवसरों का द्वार या नई चुनौतियों की आहट

भारत की राजधानी दिल्ली में सोमवार से शुरू हुए वैश्विक एआई सम्मेलन केवल एक तकनीकी आयोजन भर नहीं, बल्कि आने वाले समय की दिशा तय करने वाला मंच माना जा रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब प्रयोगशालाओं और तकनीकी कंपनियों तक सीमित विषय नहीं रह गया, बल्कि शासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, उद्योग और रोजगार के ढांचे को बदलने वाली शक्ति के रूप में सामने है। ऐसे समय में जब दुनिया के बड़े देश एआई को लेकर अपनी नीतियां, सुरक्षा मानक और व्यावसायिक ढांचे तय कर रहे हैं, भारत में इस स्तर का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित होना रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जाना इस बात का संकेत भी है कि सरकार इस क्षेत्र को राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में देख रही है।

एआई की चर्चा अक्सर दो छोरों पर होती है एक तरफ असीम संभावनाएं, दूसरी तरफ गंभीर खतरे। दिल्ली सम्मेलन का महत्व इसी संतुलन को खोजने में है। भारत दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी और तेजी से बढ़ते डिजिटल ढांचे वाला देश है। यहां एआई आधारित समाधान कृषि उत्पादकता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं को दूरदराज तक पहुंचाने, न्यायिक प्रक्रियाओं को तेज करने, भाषाई अनुवाद को आसान बनाने और सरकारी योजनाओं की निगरानी में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकते हैं। यदि सही नीति और पारदर्शी ढांचे के साथ एआई को अपनाया गया, तो यह भारत को सेवा आधारित अर्थव्यवस्था से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था की ओर तेजी से ले जा सकता है। सम्मेलन का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे भारत वैश्विक एआई नीति निर्माण में अपनी आवाज दर्ज करा सकेगा। अभी तक एआई के मानक और नियम मुख्य रूप से पश्चिमी देशों और बड़ी टेक कंपनियों के प्रभाव में बनते रहे हैं। डेटा गोपनीयता, एल्गोरिदमिक पारदर्शिता, बौद्धिक संपदा अधिकार और एआई नैतिकता जैसे मुद्दों पर विकासशील देशों की चिंताएं अलग हैं। भारत यदि इस मंच से जिम्मेदार एआई का व्यावहारिक मॉडल प्रस्तुत करता है, तो वह वैश्विक दक्षिण के देशों का नेतृत्व भी कर सकता है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे कई परछाइयां भी हैं। सबसे बड़ी चिंता रोजगार पर प्रभाव की है। एआई और स्वचालन के बढ़ते उपयोग से पारंपरिक नौकरियों पर दबाव बढ़ेगा। कॉल सेंटर, डेटा प्रोसेसिंग, बेसिक प्रोग्रामिंग, कंटेंट उत्पादन और यहां तक कि कानूनी व वित्तीय विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में मशीनें मानव श्रम की जगह लेने लगी हैं। भारत जैसे देश में, जहां बड़ी आबादी सेवा क्षेत्र पर निर्भर है, बिना पुनः कौशल प्रशिक्षण (री-स्किलिंग) के एआई को तेजी से लागू करना सामाजिक असंतुलन पैदा कर सकता है। सम्मेलन में यदि कौशल विकास और शिक्षा ढांचे के पुनर्गठन पर ठोस रोडमैप नहीं बनता, तो तकनीकी प्रगति का लाभ सीमित वर्ग तक सिमट सकता है। दूसरी बड़ी चुनौती डेटा सुरक्षा और गोपनीयता की है। एआई सिस्टम विशाल मात्रा में डेटा पर निर्भर करते हैं। नागरिकों के स्वास्थ्य, वित्त, व्यवहार और पहचान से जुड़े आंकड़े यदि सुरक्षित न रहें, तो दुरुपयोग की आशंका बढ़ जाती है। डीपफेक, एआई जनित फर्जी खबरें और डिजिटल धोखाधड़ी पहले ही लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए खतरा बन चुकी हैं। इसलिए एआई को बढ़ावा देने के साथ साथ सख्त नियामक ढांचा, स्वतंत्र ऑडिट व्यवस्था और जवाबदेही तंत्र अनिवार्य होना चाहिए। केवल नवाचार की दौड़ में सुरक्षा को पीछे छोड़ देना भविष्य में भारी कीमत वसूल सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

भाग्य के अलावा करीबी लोग ही व्यक्ति के धैर्य की सबसे ज्यादा परीक्षा लेते हैं।

~~~~~~~~

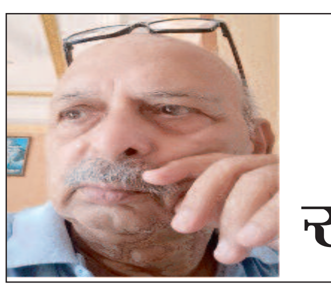

©

विनय संकोची

भविष्य के जलवायु समझौतों के लिए मार्गदर्शक दस्तावेजः क्योटो प्रोटोकॉल

सुनील कुमार महला

पर्यावरणीय दृष्टि से 16 फरवरी का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल आधिकारिक रूप से लागू हुआ था, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। इसे 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय (यूएनएफसीसीसी) के अंतर्गत बनाया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य औद्योगिक (विकसित) देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित किया जा सके। वास्तव में आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से प्रभावित है, जिसका प्रमुख कारण बढ़ती जनसंख्या, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, तेज शहरीकरण, विकास कार्यों के नाम पर पेड़ों की कटाई, जीवाश्म ईंधनों (कोयला, पेट्रोलियम, गैस) का अत्यधिक उपयोग, परिवहन, कृषि गतिविधियाँ और प्रदूषण हैं, जिनसे वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा तेजी से बढ़ रही है। ग्रीनहाउस गैसों जैसे कि कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, जलवाष्प तथा फ्लोरीनयुक्त गैसें आदि वायुमंडल में सूर्य की ऊष्मा को रोककर पृथ्वी का तापमान बढ़ाती हैं, जिसे ग्रीनहाउस प्रभाव कहा जाता है। नवीनतम आँकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन लगभग 57.7 गीगाटन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य तक पहुँच गया, जो अब तक का सबसे अधिक स्तर है और पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 2.3% अधिक है; इस अवधि में उत्सर्जन वृद्धि में भारत का योगदान सबसे अधिक रहा, हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अभी भी वैश्विक औसत से कम है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में लगभग 3 टन प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष, जबकि वैश्विक औसत लगभग 6.4 टन है। कुल उत्सर्जन के मामले में भारत लगभग 4 गीगाटन वार्षिक उत्सर्जन के साथ विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है, लेकिन ऐतिहासिक योगदान विकसित देशों से कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 2024 में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगभग 423झ425 पीपीएम तक पहुँच गई, जो औद्योगिक क्रांति से पहले की तुलना में लगभग 50% अधिक है और जलवायु जोखिम को बढ़ा रही है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी का सिद्धांत था, जिसके अनुसार ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण करने वाले विकसित देशों पर अधिक दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरूआती चरण में अनिवार्य उत्सर्जन कटौती से छूट दी गई। इस समझौते के अंतर्गत उत्सर्जन व्यापार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) और संयुक्त कार्यान्वयन जैसे नवाचारपूर्ण तंत्र बनाए गए, जिन्हें फ्लेक्सिबल मैकेनिज्म कहा गया और इन्हीं के माध्यम से कार्बन ट्रेडिंग की अवधारणा विकसित हुई, जिससे विकसित देश अन्य देशों में हरित परियोजनाओं या स्वच्छ तकनीक में निवेश करके कार्बन क्रेडिट खरीद सकते थे। भारत ने सीडीएम के तहत बड़ी संख्या में परियोजनाएँ विकसित कीं, जिससे तकनीकी आधुनिकीकरण, विदेशी निवेश और सर्टिफाइड एमिशन रिडक्शन (सीईआर) क्रेडिट के रूप में आर्थिक लाभ मिला तथा भारत वैश्विक कार्बन बाजार का महत्वपूर्ण भागीदार बना। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इस समझौते पर हस्ताक्षर तो किए थे, लेकिन इसे अपनी संसद से अनुमोदित नहीं कराया, जिससे इसकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठे, फिर भी इसकी एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने उत्सर्जन की निगरानी, रिपोर्टिंग और सत्यापन की सख्त वैश्विक प्रणाली विकसित की, जो आज भी अंतरराष्ट्रीय जलवायु व्यवस्था की आधारशिला मानी जाती है। आगे चलकर वैश्विक जलवायु प्रयासों को अधिक व्यापक बनाने के लिए 2015 में पेरिस समझौता अस्तित्व में आया, जिसमें लगभग सभी देशों को जलवायु कार्रवाई के साझा लक्ष्य में शामिल किया गया; संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2023-2024 में वैश्विक उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर के आसपास है और वर्तमान नीतियों के साथ 1.5त्त्व तापवृद्धि लक्ष्य हासिल करना कठिन दिखाई देता है। भारत ने वर्तमान वैश्विक व्यवस्था में महत्वपूर्ण लक्ष्य घोषित किए हैं। वर्ष 2030 तक 2005 के स्तर की तुलना में उत्सर्जन तीव्रता में 45% कमी, 50% बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त करना और 2070 तक नेट-जीरो हासिल करना और वर्ष 2025 तक भारत 50% से अधिक स्थापित बिजली क्षमता गैर-जीवाश्म स्त्रोतों से प्राप्त कर चुका है, जो उसकी प्रगति को दशार्ता है। वैश्विक स्तर पर क्योटो प्रोटोकॉल का सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन इसकी सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसने दुनिया को सामूहिक पर्यावरणीय कार्रवाई की दिशा दिखाई, प्रदूषक भुगतान करे सिद्धांत को व्यवहार में लागू किया और भविष्य की जलवायु नीतियों की मजबूत नींव रखी; सरल शब्दों में कहें तो आज जब दुनिया नेट-जीरो की बात करती है, तो उसकी जड़ें कहीं न कहीं क्योटो की उसी ऐतिहासिक पहल में निहित हैं। अंत में यही कहूंगा कि आज के संदर्भ में क्योटो प्रोटोकॉल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसने पहली बार विकसित देशों पर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन घटाने के कानूनी लक्ष्य तय किए।हालांकि, अब वैश्विक जलवायु नीति का केंद्र पेरिस समझौता बन चुका है, फिर भी क्योटो प्रोटोकॉल ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग की नींव रखी।इस समझौते के कारण कार्बन बाजार, क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म (सीडीएम) जैसे तंत्र विकसित हुए, जिनसे विकासशील देशों को भी लाभ मिला।आज जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौतियों के बीच यह समझौता दुनिया को उत्सर्जन नियंत्रण की जिम्मेदारी याद दिलाता है। संक्षेप में, क्योटो प्रोटोकॉल आधुनिक वैश्विक जलवायु नीतियों का आधार माना जाता है।

राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति, नवयुवकों का जागरण और कर्तव्यबोध

कांतिलाल मांडोत

भारत सदियों से संयम, त्याग और आध्यात्मिक चेतना की भूमि रहा है। यहाँ आत्मसंयम को ही वास्तविक शक्ति माना गया है और चरित्र को ही मनुष्य की सबसे बड़ी संपत्ति समझा गया है। यही कारण है कि इस देश ने समय-समय पर ऐसे महान आदर्श प्रस्तुत किए, जिन्होंने न केवल भारत बल्कि सम्पूर्ण विश्व को दिशा दी। भीष्म पितामह की आजीवन ब्रह्मचर्य प्रतिज्ञा हो, भगवान महावीर का संयम और तप का संदेश हो या स्वामी विवेकानन्द का तेजस्वी व्यक्तित्व इन सबने सिद्ध किया कि सच्ची शक्ति बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि भीतर के आत्मबल में निहित होती है। आज आवश्यकता है कि युवा पीढ़ी इन आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझे, क्योंकि देश की बागडोर अब युवाओं के हाथ में है।

वर्तमान समय में युवाशक्ति अनेक चुनौतियों से घिरी हुई दिखाई देती है। भोगवादी प्रवृत्तियाँ, दिखावा, कृत्रिम जीवनशैली और व्यसनों की प्रवृत्ति ने युवाओं के नैसर्गिक तेज को धूमिल कर दिया है। देर रात तक अनावश्यक मनोरंजन में डूबे रहना, असंतुलित दिनचर्या, अस्वस्थ खान-पान और फैशन की अंधी दौड़ ने उनके शरीर और मन दोनों को कमजोर किया है। जबकि एक युवा के व्यक्तित्व में ऊर्जा, उत्साह, दृढ़ निश्चय और कर्मठता का संचार होना चाहिए। राष्ट्र का भविष्य उन्हीं कंधों पर टिका होता है जिनमें सामर्थ्य, चरित्र और कर्तव्यनिष्ठा का बल हो। यदि युवा स्वयं ही शारीरिक, मानसिक और नैतिक रूप से दुर्बल हो जाएँ, तो राष्ट्र की प्रगति कैसे संभव होगी?

कृत्रिमता के इस युग में मनुष्य बाहरी सजावट से अपनी वास्तविकता को ढकने का प्रयास करता है, परन्तु सच्चाई यह है कि कृत्रिम सौंदर्य कभी भी नैसर्गिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्थान नहीं ले सकता। जिस प्रकार सूखी जड़ वाला वृक्ष ऊपर से हरा दिखाया जाए तो भी वह अधिक समय तक जीवित नहीं रह सकता, उसी प्रकार यदि युवा केवल बाहरी आडंबर में उलझे रहेंगे और आत्मिक विकास की ओर ध्यान नहीं देंगे, तो उनका व्यक्तित्व खोखला रह जाएगा। राष्ट्र निर्माण के लिए ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जिनकी जड़ें मजबूत हों, जिनके भीतर आत्मसंयम और आत्मविश्वास की गहरी नींव हो।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा ने सदैव संयम, तप और साधना को महत्व दिया है। यहाँ जीवन को केवल भोग का साधन नहीं, बल्कि साधना का अवसर माना गया है। स्वामी विवेकानन्द जब विश्व धर्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए शिकागो गए, तब भी उन्होंने अपने संस्कारों और संयम को नहीं छोड़ा। उनके तेजस्वी व्यक्तित्व का रहस्य बाहरी आकर्षण नहीं, बल्कि भीतर की पवित्रता और आत्मबल था। यही आत्मबल युवाओं को अपनाना होगा। जब युवा अपने चरित्र को दृढ़ बनाते हैं, तब वे समाज में विश्वास और प्रेरणा के स्तंभ बनते हैं।

आज देश अनेक क्षेत्रों में परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, उद्योग, राजनीति और सामाजिक जीवन में नई संभावनाएँ उभर रही हैं। इन संभावनाओं को साकार करने की जिम्मेदारी युवाओं पर ही है। देश की बागडोर उनके हाथ में है, इसलिए उन्हें केवल अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना चाहिए। देश के प्रति समर्पण केवल नारों से सिद्ध नहीं होता, बल्कि अनुशासन, ईमानदारी और परिश्रम से प्रकट होता है। जब युवा अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा से करते हैं, तभी राष्ट्र सशक्त बनता है।

युवाओं का प्रथम कर्तव्य है कि वे स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से सुदृढ़ बनाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। नियमित दिनचर्या, संतुलित आहार, व्यायाम और योग से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही अध्ययन, चिंतन और सत्साहित्य के माध्यम से बुद्धि का विकास होता है। ज्ञान से ही विवेक उत्पन्न होता है और विवेक से ही सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। जब युवा विवेकशील बनेंगे, तब वे समाज को सही दिशा दे सकेंगे।

दूसरा महत्वपूर्ण कर्तव्य है नैतिक मूल्यों का पालन। ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, करुणा और सहयोग की भावना ही समाज को जोड़ती है। यदि युवा भ्रष्टाचार, छल और स्वार्थ से दूर रहकर आदर्श जीवन जिएँगे, तो समाज में विश्वास की नींव मजबूत होगी। राष्ट्र का निर्माण केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि सुदृढ़ चरित्र वाले नागरिकों से होता है। युवाओं को यह समझना होगा कि उनका प्रत्येक कार्य देश के भविष्य को प्रभावित करता है।

तीसरा कर्तव्य है सामाजिक जागरूकता और सक्रिय भागीदारी। युवाओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा प्रसार, स्वच्छता अभियान, डिजिटल साक्षरता और सामाजिक समरसता जैसे कार्यों में आगे आना चाहिए। वे नई सोच और नवाचार के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बना सकते हैं। तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता के बल पर वे विश्व पटल पर भारत की प्रतिष्ठा को ऊँचा उठा सकते हैं। जब युवा अपने कौशल और प्रतिभा को राष्ट्रहित में समर्पित करते हैं, तब देश प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है।

आज आवश्यकता है कि युवा कृत्रिम आकर्षणों से ऊपर उठकर वास्तविक जीवन मूल्यों को अपनाएँ। संयम का अर्थ केवल त्याग नहीं, बल्कि अपनी ऊर्जा का सही दिशा में उपयोग करना है। जब इन्द्रियाँ भोग से हटकर योग की ओर उन्मुख होती हैं, तब व्यक्ति में अद्भुत शक्ति का संचार होता है। यही शक्ति राष्ट्र निर्माण का आधार बनती है। युवाओं को चाहिए कि वे अपने भीतर आत्मगौरव और राष्ट्रगौरव की भावना को जागृत करें।

भारत का भविष्य उज्ज्वल तभी होगा जब उसकी युवा पीढ़ी जागरूक, अनुशासित और समर्पित होगी। आज का युवा यदि अपने वर्तमान को संवार ले, तो उसका कल स्वयं ही स्वर्णिम हो जाएगा। देश की प्रगति किसी एक नेता या संस्था पर निर्भर नहीं, बल्कि करोड़ों युवाओं के सामूहिक प्रयास पर आधारित है। जब प्रत्येक युवा यह संकल्प लेगा कि वह अपने जीवन को राष्ट्र के हित में उपयोग करेगा, तब भारत पुनः विश्वगुरु बनने की दिशा में अग्रसर होगा।

अंततः यही कहा जा सकता है कि राष्ट्र का सुनहरा भविष्य युवाशक्ति के जागरण में निहित है। युवाओं को अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए और उन्हें पूरे समर्पण के साथ निभाना चाहिए। संयम, परिश्रम, नैतिकता और देशभक्ति के आधार पर ही एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। आज समय की पुकार है कि युवा स्वयं को बदलें, समाज को बदलें और राष्ट्र को नई ऊँचाइयों तक ले जाएँ। जब युवाशक्ति जागृत होगी, तब भारत का भविष्य सचमुच स्वर्णिम बनेगा।

एआई इम्पैक्ट 2026: मानव सभ्यता के द्वार पर दस्तक देती कृत्रिम बुद्धि

विनोद कुमार सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया,तो यह केवल दीप प्रज्वलन नहीं था,बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी।भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी 2026 के बीच आयोजित 'एआई इम्पैक्ट 2026' केवल एक तकनीकी सम्मेलन नहीं,बल्कि मानव सभ्यता के इतिहास में एक नए अध्याय का उद्घोष है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य आयोजन का शुभारंभ किया, तो यह केवल दीप प्रज्ज्वलन नहीं था, बल्कि उस भविष्य का उद्घाटन था जिसमें मशीनें केवल उपकरण नहीं, बल्कि मानव निर्णय,शासन, अर्थव्यवस्था और चेतना की संरचना में सहभागी होंगी। .भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए यह आयोजन एक प्रयोगशाला नहीं,बल्कि एक प्रयोग-भूमि है, जहाँ करोड़ों जीवन की दिशा तय होनी है।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में एआई को 'विकसित भारत' की धुरी बताते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धि केवल तकनीक नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विस्तार का माध्यम है। उनका यह कथन प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक था।भारत की जनसंख्या एक ओर भार है,तो दूसरी ओर मानव पूंजी का महासागर। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी महासागर को दिशा देने का आह्वान है। यह आयोजन उस राष्ट्रीय आकांक्षा का मंच है जिसमें भारत केवल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक एआई नेतृत्वकर्ता बनने का संकल्प ले रहा है।एआई के संदर्भ में भारत की स्थिति अद्वितीय है। एक ओर विशाल युवा जनसंख्या, दूसरी ओर डिजिटल बुनियादी ढाँचे का तीव्र विस्तार, और तीसरी ओर राजनीतिक इच्छाशक्ति। प्रधानमंत्री मोदी का 'मिशन एआई' केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं, बल्कि गाँव, खेत,कारखाने, विद्यालय और शासन प्रणाली तक विस्तारित दृष्टि है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस दृष्टि को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास है।

परंतु हर तकनीकी क्रांति के साथ आशंकाओं की आँधी भी आती है। औद्योगिक क्रांति ने श्रमिक वर्ग को विस्थापित किया था, सूचना क्रांति ने ज्ञान का केंद्रीकरण तोड़ा था, और अब एआई क्रांति मानव श्रम और मानव निर्णय दोनों को चुनौती दे रही है। भारत जैसे देश में जहाँ बेरोजगारी पहले से ही सामाजिक- आर्थिक तनाव का स्त्रोत है,वहाँ एआई का आगमन एक नई अनिश्चितता का संकेत भी है। क्या मशीनें करोड़ों नौकरियों को निगल जाएँगी? क्या मानव श्रम अप्रासंगिक हो जाएगा? क्या निर्णय-प्रक्रिया एल्गोरिद्म के हाथों में चली जाएगी? ये प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि दार्शनिक और राजनीतिक भी हैं। एआई इम्पैक्ट 2026 का केंद्रीय विमर्श इसी द्वंद्व पर केंद्रित है–संभावना और शंका, सफलता और संकट,विकास और विस्थापन। प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण इस द्वंद्व को स्वीकारते हुए आशावाद की ओर झुका हुआ था। उन्होंने कहा कि एआई मानव को विस्थापित नहीं, बल्कि सशक्त करेगा।यह कथन राजनीतिक रूप से आश्वस्तकारी है, परंतु सामाजिक यथार्थ में इसे मूर्त रूप देने के लिए नीतिगत क्रांति आवश्यक है।

भारत की विशाल जनसंख्या यदि प्रशिक्षित, कौशलयुक्त और डिजिटल रूप से सशक्त होती है, तो एआई क्रांति भारत को वैश्विक शक्ति बना सकती है। किंतु यदि यह जनसंख्या तकनीकी परिवर्तन से कट जाती है,तो वही जनसंख्या सामाजिक विस्फोट का कारण भी बन सकती है।एआई इम्पैक्ट 2026 इस दोराहे पर खड़े भारत का आत्ममंथन है।मानव संसाधन के संदर्भ में एआई का प्रभाव बहुआयामी है। शिक्षा प्रणाली, स्वास्थ्य सेवाएँ, कृषि, उद्योग, प्रशासन, न्याय प्रणाली–सभी क्षेत्रों में एआई की भूमिका बढ़ रही है।भारत में डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, आधार, यूपीआई, डिजिलॉकर, और अब एआई आधारित शासन मॉडल, एक नए सामाजिक अनुबंध की रचना कर रहे हैं।मोदी का मिशन इस अनुबंध को 'डिजिटल नागरिकता' के रूप में परिभाषित करता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी डिजिटल नागरिकता का वैश्विक विमर्श है। बेरोजगारी की आशंका को लेकर अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि एआई करोड़ों नौकरियों को समाप्त कर देगा, जबकि अन्य का कहना है कि यह उतनी ही नई नौकरियाँ भी पैदा करेगा। भारत के संदर्भ में यह समीकरण अधिक जटिल है। यहाँ अनौपचारिक क्षेत्र, कृषि आधारित रोजगार और निम्न कौशल श्रमिकों की विशाल संख्या है। यदि एआई इन क्षेत्रों में बिना सामाजिक सुरक्षा के प्रवेश करता है, तो असमानता बढ़ेगी। एआई इम्पैक्ट 2026 में इस प्रश्न पर गहन चर्चा हो रही है कि कैसे कौशल पुनर्संरचना, जीवनपर्यंत शिक्षा और डिजिटल प्रशिक्षण के माध्यम से मानव संसाधन को एआई युग के अनुरूप ढाला जाए।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन में 'स्किल, स्केल और स्पीड' की त्रयी पर बल दिया। उनका तर्क था कि भारत को एआई में कौशल विकसित करना होगा, उसे बड़े पैमाने पर लागू करना होगा, और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में गति बनाए रखनी होगी। यह दृष्टि भारत को केवल तकनीकी शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय एआई नेतृत्वकर्ता बनाने की आकांक्षा भी रखती है। वैश्विक संदर्भ में एआई एक भू-राजनीतिक हथियार बन चुका है।अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य शक्तियाँ एआई को आर्थिक, सैन्य और राजनीतिक प्रभुत्व के साधन के रूप में देख रही हैं। भारत की भूमिका अब केवल संतुलन कारी नहीं,बल्कि वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करने की है। एआई इम्पैक्ट 2026 में भारत ने 'मानव-केंद्रित एआई' की अवधारणा को प्रमुखता से रखा है। यह अवधारणा एआई को मानव गरिमा, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के साथ जोड़ने का प्रयास है।

सफलता की संभावना विशाल है। कृषि में सटीक खेती, स्वास्थ्य में निदान की क्रांति, शिक्षा में व्यक्तिगत शिक्षण, शासन में पारदर्शिता, उद्योग में उत्पादकता–ये सभी एआई के उपहार हैं। भारत जैसे देश में जहाँ संसाधनों की कमी और जनसंख्या की अधिकता है, वहाँ एआई संसाधनों के कुशल उपयोग का माध्यम बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 इन संभावनाओं को नीतिगत रोडमैप में बदलने का मंच है।

परंतु शंका भी उतनी ही गहरी है। डेटा की निजता, एल्गोरिद्मिक पक्षपात, निगरानी राज्य, डिजिटल उपनिवेशवाद–ये एआई युग के अंधेरे पक्ष हैं। भारत जैसे लोकतंत्र में जहाँ नागरिक अधिकारों की रक्षा सर्वोपरि है, वहाँ एआई का अनियंत्रित प्रयोग लोकतंत्र को भी चुनौती दे सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में 'ट्रस्ट और ट्रांसपेरेंसी' पर जोर देकर इस चिंता को स्वीकार किया।एआई इम्पैक्ट 2026 इसलिए केवल तकनीकी सम्मेलन नहीं, बल्कि सभ्यता का संवाद है। यह संवाद मानव और मशीन, लोकतंत्र और एल्गोरिद्म, बाजार और समाज, शक्ति और नैतिकता के बीच है। भारत इस संवाद में एक प्राचीन सभ्यता के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित है, जो तकनीक को साधन मानती है, साध्य नहीं।

इस आयोजन में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों, नीति निमार्ताओं, उद्योग जगत और शिक्षाविदों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि एआई अब किसी एक देश या कंपनी का विषय नहीं, बल्कि मानवता का साझा भविष्य है।प्रधानमंत्री मोदी का उद्घाटन भाषण भारत को इस साझा भविष्य के नैतिक मार्गदर्शक के रूप में प्रस्तुत करता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि एआई आएगा या नहीं, बल्कि यह है कि मानवता उसे कैसे अपनाएगी। भारत जैसे देश के लिए यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहाँ तकनीक केवल सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का उपकरण भी हो सकती है। एआई इम्पैक्ट 2026 इस संभावना, शंका और सफलता के त्रिकोण में खड़े मानव भविष्य का चिंतन है। यह आयोजन एक चेतावनी भी है और एक आशा भी -कि यदि मानव विवेक, नीति और नैतिकता तकनीक के साथ चलें, तो एआई मानव सभ्यता का विनाश नहीं, बल्कि उसका उत्कर्ष बन सकता है। एआई इम्पैक्ट 2026 के उद्घाटन सत्र के साथ ही यह स्पष्ट हो गया कि भारत एआई को केवल आर्थिक वृद्धि का उपकरण नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में भारत की जनसांख्यिकी को 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' से 'डिजिटल डिविडेंड' में रूपांतरित करने का आह्वान किया। उनका संकेत स्पष्ट था–यदि युवा शक्ति को एआई कौशल से लैस किया जाए, तो भारत आने वाले दशकों में वैश्विक नवाचार का केंद्र बन सकता है।

भारत के लिए एआई का प्रश्न केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत है। यहाँ की संस्कृति, दर्शन और सामाजिक संरचना हजारों वर्षों से मानव चेतना, नैतिकता और सामूहिकता पर आधारित रही है। एआई इस संरचना में एक नया तत्व जोड़ रहा है–एल्गोरिद्मिक निर्णय। यह निर्णय मानव विवेक का सहायक भी हो सकता है और प्रतिस्थापन भी। एआई इम्पैक्ट 2026 इसी द्वंद्व की ऐतिहासिक बहस का मंच है।मानव संसाधन के संदर्भ में भारत की चुनौती अद्वितीय है। हर वर्ष लाखों युवा श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। परंपरागत उद्योग उतनी गति से रोजगार नहीं पैदा कर पा रहे। एआई आधारित स्वचालन इस संकट को बढ़ा भी सकता है और हल भी कर सकता है। यदि एआई केवल पूंजी-गहन उद्योगों में केंद्रित रहा, तो रोजगार संकट गहराएगा।
~~~~~~~~

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल-

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड़ जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरैट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिंग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुन: बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और रूखेपन को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। इससे स्कीन की टोनिंग होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

मीठा पोंगल

सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स

'इट्स द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन की शिकायत आ रही है। इससे उन्हें बचाकर रखने के लिए पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स बच्चों के बेस्ट-फ्रेंड होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। यात्रा सुखद रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3803

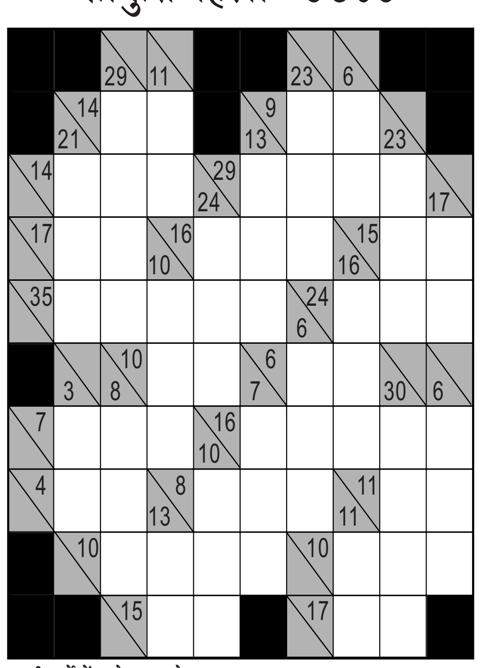

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11 → 1 2 3 5; 7 ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3802 का हल

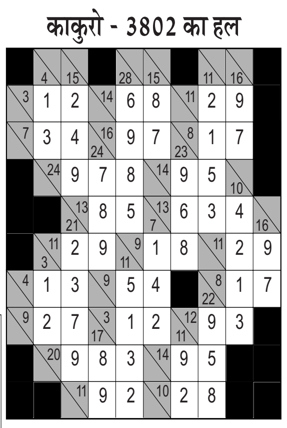

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 3803

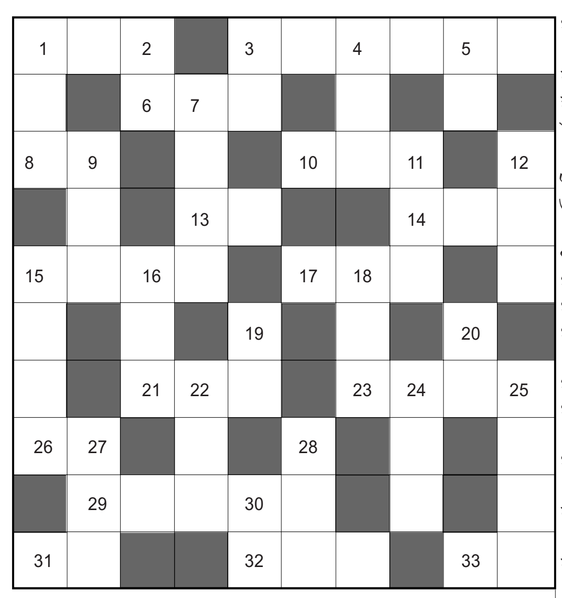

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3802

सूडोकु -3803

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3802 का हल

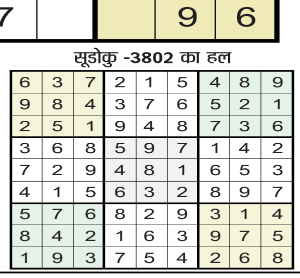

शब्द पहेली - 3803

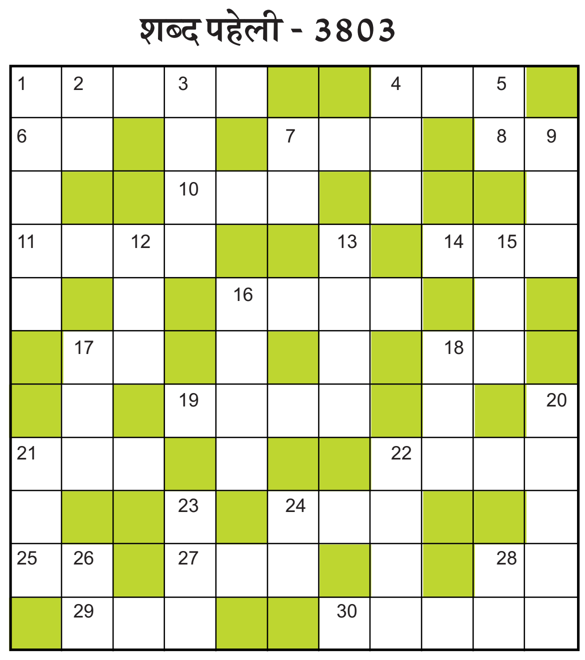

बाएँ से दाएँ

1. असह्य,नागवार-5
4. कली-3
6. पराया,पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी,सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल,धोखा-3
16. पक्षी,उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा,पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत,मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल,जान-2
27. रसदार-3
28. जगत,दुनिया-2
29. नग,मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र,राधेय-3
5. वश,अधीन-2
7. संपूर्ण,पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली,शुद्ध-3
13. हठ करना,रोना -4
15. हारा हुआ,पराजित-3
16. मशवरा,सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवत:-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना,स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी,चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली -3802 का हल

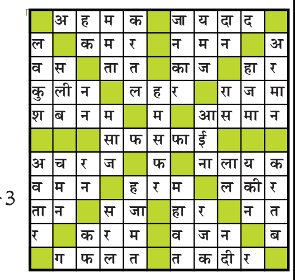

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से एयरसेल-आरकॉम की वसूली अब खतरे में

- कोर्ट ने स्पष्ट किया, टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने दूरसंचार क्षेत्र और बैंकिंग उद्योग में नई चिंता पैदा कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता, जिसे इनसालवेंसी एंड बैंक्रप्टी कोड (आईबीसी) के तहत पुनर्गठित या बेचा जा सके। इस निर्णय का सीधा असर उन मामलों पर पड़ेगा, जहां दिवालिया प्रक्रिया के तहत बैंकों को अपनी बकाया राशि की वसूली की उम्मीद थी। बैंकरों के अनुसार यह फैसला विशेष रूप से एयरसेल और रिलायंस कम्यु निकेशन (आरकॉम) से जुड़ी दिवालियापन कार्यवाही को प्रभावित करेगा। एयरसेल पर 13,500 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि स्पेक्ट्रम को सबसे मूल्यवान सुरक्षा माना जाता था, लेकिन अब उसके कॉरपोरेट संपत्ति न माने जाने से वसूली की संभावनाएं काफी घट गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के बाद बैंकों को दूरसंचार कंपनियों को ऋण देते समय उपलब्ध सुरक्षा के स्वरूप का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। यदि पर्याप्त वैकल्पिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होती, तो ऐसे ऋण को असुरक्षित जोखिम के रूप में देखा जा सकता है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र को कर्ज मिलना कठिन या महंगा हो सकता है। करीब 35,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही वोडाफोन आइडिया के लिए भी यह फैसला चुनौतियां बढ़ा सकता है। बैंक अभी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन नए कानूनी परिदृश्य में ऋण शर्तें सख्त हो सकती हैं।

नेयसा ने 1.2 अरब डॉलर जुटाए, एआई क्लाउड विस्तार की तैयारी

अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

नई दिल्ली।

एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म नेयसा ने कुल 1.2 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसमें 60 करोड़ डॉलर की इक्विटी निवेश ब्लेकस्टोन से जुड़े निजी इक्विटी फंडों और सह-निवेशकों द्वारा किया गया है। अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। अन्य प्रमुख निवेशक

फंड जुटाने में शामिल होंगे। कंपनी ने फर्म के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। नेयसा भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एआई एक्सेलरेशन क्लाउड प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमों और सरकारी संस्थाओं को मिशन-क्रिटिकल समाधान देता है। कंपनी को इंडियाएआई मिशन द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं में से एक चुना गया है। नई फंडिंग से कंपनी भारत में 20,000 से अधिक जीपीयू की तैनाती और विस्तार की योजना को साकार करेगी, जिससे देश में एआई क्रांति को मजबूती मिलेगी। नेयसा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत की एआई महत्वाकांक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन-ग्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। नेयसा सॉवरेन कंप्यूट की एग्जीक्यूशन लेयर और एआई रिसर्च इनेबलमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नेयसा ने अब तक 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। 2024 में सीड राउंड में 2 करोड़ डॉलर और अक्टूबर में सीरीज ए में 3 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली ।

सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकट-अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानता-अगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है।

तीसरा, भू-राजनीतिक और व्यापार अस्थिरता, जो अल्पकालिक निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है, तो इसका नेतृत्व घरेलू चक्र से आने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र सबसे आगे रहेगा, क्योंकि 2025-26 की तीसरी तिमाही में इसमें मार्जिन बढ़ा, ऋण लागत नियंत्रित रही और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रही। चौथी तिमाही में यह और मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पूंजीगत वस्तुएं और औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, इनपुट लागत में कमी और मांग में धीरे-धीरे रिकवरी से सहारा पाएंगे। आईटी शेयरों में हो रही बिकवाली और एआई से संबंधित चिंताएं कुछ ज्यादा हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एआई आधारित सौदों को बढ़ावा दे रही हैं और ऑटोमेशन से लाभ मार्जिन बढ़ सकता है। मूल्यांकन उनके पांच साल के औसत से कम है, इसलिए चुनिंदा आईटी शेयरों में निवेश समझदारी भरा हो सकता है।

जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 1.81 फीसदी पर पहुंची

- दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। दिसंबर 2025 में यह 0.83 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि है। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 1.55 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में 0.43 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जनवरी में महंगाई 6.78 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में महंगाई जनवरी में 2.86 प्रतिशत और गैर-खाद्य उत्पादों में 7.58 प्रतिशत तक बढ़ी। ईंधन एवं बिजली में महंगाई दर 4.01 प्रतिशत रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 2.75 प्रतिशत पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों के निर्धारण के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का आधार बनाता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में

अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत की कटौती है जो अब 5.5 प्रतिशत है।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड करेगी स्टॉक स्प्लिट

- 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट

मुंबई । बायोटेक कंपनी टाइटन बायोटेक लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे स्प्लिट का लाभ प्राप्त करेंगे। कंपनी अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। इसका मतलब हर 1 पुराना शेयर अब 5 नए शेयरों में बदल जाएगा। कुल निवेश की वैल्यू उसी स्तर पर बनी रहेगी, लेकिन निवेशकों के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टॉक स्प्लिट से शेयर की कीमत कम होगी और इसे खरीदना छोटे निवेशकों के लिए आसान होगा। हालांकि कुल निवेश की कीमत तुरंत नहीं बदलती। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे 20 फरवरी तक अपनी होल्डिंग साफ रखें और स्प्लिट के अनुसार अपने निवेश की योजना बनाएं।

प्रधानमंत्री मोदी के गमछे से चमकी बुनकरों की किस्मत

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर

नई दिल्ली ।

बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा। इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर लिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20-30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60-80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए। बंगाल और असम में भी विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर ऑर्डर की योजना

बनाई जा रही है। पटवा टोली का सबसे बड़ा खरीदार पश्चिम बंगाल है, इसके बाद असम, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार में सिर्फ बचे हुए गमछे बिकते हैं। गमछा कारोबार अब सिर्फ पारंपरिक वस्त्र उद्योग नहीं, बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

जापान की अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 1.1 फीसदी की वृद्धि

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था ने 2025 की अंतिम तिमाही में वार्षिक आधार पर 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। साल भर में कुल वृद्धि केवल 1.1 फीसदी रही, जो 2022 के बाद सबसे उच्च है, जब देश कोविड-19 महामारी के असर से उबर रहा था। अप्रैल-जून 2025 में जीडीपी में 0.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई-सितंबर में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर-दिसंबर में तिमाही आधार पर अर्थव्यवस्था ने 0.1 फीसदी की मामूली वृद्धि की। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन न होने के कारण जापान तकनीकी मंदी से बच गया। अक्टूबर-दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 फीसदी की वृद्धि रही, लेकिन निर्यात में 1.1 फीसदी की गिरावट ने विकास दर को सीमित किया। मंत्रिमंडल कार्यालय का अनुमान है कि निकट भविष्य में जापान की अर्थव्यवस्था औसतन 0.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जिससे स्थिर लेकिन धीमी वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

भारत का चीनी निर्यात फरवरी तक 2 लाख टन के पार

मुंबई। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार भारत में चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है। मिलों के बीच आनुपातिक कोटा वितरित किया जाता है। हाल ही में अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात कोटा भी मंजूरी दी गई है, जिससे कुल स्वीकृत निर्यात 20 लाख टन हो गया है। फरवरी तक भारत ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें सफेद चीनी का हिस्सा 1,63,000 टन और परिष्कृत चीनी का 37,638 टन रहा। 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 13 फीसदी बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एआईएसटीए ने नई दो-स्तरीय कोटा प्रणाली का स्वागत किया, जिससे वास्तविक निर्यात करने वाली मिल को गैर-निष्क्रिय मिलों से कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ेगा।

सोने की कीमतों पर ब्रेक, 1 लाख के नीचे जाने के आसार

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में चल रही रिकॉर्ड तेजी पर अब ब्रेक लगता नजर आ रहा है। रूस के एक संभावित कदम और वैश्विक समीकरणों के बदलने से कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले समय में सोना 1 लाख रुपए के नीचे आ सकता है। जनवरी 2026 में भारतीय बाजार (एमसीएक्स) पर सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। बीते सप्ताह की क्लोजिंग तक कीमतें 1,56,200 रुपए तक गिर गईं, यानी करीब 13.5 फीसदी की गिरावट। अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) पर सोना 5,626.80 से 5,046.30 डॉलर पर आया, लगभग 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। रूस ने अमेरिकी डॉलर में ट्रेड सेटलमेंट पर वापसी पर विचार करना शुरू कर दिया है। इससे ब्रिक्स देशों की डी-डॉलराइजेशन मुहिम प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस के कदम से अन्य केंद्रीय बैंक भी सोने की आक्रामक खरीद रोक सकते हैं या मुनाफावसूली कर सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय सोना 3,000 प्रति औंस तक गिर सकता है। भारत में सोने की कीमत 90,000-1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में स्थिर हो सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 650, निफ्टी 211 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को

7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

रेलवे का फैसलाः एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में स्टाफ आरक्षण खत्म

- यात्रियों को मिलेगी ज्यादा सीटें, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में ऑन-बोर्ड स्टाफ के आरक्षित सीटों को खत्म कर दिया है। अब महंगी सीटें सीधे यात्रियों के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे। हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्प्रेड मॉडल लागू हुआ है। उन्हें केवल थर्ड एसी या स्लीपर में 4 साइड लोअर सीटें मिलेंगी। पेंट्री कार वाले स्टाफ को अब पूरी ड्यूटी पेंट्री कार में ही करनी होगी, जबकि पेंट्री कार नहीं होने पर उन्हें केवल 2 सीटें दी जाएंगी। रेलवे का अनुमान है कि हर ट्रेन में 4-6 सीटें अब यात्रियों के लिए खुलेंगी, जिससे प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व होगा। आरक्षित सीटों का दुरुपयोग और अनाधिकृत यात्रा की समस्या भी कम होगी। साल 2016 और 2018 के पुराने सर्कुलर रद्द कर दिए गए हैं। यह नया नियम रेलवे के पैसेंजर-फ्रेंडली और कमर्शियल मॉडल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ सुस्त शुरुआत के साथ सूचीबद्ध

- शेयर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने सोमवार को अपने आईपीओ के बाद शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी का आईपीओ 2,834 करोड़ रुपए का था, जिसमें 1,023.5 करोड़ रुपए के नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मूल्य दायरा 857-900 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 876 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 900 रुपए से 2.67 फीसदी कम है। बाद में इसमें और गिरावट आई और यह 855.55 रुपए पर पहुंच गया। बीएसई पर शेयर 900 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर सपाट शुरुआत के साथ खुला। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,839.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी अनुषंगी 'फ्रैकल यूएसए' में निवेश, कर्ज का पूर्व-भुगतान, भारत में नए कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास, फैक्टल अल्फा के तहत विपणन, अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

- अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है।

घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.93 पर रहा।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी20 वर्ल्ड कप: कोलकाता में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा, इटली से हांफते हुए जीती इंग्लैंड , सुपर 8 में एंट्री

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंततः 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर, नाकाबिल लोग देश का क्रिकेट चला रहे

लाहौर । भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है। अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया। भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया। मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है। वह एक भी मैच नहीं जिता सका है । इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है। इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है। यही हमारे साथ हुआ है। शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है। समय बोर्ड के चेयरमैन वही हैं तो उनका कहना नकवी के लिए ही था।पाकिस्तान की यह टी20 विश्व कप के मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ आठवीं हार है। भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक टी20 विश्व कप में 9 मुकाबले खेले गए हैं और इसमें एक बार ही पाक टीक जीत पायी है। पाक टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में जीती थी। इससे पहले एशिया कप में भी पाक को भारतीय टीम ने हराया था।

टी20 विश्वकप : अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया।।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

टी20 विश्कप के सुपर आठ में पहुंची भारत और वेस्टइंडीज, तीन टीमें बाहर हुईं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत सहित दो टीमें आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी हैं। भारत ने पाकिस्तान को यहां 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी। भारत से पहले वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में जगह बनायी थी। वहीं अलग-अलग ग्रुप की 3 टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, इनमें ओमान, नेपाल और नामीबिया जैसे एसोसिएट देशों की टीमें हैं। ग्रुप डी से हालांकि अभी तक कोई भी टीम न तो बाहर हुई है और न ही सुपर आठ में पहुंची है।

ग्रुप ए से भारतीय टीम अपने पहले 3 मैच जीतने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची है। वहीं इस ग्रुप में दूसरे नंबर पर अमेरिका की टीम है, उसने अब तक 4 में से दो मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है उसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। नीदरलैंड ने 3 में से एक मैच जीता है जबकि नामीबिया अपने सभी मैच हारकर बाहर हो गयी है।

ग्रुप बी की बात करें तो श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। इटली की टीम 2 में से एक मैच जीती है, जो चौथे पायदान पर है और नेपाल अपने पहले तीन मैच हारने के बाद बाहर हो गई है।ग्रुप डी में दक्षिया अफ्रीका की टीम 3 मैच जीतकर 6 अंकों के साथ नंबर एक पर है। दो और टीमें उसके करीब हैं पर नेट रन रेट के आधार पर दक्षिण अफ्रीका का सुपर 8 में पहुंचना तय है।

कैनबरा होटल मामला : पीएसबी ने दिए भुगतान के सबूत, पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में

कराची । पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपए से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है। पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी। FIH प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया। अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया। PSB ने अब PHF को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है। इससे साबित होता है कि क्कस्क्वने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था। क्कास्न्न अपनी ओर से कहता रहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया में कोई तकलीफ नहीं हुई। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि क्कास्न्न अधिकारी आर्थिक मामलों को लेकर विवाद में पड़े हों।

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये। अभिषेक अब तक टी20 विशकवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं। दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हएु भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे।उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं। पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं। अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे। कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी। हालांकि, इसके बाद लगातार बड़ी-बड़ी पारियां खेलकर उन्होंनें अपने को साबित किया पर इस बार 7 मैचों में से चार मैचों में वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं।वहीं सैमसन ने पिछले साल 5 पारियों में एक भी रन नहीं बनाया था। अभिषेक चार पारियों में इस बार शून्य पर आउट हुए हैं।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर-शाहीन की हो सकती है छुट्टी, पाकिस्तान टीम के सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

कराची । भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है। पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है। सूत्र ने कहा, 'PCB अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी।' सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है। कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला। सूत्र ने कहा, 'टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए।'

21 फरवरी को मेसी के बिना ही उतरेगी इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल । इंटर मियामी को 21 फरवरी को होने वाले मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) कप के पहले मैच में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के बिना ही उतरना होगा। मैसी के बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच तक फिट होने की संभावना नहीं है।इंटर मियामी की टीम ने कहा है कि मेसी चोटिल और उपचार के दौर से गुजर रहे है। एमएलएस सत्र में लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मेसी ने पिछले सप्ताह मेंइक्वाडोर में अभ्यास सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल दागा था पर दूसरे हाफ के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस कारण वह मैदान से बाहर आ गये थे। इसी को लेकर इंटर मियामी ने कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। वहीं अगर मेसी नहीं खेलते तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा। मेसी को क्लब कितन अहम मानना है उसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले अक्टूबर में इंटर मियामी ने उनके साथ अनुबंध को तीन साल के लिए बढ़ा दिया था।

'यह कोई बड़ा मैच नहीं है', टी20 विश्वकप में भारत-पाक मुकाबले पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मुकाबले में भारत के अपने कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर 61 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप होने वाले 'बड़े मैच' का आइडिया पुराना हो गया है क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता।

पिछले चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर 8 में भी उनकी जगह पक्की कर दी। ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का लक्ष्य हमेशा पहुंच से बाहर रहे जिससे पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। IANS से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम की तुलना उस महान टीम से नहीं की जा सकती जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

गांगुली ने कहा, 'अब कोई बड़ा मैच नहीं होता, पहले ऐसे मैच हुआ करते थे। हम पाकिस्तान को जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और शाहिद तनवीर की टीम समझने की गलती करते हैं, लेकिन अब वह पाकिस्तान नहीं है।' रविवार की जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। पाकिस्तान सिर्फ एक बार (2021 में) जीत पाया था।

गांगुली ने कहा, 'तो मेरे हिसाब से, यह कोई बड़ा मैच नहीं है। मेरे लिए असली बड़े मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, भारत बनाम साउथ अफ्रीका और भारत बनाम इंग्लैंड हैं। टीमों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए नतीजा कुछ हद तक उम्मीद के मुताबिक है। नतीजे से ज्यादा क्वालिटी में अंतर दिखता है।'

भारत ने एक मैच बाकी रहते सुपर 8 में क्वालिफाई कर लिया है। पाकिस्तान को अब इवेंट के सुपर 8 फेज के लिए अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नामीबिया को हराना होगा। भारत अपने लीग स्टेज कैंपेन का अंत 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के साथ करेगा।

अधिक वजन की महिलाओं को फायब्रॉइड का खतरा

अधिक वजन वाली महिलाओं को फायब्रॉइड (गांठ) का खतरा बना रहता है। शुरुआत में रोग के लक्षण नहीं दिखते। मुख्य रूप से लक्षण फायब्रॉइड के आकार, संख्या या वह गर्भाशय की किस दीवार पर है इसपर निर्भर करता है। गर्भाशय की मांसपेशियों में वृद्धि होकर गांठ का रूप ले लेना यूट्रस फायब्रॉइड की समस्या है। ज्यादातर मामलों में ये गांठें कैंसर की नहीं होती हैं पर कुछ मामलों में ये कैंसर में बदल सकती हैं। सोनोग्राफी से गांठ के आकार व जगह का पता चलता हैं।

जगह के अनुसार माहवारी अधिक या इस दौरान रक्त के ज्यादा थक्के निकलना जैसे समस्या होती है। खून की कमी से थकान व कमजोरी रहती है। यूरिन संबंधी परेशानी भी हो सकती है।

हार्मोन्स में गड़बड़ी फायब्रॉइड की मुख्य वजह है। विशेषकर अधिक वजन, अधिक उम्र, गर्भनिरोधक दवाएं लेने व गर्भवती महिलाओं में एस्ट्रोजन हार्मोन ज्यादा स्त्रावित होने से फायब्रॉइड बनने लगाता है। गंभीर स्थिति में किडनी में सूजन आ जाती है।

40 से अधिक उम्र की जो महिलाएं बच्चा चाहती हैं उनमें इस गांठ को निकाल देते हैं। वहीं, अधिक उम्र में यूट्रस को पूरी तरह से बाहर निकालना एक विकल्प है। आयुर्वेद में लक्षणों के साथ गांठ के आकार को बढने़ से रोकने पर इलाज होता है। इसके लिए रोगी को जौ का दलिया, सत्तू व रोटी, शाली चावल घी संग खीर बनाकर, गुलाब की पंखुडिया़ं या धागामिश्री खाने को देते हैं। शोधन चिकित्सा में वमन, विरेचन कराते हैं। इमरजेंसी में जब महिला को सामान्य से अधिक ब्लीडिंग हो तो हेमामिलिस, कार्बोनेज दवा अन्य लक्षण, रोगी की स्थिति व गांठ की जगह देखकर देते हैं।

गर्भधारण के अलावा जिनकी फैलोपियन ट्यूब के नजदीक, ग्रीवा के मुंह पर यदि फायब्रॉइड हैं तो इंफर्टिलिटी का खतरा रहता है। गर्भावस्था के साथ यदि फायब्रॉइड हों तो गर्भपात होने की आशंका रहती है। गर्भावस्था के दौरान ये फायब्रॉइड शिशु की सामान्य पोजिशन को भी बदल देती हैं। लंबे समय तक नजरअंदाज करने पर तेज दर्द हो सकता है और महिला कोमा में जा सकती है।

घरेलू उपायों से हमारी सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं

खूबसूरती बढ़ाने के लिए महिलाएं आजकल तरह तरह के उपाय करती हैं और महंगे सौंदर्य प्रसाधनों का इस्तेमाल करती हैं पर क्या आप जानती हैं खूबसूरती का खजाना आपके रसोईघर में ही उपलब्ध है। आपके घर में ऐसे कई खाद्य पदार्थ मौजूद होते हैं, जो हमारी सुंदरता बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

प्रतिदिन चेहरे पर रुई के फाहे से कच्चा दूध लगाने पर चेहरे पर मौजूद ध्ब्बे हल्के हो जाते हैं। बाद में चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से साफ कर लें।आलू का रस निकालकर त्वचा पर लगाने से दाग-धब्बों से राहत मिलती है। आलू में मौजूद पोटैशियम सल्फर, फास्फोरस और कैल्शियम त्वचा की सफाई में मदद करता है।

कच्चे आलू को काटकर आंखों के नीचे प्रतिदिन थोड़ी देर मलने से आंखों के नीचे का

कालापन दूर होता है और त्वचा की रंगत भी निखरती है।शोधों से पता चला है कि आलू का रस बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें पर्याप्त मात्रा में स्टार्च पाया जाता है, जिससे बालों में मौजूद अतिरिक्त तेल साफ हो जाता है। यही नहीं कच्चे आलू के रस से बालों को धोने पर बाल मजबूत होते हैं।

संतरा : चेहरे पर प्रतिदिन संतरे का ताजा रस लगाने से निखार आता है।

संतरे के छिलकों को थोड़े से पानी के साथ अच्छी तरह पीसकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से मुहांसों की समस्या दूर होती है। अगर आपकी त्वचा रूखी है तो संतरा एक बेहतरीन मॉइश्चराइजर का काम करता है। एक चम्मच संतरे के रस में आधा चम्मच शहद और एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे पर लगाकर करीब 15 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ करें।

एक सेब लेकर उसे अच्छी तरह मसल लें। इसे चेहरे पर फेसपैक की तरह लगाएं। इससे त्वचा में निखार आता है। साथ ही कसावट भी आती है। सेब की एक स्लाइस काटकर इसे दांतों पर मलने से दांतों में चमक आती है। चेहरे पर ताजा अनानास का रस लगाने से त्वचा में निखार आता है। बेहतर परिणाम के लिए इसे दिन में कई बार लगाएं।

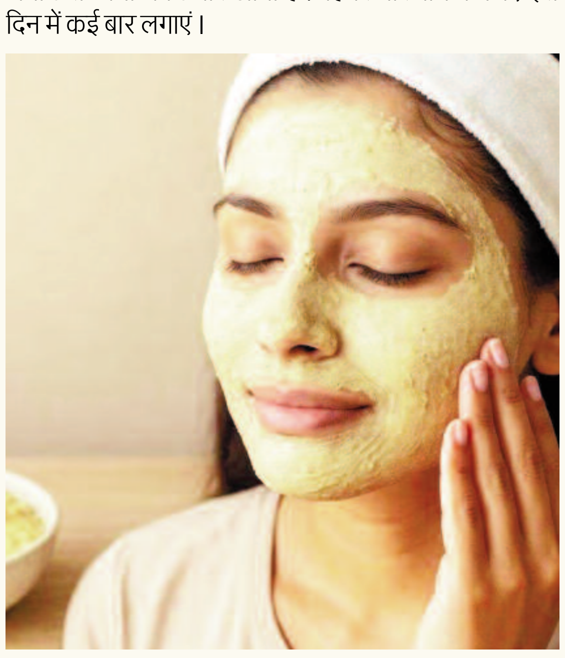

काफी कारगर हो सकता है दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा

काफी कारगर हो सकता है दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा में अधिकतर महिलाएं जोड़ों के दर्द से परेशान रहती हैं। इससे उन्हें उठने-बैठने के अलावा करवट लेने में भी तकलीफ होती है। कई बार तो तापमान कम होने के साथ ही यह जोड़ों का दर्द असहनीय भी जाता है ऐसे में कुछ घरेलु उपाय अपनाकर आप जोड़ों के दर्द से राहत पा सकती है।

जोड़ों के दर्द से छुटकारा पाने के लिए व्यायाम तो एक कारगर तरीका है ही दर्द को दूर करने के लिए घरेलु नुस्खा भी काफी कारगर हो सकता है। इसमें किसी प्रकार का खर्च भी नहीं लगता।

नींबू के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द से निजात पाई जा सकती है। नींबू के छिलके को घुटने पर लगाने से दर्द में काफी आराम मिलता है। नींबू में भरपूर मात्रा में पोषक तत्व पाए जाते हैं। नींबू में मैग्नीशियम, पोटैशियम, कैल्शियम विटामिन ए, सी, बी1 और बी6 पाया जाता है। ये सभी पोषक तत्व ही दर्द से आराम दिलाते हैं।

जोड़ों के दर्द को दूर करने के लिए सबसे पहले 2 नीबूं के छिलके और तकरीबन 100एमएल ऑलिव ऑयल लेना होगा। इसके बाद नींबू को किसी जॉर में डालें और फिर इसमें ऑलिव ऑयल डालिए। ऐसा करने के बाद करीब दो हफ्तों तक जॉर को बंद करके रख दें। 2 हफ्तों के बाद इस मिश्रण को रेशमी कपड़े में लेकर रात को दर्द की जगह लगाकर उसे बैंडेज से ढंककर छोड़ दें। ऐसा करने से धीरे-धीरे पुराने से पुराना दर्द भी दूर हो जाएगा।

गर्भावस्था में बढ़े वजन को इस प्रकार करें कम

गर्भावस्था के बाद महिलाओं में वजन बढ़ बढ़ना एक आम समस्या है जिसे ठीक करने व्यायाम के साथ ही खानपान का भी ध्यान रखना होगा। इसके अलावा हमारी रसोई में इस्तेमाल होने वाले मसाले भी उपयोगी रहते हैं। खासकर जीरे वाला पानी विशेष रुप से लाभदायक रहेगा।

जीरे वाला पानी शरीर के कॉलेस्ट्रॉल और बीपी को ठीक करता है। इससे दिल की बीमारी का खतरा भी कम होता है।

शरीर में ग्लूकोज का स्तर ठीक रहता है, डायबिटीज का खतरा भी कम होता है।

डिलीवरी के बाद जीरे वाला पानी वजन घटाने में मददगार साबित होता है।

यह भी माना जाता है कि गर्भावस्था के बाद जीरा पानी पीने से दूध न बनने की समस्या भी ठीक होती है। इस पानी से दूध बनने लगता है।

जीरा पानी से रक्त संचार ठीक होता है। शरीर में समान रूप से रक्त का संचार होता है, जिससे मांसपेशियों के विकास में भी मदद मिलती है। मांसपेशियों में लगी चोट भी इससे ठीक होती है।

जीरा पानी पीने से मेटाबोलिज्म ठीक होता है। इसकी वजह से वजन नहीं बढ़ता।

यह खून की कमी अनीमिया से भी बचाता है।

बुखार कम करने में भी जीरे का पानी सहायक है। इसे पीने से छोटा-मोटा बुखार तो ऐसे ही उतर जाता है।

जीरा पानी पीने से नींद अच्छी आती है। इसलिए अगर आपको नींद न आने की समस्या है तो रोजाना जीरे वाला पानी पीने की आदत डालें।

ठंड में इन 5 बीमारियों से रहें सावधान

नहीं तो लापरवाही पड़ सकती है भारी

फरवरी का महीना शुरू हो चुका है, लेकिन उत्तर भारत में सर्दी का असर अभी भी बना हुआ है। पहाड़ी इलाकों में हो रही लगातार बर्फबारी के चलते मैदानी राज्यों में तापमान में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। कई इलाकों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे ठंड और ज्यादा बढ़ गई है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि अगले कुछ दिनों तक उत्तर भारत के कई राज्यों में कड़ाके की ठंड पड़ सकती है। इस बदलते मौसम को लेकर डॉक्टरों ने चेतावनी जारी की है। विशेषज्ञों का कहना है कि अचानक बढ़ती ठंड कुछ खास बीमारियों से जूझ रहे लोगों के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत को बिगाड़ सकती है।

दिल के मरीजों पर सबसे ज्यादा खतरा

डॉक्टरों के मुताबिक, सर्दी का सबसे ज्यादा असर दिल के मरीजों पर पड़ता है।

ठंड में ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है और हार्ट अटैक का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है।

सुबह-सुबह ठंडी हवा में टहलने से बचें

नियमित दवाइयों में कोई लापरवाही न करें

शरीर को पूरी तरह गर्म रखें

सीने में दर्द, सांस फूलना या अत्यधिक थकान महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

अस्थमा और सांस की बीमारी वालों को सतर्क रहने की जरूरत

ठंड बढ़ने के साथ अस्थमा और सांस से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की परेशानी

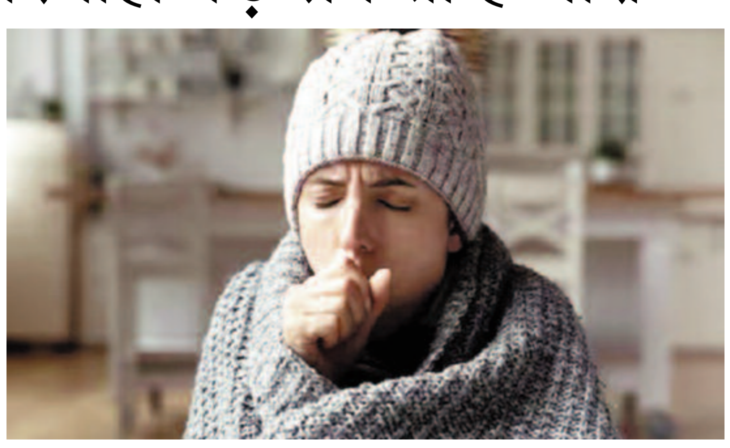

बढ़ जाती है।

ठंडी हवा के कारण सांस लेने में दिक्कत, खांसी और घरघराहट जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं।

बाहर निकलते समय मास्क पहनें

ठंडी चीजों के सेवन से बचें

डॉक्टर द्वारा दी गई दवाएं और इनहेलर नियमित रूप से लें

रात के समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।

डायबिटीज मरीजों का बिगड़ सकता है शुगर लेवल

सर्दी के मौसम में शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं, जिसका सीधा असर ब्लड शुगर लेवल पर पड़ता है।

इसके अलावा हाथ-पैरों में सुन्नता और घावों के देर से भरने की समस्या भी बढ़ सकती है।

नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करें

संतुलित और पौष्टिक आहार लें

रोजाना हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें।

जोड़ों के दर्द और आर्थराइटिस के मरीजों को परेशानी

ठंड के कारण जोड़ों में जकड़न और दर्द की समस्या आम हो जाती है।

खासकर बुजुर्गों और आर्थराइटिस के मरीजों को अधिक दिक्कत होती है।

गर्म कपड़े पहनें

हल्की स्ट्रेचिंग और योग को दिनचर्या में शामिल करें

लंबे समय तक ठंडी जगह पर बैठने से बचें।

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए खतरे की घंटी

डॉक्टरों के अनुसार, सर्दी में शरीर का तापमान बनाए रखने के लिए ब्लड फ्लो में बदलाव होता है।

जिससे बीपी अचानक बढ़ सकता है।

ज्यादा ठंड में बाहर निकलने से बचें

नमक का सेवन सीमित रखें

तनाव से दूरी बनाएं

नियमित रूप से ब्लड प्रेशर चेक करते रहें।

डॉक्टरों का कहना है कि सर्दी के मौसम में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। सही दिनचर्या, समय पर दवाइयां और मौसम के अनुसार सावधानी बरतकर इन बीमारियों से होने वाले खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

हमारी त्वचा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण यानि (स्मॉग) सिर्फ सेहत को ही नहीं बल्कि त्वचा को भी काफी बुरी तरह से नुकसान पहुंचा रहा है। ऐसे में त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण हमारी त्वचा का सबसे बड़ा दुश्मन होता है।

दरअसल, हवा में मौजूद धूल हमारी त्वचा की कोशिकाओं मे ऑक्सीजन के स्तर को कम कर देता है। त्वचा में ऑक्सीजन की कमी के कारण समय से पहले ही झुर्रियां पड़ जाती हैं। साथ ही यह धूल में मौजूद फ्री रेडिकल्स त्वचा को पूरी तरह से नष्ट करने के साथ ही कोलेजन को बनने से रोकता है।

प्रदूषण से सिर्फ झुर्रियां ही नहीं बल्कि त्वचा रुखी भी पड़ जाती है। त्वचा पर एलर्जी की वजह से जगह-जगह लाल धब्बे पड़ जाते हैं और कील मुहांसे भी काफी ज्यादा निकलने लगते हैं पर कुछ सावधानी रखकर आप अपनी त्वचा को को खराब होने से बचा सकती हैं।

प्रतिदिन हर 4 घंटे बाद अपने स्किन पर क्लींजर और टोनर लगाएं।

यूवी रेज से अपनी स्किन को बचाने और तरोताजा रखने के लिए रोजाना सन स्क्रिन जरूर लगाएं।

जीवाणुओं से होने वाले संक्रमण से बचने के लिए अपने हाथों पर हमेशा सेनिटाइजर लगाएं।

अपने चेहरे को बार बार हाथ न लगायें क्योंकि ऐसा करने से आपके हाथों के जीवाणु आपके चेहरे की त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

हवा में मौजूद धूल आपकी त्वचा के रोम छिद्र को बंद कर देती है, जिससे त्वचा सांस नहीं ले पाती। इससे आपकी त्वचा में ब्लैक हेड्स और कील मुहांसे निकल आते हैं। इसलिए सप्ताह में 2 बार स्क्रब का इस्तेमाल जरूर करें, खासकर जिनकी तैलीय त्वचा है।

दिन में तकरीबन 4 लीटर तक पानी पिएं। घर से बाहर निकलते वक्त भी पानी पिएं। इससे शरीर में ऑक्सीजन की सप्लाई सही बनी रहेगी और वातावरण में मौजूद जहरीली गैसें अगर ब्लड तक पहुंच भी जाएंगी तो कम नुकसान पहुंचाएंगी।

ऐसे जहरीले स्मॉग में बाहर जाना सबकी मजबूरी होती है लेकिन बाहर से आने के बाद अपने चेहरे को हल्के गुनगुने पानी से जरूर धोएं।

नहाने के बाद हल्के हाथों से तौलिए का इस्तेमाल करें। संभव हो तो नहाने के तुरंत बाद नारियल के तेल से या किसी ऑयली बॉडी लोशन से पूरे शरीर पर मसाज करें।

वीर पहाड़िया से ब्रेकअप की अफवाहों के बीच दिमागी सुकून पर बोलीं सुतारिया

तारा सुतारिया इन दिनों वीर पहाड़िया के साथ कथित तौर पर ब्रेकअप को लेकर सुर्खियों में हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि वीर पहाड़िया से उनका ब्रेकअप हो गया है। इस बीच उन्होंने बताया है कि वह अपने दिमागी सुकून पर ध्यान दे रही हैं। आइए जानते हैं उन्होंने और क्या कहा है।

क्या है जिंदगी का मकसद?

बातचीत में तारा सुतारिया ने कहा 'मैंने हमेशा से इस बात पर यकीन किया है कि असली कामयाबी दिमागी सुकून में है। मेरी जिंदगी का यह मकसद रहा है कि आपके पास जो मुट्ठी भर लोग हैं, वह आपको प्यार करें और आपको जानें।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे करियर आगे बढ़ा है, शांत रहना और भी जरूरी हो गया है।

शांति की रक्षा करना सीखा

तारा सुतारिया ने बताया कि उन्हें यह समझने में समय लगा कि उन्हें अच्छा महसूस करने के लिए क्या चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैंने अपनी शांति की रक्षा करना सीख लिया है। सिर्फ हम जानते हैं कि अपने नर्वस सिस्टम को कैसे शांत करना है।'

वायरल वीडियो के बाद फैली अफवाह

हाल ही में खबरें आईं कि तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का ब्रेकअप हो गया है। हालांकि दोनों ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एपी ढिल्लों के मुंबई कॉन्सर्ट के वायरल वीडियो के बाद उनके ब्रेकअप की अफवाहें फैलीं। इस वीडियो की सुतारिया ने आलोचना की और इसे पेड पीआर बताया। वहीं पहाड़िया ने कहा कि जो क्लिप सर्कुलेट हो रही थी, उसे एडिट किया गया था।

पैपराजी पर भड़कीं आयशा खान, एआई के गलत इस्तेमाल को भी बताया खतरनाक

आजकल एआई से किसी फोटो या वीडियो को एडिट करना कोई बड़ी बात नहीं है। एडिट होने के बाद भी आप असली और एडिट किए हुए फोटो में फर्क नहीं बता सकते। इसी को लेकर एक्ट्रेस आयशा खान ने खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे उनके फोटो और वीडियो एआई से एडिट करके वायरल किए जाते हैं। जो देखने में बिलकुल असली लगते हैं।

से किसी की इमेज बदलना बहुत डिस्टर्बिंग

आयशा खान ने कहा कि उन्हें खुद कई ऐसे बदले हुए फोटो सोशल मीडिया पर मिले हैं, जो देखने में बहुत असली लगते हैं। इन तस्वीरों को देखकर उन्हें काफी दुख होता है और डिस्टर्बिंग लगता है। पिंकविला के साथ इंटरव्यू में आयशा ने कहा, 'एआई वाली चीज बहुत डरावनी हो गई है। इंटरनेट पर महिलाओं को सेक्सुअलाइज करने के लिए ऐप बनाना बहुत ही खतरनाक है। मेरे और विजय सर की एक तस्वीर को एआई वीडियो में बदल दिया गया, जैसे हम गले मिल रहे हों। जिसके बाद मुझे बताना पड़ा कि ऐसा कभी हुआ ही नहीं। ज्यादातर लोग यह समझ ही नहीं पाते हैं कि यह सब एआई से किया गया है।'

पैपराजी के वीडियो पर क्या बोलीं आयशा?

पैपराजी के वीडियो और वायरल क्लिप्स के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'लोग सहमति को नहीं समझते। बिना पूछे आप किसी का वीडियो या फोटो नहीं ले सकते। आप जानते हैं कि यह गलत है, फिर भी किसी का 'oops' मूमेंट कैप्चर करके उसे पोस्ट कर देते हैं। हालांकि कई फोटोग्राफ्रर उनकी सीमाओं का सम्मान करते हैं। जब वह किसी फोटो को पोस्ट ना करने को कहती हैं, तो वे मान जाते हैं और उसे सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं करते हैं।'

आयशा का शरारत गाना हुआ खूब वायरल

आयशा खान हाल ही में धुरंधर के 'शरारत' गाने में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ क्रिस्टल डिसूजा ने भी परफॉर्म किया था। यह गाना सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ।

डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी रश्मिका मंदाना

अल्लू अर्जुन और एटली एक फिल्म पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म के टाइटल का अभी एलान नहीं किया गया है। इसके बावजूद फिल्म ने काफी चर्चा बटोर ली है। फैंस इस बात को लेकर उत्साहित हैं कि इस प्रोजेक्ट में पहली बार एक पावरफुल स्टार और एक ब्लॉकबस्टर डायरेक्टर साथ काम कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि यह फिल्म आने वाले वक्त में सबसे बड़ी फिल्मों में से एक होगी।

लेट्स ओटीटी के मुताबिक इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि इसमें रश्मिका मंदाना नजर आएंगी। बताया जाता है कि रश्मिका मंदाना एक डार्क और चैलेंजिंग रोल में नेगेटिव शेड के साथ नजर आएंगी। फिल्म में रश्मिका का किरदार उन खुशमिजाज किरदारों से बहुत अलग है, जो वह आमतौर पर स्क्रीन पर निभाती हैं। यह भी कहा जा रहा है कि अल्लू अर्जुन ने पर्सनली इस रोल के लिए उनका नाम सजेस्ट किया था। फैंस को लगता है कि यह किरदार रश्मिका का बिल्कुल नया साइड सामने लाएगा।

फिल्म में दीपिका पादुकोण लीड फीमेल रोल में हैं। दो मजबूत एक्ट्रेस के अहम रोल निभाने से फिल्म को लेकर उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। कई फैंस यह देखने के लिए बेताब हैं कि फिल्म में उनके किरदार कैसे होंगे। खबर है कि रश्मिका ने इस हफ्ते अपने हिस्से की शूटिंग शुरू कर दी है। वह फरवरी भर काम करती रहेंगी। इस महीने के आखिर में वह अपनी शादी के लिए छोटा ब्रेक ले सकती हैं। फिल्म का प्रोडक्शन आसानी से चल रहा है। करीब 25 से 30 प्रतिशत शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है।

'स्पिरिट' से बाहर होने की अफवाह के बीच प्रकाश राज ने किया नई फिल्म का एलान

बीते दिनों प्रकाश राज को लेकर ऐसी अफवाहें चलीं कि वे संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर हो गए हैं। हालांकि, प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कल सोमवार को इन अफवाहों को खारिज कर दिया। आज मंगलवार को उन्होंने एक दिलचस्प अपडेट शेयर किया है। वे अब फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। प्रकाश राज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसके साथ लिखा है कि वे फिल्म 'दृश्यम 3' का हिस्सा बन गए हैं। आगे लिखा है, 'दिलचस्प फ्रेंचाइजी 'दृश्यम 3' हिंदी में शूटिंग शुरू कर दी है। एक शानदार टीम और एक शानदार रोल के साथ। मुझे यकीन है कि आपको यह पसंद आएगा। और हां, मैं किसी को रिप्लेस नहीं कर रहा हूं।

बता दें कि ऐसी खबरें सामने आई थीं कि दीपिका पादुकोण के बाद प्रकाश राज भी 'स्पिरिट' से हट गए हैं। संदीप रेड्डी वांगा के साथ रचनात्मक मतभेदों के चलते उन्होंने ऐसा किया। फिल्म 'स्पिरिट' से अपने बाहर होने की अफवाहों को बढ़ता देख प्रकाश राज ने सोशल मीडिया पोस्ट शेयर कर इस पर प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से लोगों से अफवाहें न फैलाने की बात कही। एक्टर ने लिखा, 'सभी टॉक्सिक फर्जी खबरें फैलाने वालों को 'स्पिरिट' फिल्म के बारे में बताना चाहता हूं। हमने अभी तक मेरे सीन्स की शूटिंग शुरू भी नहीं की है और व्हाट्सएप फैक्ट्रियां कहानियां बना रही हैं। थोड़ी समझदारी दिखाओ। अपनी जिंदगी जियो'।

शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को किया खारिज

अभिनेत्री शमिता शेट्टी ने बीते दिनों अपना जन्मदिन मनाया। उनके बर्थडे सेलिब्रेशन की फोटोज में उनके एक दोस्त की झलक दिखी। इसके बाद उनकी डेटिंग को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। बाद में शमिता ने डेटिंग संबंधी अफवाहों को खुद खारिज किया। शमिता शेट्टी ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है।

बता दें कि बीते दिनों अभिनेत्री शमिता की डेटिंग लाइफ को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया। दरअसल, उन्होंने 02 फरवरी को अपना जन्मदिन मनाया। इस जश्न में उनके साथ बहन शिल्पा शेट्टी और जीजू राज कुंद्रा भी मौजूद रहे। सोशल मीडिया पर सामने आई शमिता के जन्मदिन के सेलिब्रेशन की तस्वीरों में एक शख्स ऐसा भी नजर आया, जिसके साथ शमिता का नाम जोड़ा गया।

शख्स टेक्नो आर्टिस्ट-बिजनेसमैन दीपेश शर्मा थे। हलांकि, डेटिंग को लेकर शुरू हुई अफवाहों को शमिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए खारिज कर दिया।

दीपेश शर्मा के साथ अफेयर की अफवाहों पर शमिता ने इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर कर लिखा था, 'सिंगल और शांत। सच्ची दोस्ती को गलत तरीके से समझने वाले रूढ़िवादी बनना बंद करो। ये सरासर बकवास है'। बता दें कि शमिता ने साल 2000 में फिल्म 'मोहब्बतें' से डेब्यू किया था।

बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान
बताया क्यों छोड़ी राजनीति

गोविंदा बीते दिनों से चर्चाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्सट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।' अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

करण जौहर पर कसा तंज

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।' बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं। गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म 'सेकंड हैंड हसबैंड' से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।

सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की मुहिम का दिखा असर... पुलिस ने एफआईआर दर्ज की

मानसा(एजेंसी)। दिवंगत पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता की इंसाफ की मांग को लेकर शुरू की गई मुहिम अब रंग लाती दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आकर मामले में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें कि सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह और मां चरण कौर काफी समय से आरोप लगा रहे हैं कि कुछ लोग सिद्धू के काम और कमाई में हेरफेर कर रहे हैं। परिवार ने मूसेवाला के करीबी म्यूजिक प्रमोटर बंटी बैंस और वन डिजिटल एंटरटेनमेंट कंपनी के मालिक शब्बीर मोमिन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। परिवार का कहना है कि वे बीते 6 महीने से लगातार पुलिस के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही थी। आखिर में उन्हें मजबूर होकर मानसा के एसएसपी ऑफिस के बाहर धरने पर बैठना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है, लेकिन अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं बताया गया है कि इसमें कौन सी धाराएं लगाई गई हैं और किन लोगों के नाम हैं।

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के दौरे पर निकली चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा शुरू करेगा है। पहली विजिट असम में होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की यहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा। इसमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्य और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि बीते साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। यह देखकर इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है। बात दें कि जब भी किसी राज्य में चुनाव होते हैं। इसके पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून-व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियों का जायजा लेती है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ बैठक करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई हैं। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड के प्रसिद्ध निर्देशक रोहित शेट्टी के घर फायरिंग मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें फायरिंग करने वाला मुख्य शूटर राजस्थान से पकड़ा गया। अन्य आरोपी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों से हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस के अनुसार, फायरिंग की जिम्मेदारी कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शुभम लोनकर ने ली थी। उसने फायरिंग की बात स्वीकार की और रोहित शेट्टी को जान से मारने की धमकी भी दी। जांच में सामने आया कि आरोपियों को मुंबई पहुंचने के बाद भी पैसे भेजे गए थे। प्रारंभिक जांच में 40 हजार रुपये देने की बात सामने आई थी, लेकिन पूछताछ में पता चला कि कुल 51 हजार रुपये दिए गए थे, जिसमें वारदात में इस्तेमाल की स्कूटी की खरीद भी शामिल थी। मुंबई क्राइम ब्रांच ने मामले की गहनता से जांच करने के लिए घटना स्थल पर सीन रिक्रिएट किया और स्कूटी के आने-जाने के रास्तों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि पैसे अलग-अलग किस्तों में भेजे गए ताकि पुलिस को शक न हो। जांच के दौरान, पुलिस ने रोहित शेट्टी के साथ-साथ अभिनेता रणवीर सिंह के मैनेजर का भी बयान दर्ज किया। पुलिस का मानना है कि यह घटना केवल डराने के उद्देश्य से नहीं की गई थी। मैनेजर को भेजे गए धमकी भरे वॉयस कॉल में रोहित शेट्टी का नाम भी लिया गया था और चेतावनी दी गई थी कि 'यह सिर्फ ट्रेलर है, पूरी फिल्म अभी बाकी है। यह ऑडियो कथित रूप से बिश्नोई गैंग के सदस्य हैरी बॉक्सर का बताया जा रहा है।

क्या दूषित पानी बना काल? पलवल में 15 दिन में 5 बच्चों समेत 12 की मौत

पलवल(एजेंसी)। हरियाणा के पलवल जिले के चायंसा में 15 दिनों में पांच बच्चों समेत कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिसके चलते दूषित पेयजल और संक्रामक रोगों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि जनवरी के आखिर और फरवरी के बीच तक हुई मौतें गंभीर यकृत संबंधी जटिलताओं से जुड़ी थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच में वायरल हेपेटाइटिस और पानी के संभावित संदूषण की ओर इशारा मिला है। 31 जनवरी को चायंसा गांव में पीलिया से संबंधित मौतों की पहली रिपोर्ट दर्ज की गई, जिसकी आबादी 5,700 लोग और 865 परिवार हैं। एक दिन बाद ही त्वरित प्रतिक्रिया दल को तैनात किया गया। इसके बाद चिकित्सा शिविर, घर-घर सर्वेक्षण और ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। सात मौतें 27 जनवरी से 11 फरवरी के बीच हुईं। इनमें से चार मौतें तीव्र हेपेटाइटिस या लिवर फेलियर के कारण हुईं। मृतकों की आयु 9 से 65 वर्ष के बीच थी। बाद में रिपोर्ट की गई अन्य मौतों की समीक्षा की जा रही थी। ज्यादातर रोगियों ने अपनी स्थिति बिगड़ने से पहले बुखार, पेट दर्द, उल्टी और पीलिया की शिकायत की थी। बता दें मध्य प्रदेश के इंदौर में पिछले महीने जहरीले पानी से हुई मौत के कुछ हफ्तों बाद इन मौतों की खबरें सामने आई हैं, जिससे पूरे देश में दूषित पेयजल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। पलवल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि व्यापक स्तर पर स्क्रीनिंग और जांच चल रही है। उन्होंने कहा अब तक मृतक के करीबी संपर्कों समेत करीब 1,500 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। करीब 800 बाह्य रोगी परामर्श किए गए हैं और हेपेटाइटिस ए, बी, सी और ई के लिए रक्त के नमूनों की जांच की गई है। 210 लोगों के रक्त विश्लेषण में हेपेटाइटिस बी के दो और हेपेटाइटिस सी के नौ मामले सामने आए। हेपेटाइटिस ए और ई के सभी नमूनों की जांच नेगेटिव आई। तीन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। अब तक एकत्र 107 घरेलू जल नमूनों में से 23 गुणवत्ता जांच में विफल रहे, जो जीवाणु संदूषण और अपर्याप्त क्लोरीनीकरण का संकेत देते हैं।

गोरखपुर पहुंचे भागवत ने कहा, समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से

गोरखपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने गोरखपुर दौरे के दौरान सामाजिक सद्भाव सम्मेलन को संबोधित किया। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने तारामंडल स्थित बाबा गंभीरनाथ सभागार में प्रमुख नागरिकों और स्वयंसेवकों को संबोधित किया। सम्मेलन से पहले भागवत ने दीप प्रज्वलित कर संघ की 100 वर्षीय यात्रा और 'पंच परिवर्तन' विषय पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की।

भागवत ने कहा कि समाज की पहचान परस्पर जुड़ाव से होती है, न कि स्वार्थ से। उन्होंने कहा कि कुछ देशों में रिश्तों को लेन-देन के रूप में देखा जाता है, जबकि भारत में मानवीय संबंध अपनेपन और आत्मीयता की भावना पर आधारित हैं। भारत को सद्भाव और सामाजिक समरसता का वैश्विक केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि देश की सभ्यतागत सोच एकता और आपसी जुड़ाव में निहित है। भारत की विविधता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रीति-रिवाजों, पहनावे और परंपराओं में भिन्नता विभाजन का कारण नहीं बनती, क्योंकि हमारी सांस्कृतिक एकता हमें एक सूत्र में बांधती है। हम भारत को माता मानते हैं और एक ही दिव्य चेतना हम सभी में विद्यमान है, जो भिन्न पहचानों के बावजूद हमें एकजुट रखती है।

उन्होंने कहा कि समाज को केवल कानून व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव भी स्थिर बनाए रखता है। संघ के 100 वर्ष पूरे होने को उन्होंने उत्सव नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण का अवसर बताया। सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने वर्ष में दो-तीन बार ब्लॉक स्तर की बैठकों के आयोजन का आह्वान किया तथा समुदायों से जातिगत सीमाओं से ऊपर उठकर व्यापक हिंदू समाज के हित में कार्य करने की अपील की।

कश्मीर से हरियाणा तक फैला 'अंसार अंतरिम' नेटवर्क... डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में लाल किला ब्लास्ट मामले में साजिश की परतें खुल रही हैं। जांच एजेंसियां लगातार इसमें नए-नए खुलासे कर रही है। बताया जा रहा है कि वे पारंपरिक आतंकी ढांचे से अलग एक कथित 'व्हाइट-कॉलर टेरर' नेटवर्क की तरह काम कर रहे हैं। एनआईए ने बताया कि यह मॉड्यूल 'अंसार इंटरिम' नाम से संचालित हो रहा था। इस मॉड्यूल में पढ़े-लिखे और पेशेवर पृष्ठभूमि वाले लोगों की संलिप्तता सामने आई है। जांच एजेंसियों (एनआईए) के रडार पर इस पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड 28 वर्षीय डॉक्टर उमर-उन-नबी है। वह कोई मामूली अपराधी नहीं, बल्कि एक पढ़ा-लिखा डॉक्टर है। सूत्रों के अनुसार, उमर 2016 से ही कट्टरपंथी विचारधारा की ओर झुका था। साल 2022 में श्रीनगर में हुई एक गुप्त बैठक के दौरान नबी ने 'अंसार इंटरिम' नामक संगठन की नींव रखी। इस समूह का मकसद पारंपरिक आतंकवाद से अलग, पढ़े-लिखे लोगों का एक ऐसा जाल बुनना था जो सिस्टम की नजरों से बचकर काम कर सके। इस जांच में सबसे चौंकाने वाला मोड़ हरियाणा कनेक्शन है। पता चला है कि इस नेटवर्क ने घातक टीएटीपी जैसे विस्फोटक हरियाणा के गुप्त ठिकानों पर तैयार किए थे। इनका प्लान बेहद खौफनाक था कि एक वाहन-जनित आईईडी के जरिए दिल्ली के भीड़भाड़ वाले इलाके को राख में तब्दील करना। बात दें कि मामले में एनआईए ने अब तक कई ऐसी गिरफ्तारियां की हैं जिन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के कान खड़े कर दिए हैं। पकड़े गए लोगों में नामी डॉक्टर और धार्मिक नेता शामिल हैं। यह इसका प्रमाण है कि कट्टरपंथ अब सिर्फ सरहदों या जंगलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्पतालों और शिक्षण संस्थानों तक पहुंच चुका है।

ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा 9 मार्च को, सरकार बहुमत को लेकर आश्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 9 मार्च को लोकसभा में चर्चा और मतदान हो सकता है। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा, कि बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन इस प्रस्ताव पर बहस कराई जाएगी और उसके बाद वोटिंग होगी।

संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने रविवार को कहा, कि सरकार इस मुद्दे को शीघ्र निपटाना चाहती है ताकि स्पीकर सदन की कार्यवाही सामान्य रूप से संचालित कर सकें और सरकार अपने विधायी एजेंडे पर आगे बढ़ सके। उन्होंने भरोसा जताया कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को सदन में पर्याप्त समर्थन प्राप्त है। 542 सदस्यीय लोकसभा में एनडीए के पास 293 सांसदों का समर्थन है और कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में सरकार को विश्वास है कि प्रस्ताव पारित नहीं हो पाएगा।

सूत्रों के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन इस राजनीतिक विवाद को लंबा खींचने के पक्ष में नहीं है। माना जा रहा है कि सरकार स्पीकर के प्रति अपना समर्थन स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना चाहती है। हाल ही में सरकार ने बिरला को बांग्लादेश में शपथ ग्रहण समारोह में प्रतिनिधित्व के लिए भेजने का निर्णय लिया, जिसे राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

उधर विपक्ष इस मुद्दे पर एकजुटता बनाने की कोशिश में जुटा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी (आप) जैसे दलों के रुख पर नजर है। कांग्रेस ने कथित तौर पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के प्रस्ताव का मुद्दा भी उठाया है, जबकि टीएमसी पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ मुखर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 9 मार्च की बहस सिर्फ संसदीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सरकार और विपक्ष के बीच शक्ति परीक्षण भी होगी। यदि प्रस्ताव गिरता है तो सरकार इसे अपनी मजबूती के संकेत के रूप में पेश करेगी, जबकि विपक्ष इसे निष्पक्षता और संसदीय परंपराओं के मुद्दे से जोड़कर राजनीतिक संदेश देने की कोशिश करेगा।

अपनी ही पार्टी के नेताओं से नाराज हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर अब अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ नाराजगी जता रहे हैं। उन्होंने इस दौरान तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा और जयराम रमेश का नाम लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने दावा कर दिया कि कांग्रेस केरल विधानसभा चुनाव नहीं जीत पाएगी। खास बात है कि कांग्रेस नेता अय्यर ने हाल ही में कहा था कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। मणिशंकर के बयान से कांग्रेस ने किनारा किया था।

एक इंटरव्यू में अय्यर ने पार्टी नेता पवन खेड़ा के बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की। इतना ही नहीं उन्हें कठपुतली करार दिया है। उन्होंने कहा, खेड़ा ने दो साल पहले कह दिया था कि मैं कांग्रेस का किसी भी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करता हूं। तब यह नया नहीं है। वह कांग्रेस की कठपुतली हैं, वह प्रवक्ता नहीं है। वह कुंठित आईएएस अफसर हैं, जो यहां आए हैं और बीते दो साल से मुझे गालियां दे रहे हैं। कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को लेकर उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जीते, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस जीतेगी। क्योंकि कांग्रेस नेता आपस में बंटे हुए हैं। वे वामपंथियों से ज्यादा एक दूसरे से नफरत करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अय्यर ने सांसद थरूर को पाकिस्तान विरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि वह (थरूर) अगले विदेश मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखते हैं। उन्होंने कहा कि जयराम रमेश को अपनी नौकरी बचानी है।

दरअसल अय्यर ने एक इंटरव्यू में भरोसा जताया कि माकपा नेता पिनराई विजयन केरल के मुख्यमंत्री बने रहने वाले है। उन्होंने भारत को लेकर महात्मा गांधी के नजरिए को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक इसतरह के देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब भी देश के प्रति अपनापन महसूस करें और राष्ट्र निर्माण में अपनी प्रभावी भूमिका निभा सकें। उन्होंने कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि इस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां भारत की मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसलिए मुख्यमंत्री की उपस्थिति में, जिनके पद पर बने रहने का मुझे पूरा विश्वास है, मैं अपनी अपील दोहराता हूं, केरल को देश का सर्वश्रेष्ठ पंचायती राज वाला राज्य बनाने के लिए, राज्य कानून में व्यावहारिक अनुभव, थॉमस आइजैक की अंतर्दृष्टि, मेरे द्वारा अध्यक्षता की गई पांच खंडों वाली रिपोर्ट और वीके रामचंद्रन द्वारा जिला नियोजन पर योजना आयोग द्वारा प्रसारित नोट के आधार पर संशोधन किया जाना चाहिए।

मैं नेहरू और राजीववादी हूं, पर राहुलवादी नहीं

कांग्रेस नेता अय्यर अपने विवादित बयानों से सोमवार को फिर पार्टी को असहज कर दिया। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि वे गांधीवादी, नेहरूवादी और राजीववादी हैं, लेकिन राहुलवादी नहीं हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसा कि वे भूल गए कि अय्यर पार्टी के सदस्य हैं। अय्यर ने डॉ. अंबेडकर की जीवनी का हवाला दिया। आज कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल को इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है। पवन खेड़ा जैसे आदमी को पार्टी का आधिकारिक प्रवक्ता बना रखा है। आखिर पार्टी इतनी बड़ी मूर्खता कैसे कर सकती है, वे एक कठपुतली हैं।

अय्यर ने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कांग्रेस की हालत क्या है। वेणुगोपाल जैसे शख्स को वह जिम्मेदारी दी गई है, जो कभी सरदार पटेल के पास थी। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आखिर इसतरह के दल को कौन वोट देना चाहेगा, जिसमें नेता आपस में लड़ रहे हैं। एक-दूसरे के गले काटने को तैयार हैं। क्या ये चीजें जनता को नहीं पता हैं। अय्यर ने कहा कि एक समय पर वह कांग्रेस भी थी, जब किसी फैसले को माना जाता था। नेहरू पीएम बने, तब सभी ने स्वीकार किया। यदि सुभाष चंद्र बोस की विमान हादसे में मौत नहीं होती, तब वे शायद राष्ट्रपति बनते।

इस दौरान उन्होंने तमिलनाडु के नेता एमके स्टालिन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि स्टालिन ने सूट-बूट की सरकार या फिर वोट चोर गद्दी छोड़ जैसे नारे नहीं दिए। उन्होंने जरूरी मुद्दे उठाकर सरकार बनाई। यही नहीं अय्यर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का अध्यक्ष यदि किसी नेता को बनना चाहिए, तब वे स्टालिन ही हो सकते हैं। तंज कसते हुए अय्यर ने कहा कि यदि पवन खेड़ा ही मुझे कांग्रेस से बाहर करते हैं, तब मैं खुद ही बाहर निकल जाऊंगा और खेड़ा को पीछे से लात मारूंगा।

ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीकों को देख बिल गेट्स ने की सरकार की तारीफ

-राज्य सचिवालय में सीएम नायडू ने किया गेट्स फाउंडेशन के सदस्यों का जोरदार स्वागत

अमरावती (एजेंसी)। बिल गेट्स ने राज्य सचिवालय में आंध्र प्रदेश के सीएम एन चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य प्रमुख मंत्रियों से मुलाकात की। आंध्र प्रदेश में सहयोगात्मक परियोजनाओं के विस्तार पर चर्चा के लिए गेट्स फाउंडेशन का छह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल उनके साथ आया था। बिल गेट्स का सचिवालय के प्रथम ब्लॉक में गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

सीएम नायडू ने मंत्रिमंडल के सहयोगियों का गेट्स से परिचय कराया। यात्रा के दौरान बिल गेट्स ने सचिवालय में रियल-टाइम गवर्नेंस केंद्र का निरीक्षण किया। सीएम नायडू ने उन्हें बताया कि आरटीजीएस प्रणाली किस प्रकार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सरकारी कार्यों की निगरानी और उन्हें बेहतर बनाती है। चर्चा में डिजिटल शासन के जरिए कई क्षेत्रों में हासिल उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और वास्तविक समय के डेटा-आधारित प्रशासन के लिए आंध्र प्रदेश के मॉडल को प्रदर्शित किया।

आरटीजीएस दौरे के बाद, बिल गेट्स और उनके प्रतिनिधिमंडल ने सीएम, मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि क्षेत्रों में परियोजनाओं को मजबूत करना था, जिनमें गेट्स फाउंडेशन राज्य के साथ सक्रिय रूप से साझेदारी कर रहा है। नायडू ने राज्य का स्वर्णान्ध्र विजन 2047 प्रस्तुत किया, जिसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य, शिक्षा और कृषि क्षेत्रों में सुधारों और दीर्घकालिक लक्ष्यों की रूपरेखा पेश की गई। गेट्स ने नायडू के साथ अमरावती के पास उंडावल्ली गांव में एक कृषि क्षेत्र का दौरा भी किया। प्रतिनिधिमंडल ने ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अन्य आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए उन्नत कृषि पद्धतियों का अवलोकन किया। इस प्रदर्शन से यह स्पष्ट हुआ कि कैसे प्रौद्योगिकी उत्पादकता बढ़ा सकती है और राज्य में टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे सकती है। गेट्स ने राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना की और व्यापक प्रभाव के लिए इन पहलों को बड़े पैमाने पर लागू करने के लिए आगे सहयोग करने में रुचि दिखाई।

सियासी विवाद के बीच बोले उदित राज कहा- टीपू महान समाज सुधारक थे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मालेगांव से शुरू हुआ टीपू सुल्तान की तस्वीर का विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो चुका है। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग के साथ-साथ सड़कों पर भी हिंसा देखने को मिल रही है। हाल ही में कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने 18वीं सदी के मैसूर शासक टीपू सुल्तान का समर्थन करते हुए उन्हें एक महान समाज सुधारक करार दिया है। उदित राज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र कांग्रेस के नेता हर्षवर्धन सपकाल द्वारा टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से किए जाने पर पहले ही राज्य का सियासी पारा चढ़ा हुआ है।

उदित राज ने अपने बयान में इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि टीपू सुल्तान ने दलितों और पिछड़ों के हक में बड़े सुधार किए थे। उन्होंने स्तन कर जैसी कुप्रथा का जिक्र करते हुए दावा किया कि टीपू सुल्तान ने शूद्र महिलाओं को अपना शरीर ढंकने का अधिकार दिलाने के लिए कड़ा संघर्ष किया था। उदित राज ने भाजपा और हिंदुत्ववादी संगठनों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि जो लोग दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के उत्थान की बात करते हैं, ये संगठन उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने सावरकर और गोलवलकर जैसे विचारकों का नाम लेते हुए कहा कि इतिहास में दलितों से नफरत करने वाले लोगों को आज प्रमोट किया जा रहा है।

इस विवाद की शुरुआत मालेगांव की उप-महापौर शान-ए-हिंद निहाल अहमद के कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाने से हुई थी। शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षदों ने नीलेश अहेर के नेतृत्व में इसका पुरजोर विरोध किया और तस्वीर हटाने की मांग की। इस दौरान उप-महापौर और पार्षदों के बीच तीखी बहस हुई, जिसमें अहमद ने स्पष्ट कर दिया कि वे किसी भी कीमत पर तस्वीर नहीं हटाएंगी। विवाद ने तब और अधिक उग्र रूप ले लिया जब कांग्रेस नेता हर्षवर्धन सपकाल ने टीपू सुल्तान को भूमिपुत्र बताते हुए उन्हें वीरता के पैमाने पर छत्रपति शिवाजी महाराज के समकक्ष खड़ा कर दिया। इस तुलना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फडणवीस ने इसे महाराष्ट्र के आराध्य देव छत्रपति शिवाजी महाराज का अपमान और बेहद शर्मनाक कृत्य बताया। भाजपा ने सपकाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और उनके बयान की कड़ी निंदा की है।

झारखंड में जंगली हाथियों ने ली कई की जान, अब कुनकी हाथी इन पर पाएंगे काबू

-कर्नाटक से विशेष प्रशिक्षित हाथियों को बुलाया, ये होते हैं शांत और अनुशासित

रांची (एजेंसी)। झारखंड के चाईबासा और हजारीबाग में हाथियों के लगातार हमलों से ग्रामीण दहशत में हैं। हालात पर काबू पाने कर्नाटक से विशेष रूप से प्रशिक्षित छह कुनकी हाथियों को झारखंड बुलाया जा रहा है। ये विशेष रूप से प्रशिक्षित हाथी हैं, जो जंगली और उग्र हाथियों को काबू में करने में मदद करते हैं। चाईबासा और हजारीबाग में पिछले एक महीने में 25 से ज्यादा लोगों की मौत हाथियों के हमले में हो चुकी है। चाईबासा में एक अकेले हाथी ने 15 से ज्यादा लोगों की जान ली, जबकि हजारीबाग में पांच हाथियों के झुंड ने एक ही रात में सात लोगों की जान ले ली। अब उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से इन बेकाबू हाथियों को जंगल की ओर वापस भेजा जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कुनकी शब्द फारसी भाषा से आया है, जिसका अर्थ होता है सहायक। कर्नाटक वन विभाग हाथियों को खास प्रशिक्षण देता है। इन प्रशिक्षित हाथियों के साथ अनुभवी महावत रहते हैं। ये हाथी शांत और अनुशासित होते हैं और इन्हें जंगली हाथियों को पकड़ने या नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तमिलनाडु के कालेम और कर्नाटक के अभिमन्यु जैसे कुनकी हाथी कई अभियानों को सफलतापूर्क पूरा किया है। ये हाथी अपनी गंध और व्यवहार से उग्र हाथियों को शांत करने में मदद करते हैं।

बता दें झारखंड में करीब 600 हाथी हैं, लेकिन जंगल क्षेत्र कम होने से उनके लिए भोजन और रहने की जगह घट गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में जंगल सिकुड़ रहे हैं। एक हाथी को रोज करीब 17 घंटे तक भोजन करना पड़ता है, लेकिन जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। इस वजह से हाथी गांव और खेतों की ओर आ रहे हैं, जहां उन्हें धान, सब्जियां और केला जैसी फसलें आसानी से मिल जाती हैं। खाने की तलाश और क्षेत्र को लेकर आपसी संघर्ष के कारण कई नर हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। ऐसे हाथी ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं और इंसानों पर हमला करते हैं। राज्य सरकार और वन विभाग को उम्मीद है कि कुनकी हाथियों की मदद से हालात पर जल्द काबू पा लिया जाएगा और लोगों को राहत मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)